वार्षिक रिपोर्ट

2013 - 2014

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

izdk'kd%

प्रशिक्षण अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
अकादमी की वार्षिक रिपोर्ट अकादमी वेबसाइट http://www.lbsnaa.gov.in/ पर देखी जा सकी है।

eqnzd%

प्रिंट विजन
41–सी राजपुर रोड, देहरादून – 248001, उत्तराखंड
फोन नं0 – 0135–2741702 / 26532172
ई–मेल : printvisionddn@gmail.com

विषय सूची

अध्याय 1:

परिचय 01

अध्याय 2:

वर्ष 2013–14 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 06

अध्याय 3:

कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का विवरण 07

अध्याय 4:

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र एकक (एनआईसी यूनिट एवं अनुसंधान केंद्र)..................... 31

अध्याय 5:

क्लब एवं सोसाइटियां 45

अध्याय 6:

लेखा अनुभाग 52

अध्याय 7:

पुस्तकालय सुविधाएं 54

परिशिष्ट

परिशिष्ट–1 : भौतिक अवसंरचना 56

परिशिष्ट–2 : अकादमी के संयुक्त निदेशकों की सूची.............................. 57

परिशिष्ट–3 : अकादमी परिषद एवं संकाय सदस्य/अन्य अधिकारी 58

परिशिष्ट–4 : 88वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागी.............................. 60

परिशिष्ट–5 : भा0प्र0 सेवा चरण–I (2012–14 बैच) के प्रतिभागी 61

परिशिष्ट–6 : भा0प्र0 सेवा चरण–II (2011–13 बैच) के प्रतिभागी 62

परिशिष्ट–7 : भा0प्र0 सेवा चरण– III (2013 बैच) के प्रतिभागी 63

परिशिष्ट–8 : भा0प्र0 सेवा चरण– IV (2013 बैच) के प्रतिभागी 64

परिशिष्ट–9 : भा0प्र0 सेवा चरण–V (2013 बैच) के प्रतिभागी 65

परिशिष्ट–10 : 114वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी....................... 66

परिशिष्ट–11 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 20वें संयुक्त सिविल सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी 67

परिचय

v dkneh dsckjsea

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, (ला.ब.शा.रा.प्र.अ.) मसूरी भारत में सर्वोच्च सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए एक मुख्य प्रशिक्षण संस्थान है। यहां अखिल भारतीय सेवाओं और केन्द्रीय सेवा समूह 'क' प्रवेशकों के लिए सामान्य आधारिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। यह अकादमी आधारिक पाठ्यक्रम के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा से नियमित सदस्यों तथा रॉयल भूटान सेवा के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देती है। अकादमी भा0 प्र0 सेवा के सदस्यों के लिए सेवाकालीन तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) और राज्य सिविल सेवाओं से भा0 प्र0 सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ नीतिगत मामलों पर कार्यशालाओं तथा सेमिनारों का भी आयोजन करती है।

v dkneh dk bfrgkl

तत्कालीन गृहमंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव की घोषणा की थी जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को आधारिक और मूलभूत विषयों का प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। इसे भारत सरकार गृह मंत्रालय के अंतर्गत 'संबद्ध कार्यालय' का दर्जा प्राप्त था। अक्तूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है। यह अकादमी 1870 में बने प्रतिष्ठित ''चार्लिविल होटल'' में शुरू की गई थी। यहां अकादमी की शुरुआत के लिए आधारिक संरचना मौजूद थी। इसके बाद इसमें काफी विस्तार किया गया। पिछले कई वर्षों में कई नए भवन बनाए और खरीदे भी गए।

mRifÙk ,oa fodkl Øe	
15 अप्रैल, 1958	लोकसभा में तत्कालीन गृह मंत्री द्वारा अकादमी स्थापित करने की घोषणा
13 अप्रैल, 1959	मेटकॉफ हाउस, नई दिल्ली में 115 अधिकारियों के प्रथम बैच ने प्रशिक्षण आरंभ किया
1 सितम्बर, 1959	मसूरी में अकादमी की शुरुआत
1969	अकादमी में चरण–। का सेंडविच पैटर्न की शुरूआत। जिला प्रशिक्षण (संबंधित राज्य संवर्गों के संबंध में) के बाद कैंपस प्रशिक्षण पर चरण–।। प्रशिक्षण आरंभ किया गया इससे पूर्व आधारिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा था बाद में 8 माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
आरंभ से 31.8.1970 तक	अकादमी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
1.9.1970 से अप्रैल 77 तक	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय मामले विभाग के अधीन कार्य–किया
अक्टूबर, 1972	अकादमी के पूर्व नाम "प्रशासन अकादमी" में "लाल बहादुर शास्त्री" जोड़ा गया
जुलाई, 1973	"राष्ट्रीय" शब्द जोड़ा गया और अब अकादमी को "लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी" के नाम से जाना जाता है।
अप्रैल, 1977 से मार्च, 1985	अकादमी ने गृह मंत्रालय के अधीन कार्य किया
अप्रैल, 85 से अब तक	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट (निक्टू) की स्थापना

3 नवंबर, 1992	कर्मशिला भवन का उद्‌घाटन
1995	प्रकाशन प्रकोष्ठ को टीआरपीसी के साथ मिला दिया गया।
9 अगस्त,1996	ध्रुवशिला तथा कालिंदी अतिथि–गृह का उद्‌घाटन किया गया।
2007	मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ।
2011	मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ज्ञानशिला भवन, सिल्वरवुड एवं वैली व्यू छात्रावासों का नियोजन किया गया।
21.06.2.13	ब्रह्मपुत्र भवन का उद्‌घाटन।

vdkneh fe'ku rFkk vk/kkjHkwr ewY;

fe'ku

''हम उचित देखभाल, नैतिक और पारदर्शी ढांचे में एक व्यावसायिक एवं जिम्मेदार सिविल सेवा के निर्माण की दिशा में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर के सुशासन को बढ़ाना चाहते हैं।''

vk/kkjHkwr ewY;

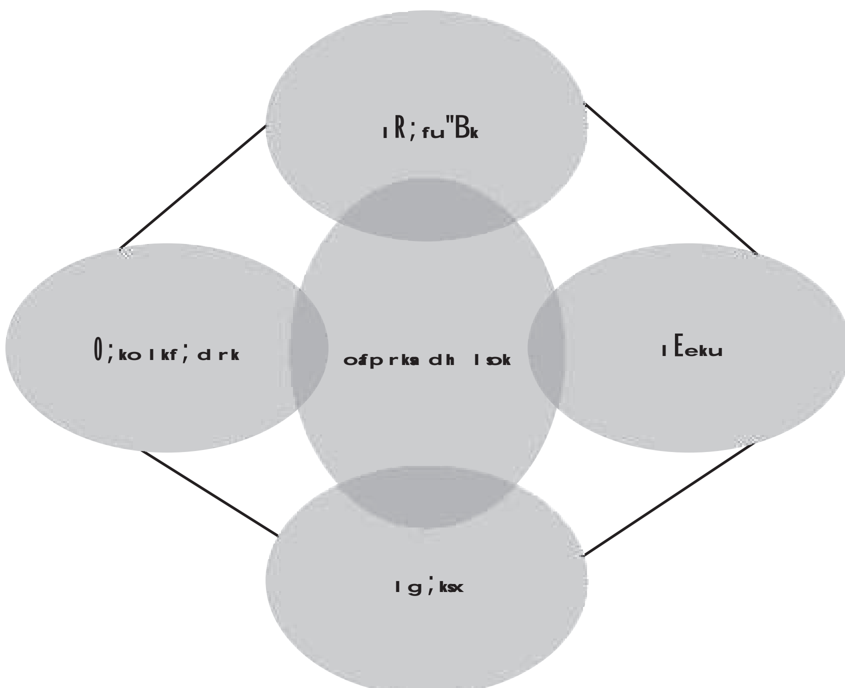

अकादमी की अवसंरचना का ब्योरा परिशिष्ट –। में संलग्न है।

oafprks dh lsok

''लोगों के साथ कार्य करते हुए अपने दृष्टिकोण में मानवता रखना, वंचितों की ताकत बनना तथा उनके खिलाफ किसी भी अन्याय के समाधान में सक्रिय होना। आप इस प्रयास में सफलता प्राप्त कर सकते हैं यदि आप सत्य निष्ठा, सम्मान, व्यावसायिकता और सहयोग के साथ कार्य करें।''

lR;fu"Bk

''अपने विचारों, शब्दों तथा कार्यों में एकरूप होना जो आप को विश्वसनीय बनाती है। दोषारोपण में साहस रखना तथा सदैव बिना किसी भय के,

यहां तक कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से भी सत्य बोलना। किसी भी भ्रष्टाचार को कदापि सहन न करें, इसका विनम्रता या बौद्धिकता से सामना करें।''

lEeku

जाति, धर्म, रंग, लिंग, आयु, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा तथा सामाजिक – आर्थिक स्थिति की भिन्नता को अपनाना। सभी के साथ विनम्रता तथा सहानुभूति के साथ पेश आएं। भावात्मक रूप से स्थिर रहें, विश्वास के साथ तथा अहंकार के बिना आगे बढ़ें।

0;kolkf;drk

अपने दृष्टिकोण में न्यायसंगत तथा अराजनैतिक रहना, कार्य तथा परिणाम के लिए पूर्वाग्रह के साथ अपने कार्य के प्रति व्यावसायिक तथा पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहना और नियमित रूप से सुधार एवं उत्कृष्टता का लक्ष्य रखना।

lg;ksx

मतैक्य के लिए सभी के साथ गंभीरता से कार्य कर के विचारों तथा कार्यों में सहयोग करना। दूसरों को प्रोत्साहित करना, टीम भावना हो बढ़ावा देना तथा दूसरों से सीखने के लिए खुलकर चर्चा करना। पहल करना तथा जिम्मेदारी लेना।

funs'kd dk;kZy;

dk;Zdky dh rkfydk

Ø-la	uke	dk;Zdky		
1.	श्री ए.एन. झा, भा.सि.सेवा	01.09.1959	से	30.09.1962
2.	श्री एस.के. दत्ता, भा.सि.सेवा	13.08.1963	से	02.07.1965
3.	श्री एम.जी. पिम्पुटकर, भा.सि.सेवा	04.09.1965	से	28.04.1968
4.	श्री के.के. दास, भा.सि.सेवा	12.07.1968	से	24.02.1969
5.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि.सेवा	19.03.1969	से	11.05.1973
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र. सेवा	11.05.1973	से	11.04.1977
7.	श्री बी.सी. माथुर, भा.प्र. सेवा	17.05.1977	से	23.07.1977
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र. सेवा	23.07.1977	से	30.06.1980
9.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र. सेवा	02.08.1980	से	01.03.1982
10.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र. सेवा	16.06.1982	से	11.10.1982
11.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र. सेवा	09.11.1982	से	27.02.1984
12.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र. सेवा	27.02.1984	से	24.02.1985
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र. सेवा	06.06.1985	से	29.04.1988
14.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र. सेवा	26.05.1988	से	25.01.1993
15.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा	25.05.1993	से	06.10.1996
16.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र. सेवा	06.10.1996	से	08.11.2000
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र. सेवा	08.11.2000	से	13.01.2003
18.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र. सेवा	20.01.2003	से	15.10.2004
19.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र. सेवा	29.10.2004	से	06.04.2006
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र. सेवा	06.04.2006	से	20.09.2009
21.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा	02.09.2009	से	28.2.2014

संयुक्त निदेशकों अकादमी काउंसिल सदस्यों तथा अन्य अधिकारियों की सूची क्रमशः : परिशिष्ट–2 तथा 3 में दी गई है।

ifjlj

यह अकादमी चार्लिविल, ग्लेनमाइर और इंदिरा भवन नामक तीन सुरम्य परिसरों में फैली है। तीनों परिसरों में अलग–अलग विशिष्ट कार्य होते हैं। चार्लिविल में प्रारंभिक स्तर के प्रशिक्षण के साथ–साथ, व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। ग्लेनमाइर परिसर में पूर्वकालिक राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान (एन.आई.ए.आर.), स्थापित है। इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण, अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रम/कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं।

izf'k{k.k &i)fr

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी–तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य–विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। ऐसा करने के लिए राज्य काउंसलरों के माध्यम से राज्य सरकारों से और अर्धवार्षिक सम्मलेनों में राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभागों के प्रतिनिधियों से भी समय–समय पर विचार–विमर्श किया जाता है। यह स्पष्ट है कि प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा–व्याख्यान की विधि बहुत उपयुक्त नहीं है। अतः कई अन्य नई विधियां भी अपनाई जाती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

ekM;wy esa fuEufyf[kr lHkh ;k dqN fof/k;ka iz;qDr dh tkrh gSa

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय, दोनों द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- प्रयोगात्मक निदर्शन
- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

QhYM Hkze.k

- हिमालय ट्रैक– विषमता, खराब मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य पदार्थों की दुर्लभता में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की हिम्मत की परीक्षा होती है। इस यात्रा के दौरान उनके वास्तविक गुणावगुण सामने आ जाते हैं।
- ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है।

समाज पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव, फील्ड भ्रमणों तथा लाभार्थियों के साथ विचार–विनिमय के जरिए कार्य अनुसंधान भी किया जाता है।

l?kHkko dksc<kok

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न

सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच एक घनिष्टता कायम करती है। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे अपने पुराने दिनों को याद करते हैं। अकादमी की यह अनोखी विशिष्टता, इसकी आधुनिक अवसंरचना के अतिरिक्त, नवीन एवं पुरातन का अनोखा मिश्रण है।

izfrHkkxh

वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान कुल 12 पाठ्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां आयोजित की गईं जिनमें कुल 1057 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आगे सारणी में वर्ष 2013–14 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों/प्रशिक्षणार्थियों का विस्तृत ब्योरा दिखाया गया है।

o"kZ 2013&14 ds nkSjku fofHkUu ikB~;Øeksa esa izfrHkkfx;ksa@izf'k{k.kkfFkZ;ksa dk foLr`r C;ksjk

ikB~;Øe dk uke	2013&14 ds izfrHkkfx;ksa dh la[;k
आधारिक पाठ्यक्रम (मुख्य)	269
भा. प्र. सेवा चरण–I	171
भा. प्र. सेवा चरण– II	158
भा. प्र. सेवा चरण– III (छठा दौर)	93
भा. प्र. सेवा चरण– IV (सातवां दौर)	76
भा. प्र. सेवा चरण– V (छठा दौर)	93
प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	50
संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	46
अगमुट संवर्ग के भा0प्र0 सेवा अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम	31
अन्य कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन	70
;ksx	1057

वर्ष 2013-2014 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

Ø-la	ikB;Øe dk uke	vof/k	ikB;Øe Vhe lo/Jh@Jherh	ifrHkkfx;ksa dh la[;k		
				iq	e-	;ksx
1.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। (2012)	17 दिसंबर,, 2012 से 14 जून, 2013	श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक (वरि0)	137	34	171
2.	भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 अप्रैल से 21 जून, 2013	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरि0)	71	22	93
3.	प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 12वां सम्मेलन	20 से 21 मई, 2013	श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक (वरि0)	19	03	22
4.	भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 8वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम चरण–IV	1 जुलाई से 23 अगस्त, 2013	श्री दुष्यंत नरियालो संयुक्त निदेशक	66	10	76
5.	भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–।। (2011)	1 जुलाई से 22 अगस्त, 2013	श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक	134	24	158
6.	अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सेवाओं (समूह 'क') के पात्र सदस्यों के लिए 88वां आधारिक पाठ्यक्रम	02 सितम्बर से 13 दिसंबर 2013	श्री राजेश आर्य, उ0नि0वरि0	198	71	269
7.	1963 बैच के भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों का पुनर्मिलन	9 से 10 सितंबर, 2013	श्री अभिषेक स्वामी, उ0नि0वरि0 श्री तेजवीर सिंह,सं0नि0	33	03	36
8.	भा0प्र0 सेवा अधिकारियों के लिए 7वां मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 सितंबर से 18 अक्तूबर, 2013	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक	79	14	93
9.	राज्य सिविल सेवा के पदोन्न/ भा0पु0 सेवा की चयन सूची में आने वाले अधिकारियों के लिए 114वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 13 दिसंबर, 2013	श्रीमती निधि शर्मा, उ0नि0वरि0	39	11	50
10.	केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 15वां सम्मेलन	28–29 अक्तूबर, 2013	श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक (वरि0)	09	03	12
11.	राष्ट्रीय सुरक्षा पर 20वां संयुक्त सिविल सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 29 नवंबर,, 2013	श्री तेजवीर सिंह, सं0नि0 श्रीमती शिप्रा झा, रीडर डॉ0 ए.एस. रामचंद्रन, प्रो0	45	01	46
12.	अगमुट संवर्ग के भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम	चरण–। (2010 बैच) प्रशिक्षण के बाद जब अधिकारी प्रशिक्षणार्थी राज्य प्रशिक्षण लेते हैं।	डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरि0)	22	09	31
	;ksx%			**852**	**205**	**1057**

पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां

88oka vk/kkfjd ikB~;Øe
¼02 flrEcj] 2013 ls 13 fnlEcj] 2013 rd½

ikB~;Øe dk uke	88वां आधारिक पाठ्यक्रम
ikB~;Øe leUo;d dk uke	श्री राजेश आर्य, उपनिदेशक (वरि0)
ikB~;Øe Vhe ds uke	श्रीमती जसप्रीत तलवार उपनिदेशक (वरि0) डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक
ifrHkkfx;ksa dh la[;k	कुल – 269 पुरुष – 198 महिलाएं – 71
vk0ik0 ds lac/k esa	भा0प्र0 सेवा – 165, भा0वि0 सेवा – 26, भा0पु0 सेवा – 75, रॉयल भूटान सिविल सेवा – 3
ikB~;Øe 'kqHkkjaHk	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी
dk;Øe dk lekiu	श्री अजीत सेठ, कैबिनेट सचिव

88वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 4 में संलग्न है।

y{;

88वें आधारिक पाठ्यक्रम में 269 युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्होंने 02 सितंबर 2013 को 15 सप्ताह के दीर्घावधिक कार्यक्रम में भाग लिया जो 13 दिसंबर, 2013 को समाप्त हुआ। इस प्रशिक्षण में अकादमी के संकाय सदस्यों के अतिरिक्त सार्वजनिक जीवन से जुड़े तथा अपने–अपने व्यावसायिक क्षेत्र के अग्रणी प्रशिक्षकों तथा वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

ikB~;Øe dk mn~ns';

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश के प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृष्य की जानकारी देना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सिविल सेवा में आने वाली चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना।
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व की सभी विशेषताओं जैसे बुद्धिमत्ता, नैतिकता, शारीरिक तथा सौंदर्य का विकास करना।
- संघ भाव के निर्माण द्वारा विभिन्न सिविल सेवाओं के सदस्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना।

ikB~;Øe dh :ijs[kk

अकादमिक विषयों में अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, प्रंबध, राजनैतिक सिद्धांत और भारत का संविधान, भारतीय इतिहास एवं संस्कृति तथा विधि, प्रमुख थे। कक्षा व्याख्यानों के अलावा पुस्तक समीक्षा, महोत्सवों का आयोजन, भारत दिवस, खेलकूद आदि के माध्यम से सहयोग तथा आत्मनिर्भरता का विकास करते हुए प्रशिक्षण दिया गया। आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान 9 दिवसीय हिमालयन ट्रेक, एक सप्ताह का ग्राम प्रवास,

भारत महोत्सव का आयोजन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा मेले का आयोजन किया गया। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक गतिविधियां, उनके बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायक होती हैं।

शिक्षा संबंधी तकनीकों में परिचर्चा, प्रबंधन गेम, औपचारिक क्विज प्रतियोगिता आदि के द्वारा परस्पर ज्ञान आदान–प्रदान पर विशेष ध्यान दिया गया। आधारिक पाठ्यक्रम का मूलाधार ऐसे गुणी कर्मियों का विकास करना है जो लोक सेवा के लिए आवश्यक हो तथा आधारिक पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक ऐसा वातावरण उपलब्ध कराया जाता है जिससे वे स्वयं को एक परिपक्व तथा आत्मविश्वास से पूर्ण अधिकारी के रुप में विकसित कर सके। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को भाषा का भी गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। जिन अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को हिंदी का पर्याप्त ज्ञान नहीं होता, उन्हें हिंदी भाषा की शिक्षा लेनी होती है, अखिल भारतीय सेवा, भा.प्र. सेवा भा. पुलिस सेवा तथा भा. वन सेवा के अधिकारियों को अकादमी में उपलब्ध विकल्पों में से कोई अन्य भाषा सीखने का भी विकल्प दिया जाता है।

Øe la	oDrk dk uke	inuke
1.	के. सलीम अली	विशेष निदेशक, सी.बी.आई., नई दिल्ली
2.	डॉ0 अजय कुमार	माननीय संसद सदस्य
3.	श्री शेखर गुप्ता	मुख्य संपादक, इंडियन एक्सप्रेस
4.	श्री उज्ज्वल नारायण यूके	प्रधान सचिव, महाराष्ट्र सरकार
5.	श्री प्रदीप कुमार	मुख्य सतर्कता आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग
6.	श्री शशि थरूर	माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री
7.	श्री अशोक चावला	अध्यक्ष, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग
8.	ऐंबेसडर के.सी. सिंह	पूर्व सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार
9.	दिलीप जवालकर	अपर सचिव, उत्तराखंड सरकार
10.	डॉ0 के.एल. प्रसाद	आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग

ikB~;Øe lello;d fVIi.kh

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी ने प्रशिक्षण देने और पाठ्येतर क्रियाकलापों का बहुत ही कारगर पैकेज विकसित किया है। प्रशिक्षण देने का कार्य ऐसे परामर्शदाताओं के जरिए किया जाता है जो अकादमी के वरिष्ठ संकाय सदस्य हैं और सरकारी सेवा में गहन अनुभव रखते हैं। पाठ्येतर क्रियाकलापों में अनिवार्य रूप से सुबह व्यायाम करवाया जाना, खेल–कूद तथा मसूरी के आस–पास के लघु ट्रेक शामिल हैं। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्येतर मॉड्यूलों के जरिए नए कौशल सीखने को भी प्रोत्साहित किया जाता है जिसमें भाषाएं, ललित कलाएं, खेल–कूद, हैम रेडियो तथा फोटोग्राफी जैसे 13 मॉड्यूल हैं।

88os vk/kkfj d ikB~;Øe dk fonkbZ lekjksg

(बांए से दांएः श्री पदमवीर सिंह, निदेशक ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, श्री अजीत सेठ, कैबिनेट सचिव, श्री संजीव चोपड़ा, संयुक्त निदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, श्री अभिषेक स्वामी, उपनिदेशक, श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी)

Hkk0iz0 lsok 0;kolkf;d ikB~;Øe pj.k&A 2012 cSp
17 fnlacj] 2012 ls 14 twu] 2013 rd

ikB~;Øe dk uke	भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2012 बैच)
vof/k	17 दिसंबर, 2012 से 14 जून, 2013 तक
ikB~;Øe leUo;d	श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक (वरि0)
ikB~;Øe Vhe dsuke	श्रीमती रंजना चोपड़ा (उपनिदेशक वरि0), श्री राजेश आर्य (उपनिदेशक वरि0) एवं श्रीमती निधि शर्मा (उपनिदेशक वरि0)
dk;Øe dk y{; lewg	भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी
izfrHkkfx;ksa dh dqy la0	171
iq#"k	137
Ekfgyk,a	34
Lkekiu lacks/ku	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक

चरण– I के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 5 में सलग्न है।

y{;

- एक प्रभावी सिविल सेवक बनने के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों में वृद्धि करना है।
- नैतिक एवं विकासात्मक प्रशासन से संबंधित सीखने के अनुभवों से अवगत करना।

ikB~;Øe dsmn~ns';

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I समाप्त होने पर, एक अधिकारी प्रशिक्षणार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम हो जाएगा।

- अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में हमारी उभरती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक – विधिक प्रवृत्तियों से अवगत होना भा0प्र0 सेवा की उभरती भूमिका एवं अन्य सेवाओं के साथ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझना।
- सेवा (कैरियर) के पहले दशक में निम्न क्षेत्रों में प्रशासनिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा कौशल प्राप्त करना :
  - विधि एवं विधिक कार्यवाहियां
  - प्रशासनिक नियम, प्रक्रियाएं तथा कार्यक्रम दिशानिर्देश
  - आधुनिक प्रबंधन साधन तथा
  - आर्थिक विश्लेषण
- अपनी प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक लोकाचार की बेहतर समझ के लिए आवंटित राज्य की क्षेत्रीय भाषा में कुशलता सिद्ध करना।
- आवंटित राज्य की सांस्कृतिक तथा सामाजिक – आर्थिक पृष्ठभूमि को समझना।
- अंतर्वैक्तिक तथा संगठनात्मक दोनों संदर्भों में लिखित / मोखिक संप्रेषण कौशल का प्रभावी प्रदर्शन करना।
- उचित मूल्यों एवं मनोभावों का प्रदर्शन करना।
- शारीरिक स्वस्थता को बनाए रखना।
- ''शीलम परम भूषणम्'' की भावना पर दृढ़ रहना।

ikB~;Øe dh :ijs[kk

चरण– I कार्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा ज्ञान एवं विषय वस्तु के संदर्भ सोच–समझ कर सामान्य बनायी गई थी। अध्ययन, शिक्षा, खेल–कूद तथा मनोरंजन को प्र्याप्त स्थान देते हुए यह अधि0 प्रशि0 में ज्ञान, कौशल तथा मनोभावों का एक ऐसा परिवेश तैयार किया जाता है जिससे वे कार्यक्षेत्र तथा पहल दोनों में भावी उत्तरदायित्वों को उठा पाने में सक्षम होंगे जो कि काफी चौंकाने वाली तथा पेंचीदगी भरी होती है।

26 सप्ताह का भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण– I 2012 बैच 17 दिसंबर, 2012 को प्रारंभ हुआ तथा 14 जून, 2013 को समाप्त हुआ था। इसमें दो मुख्य घटक थेः–

- शीतकालीन अध्ययन भ्रमण एवं बीपीएसटी (नौ सप्ताह का कार्यक्रम – 22 दिसंबर, 2012 से 15 फरवरी, 2013 तक प्रारंभ हुआ था)।
- 25 फरवरी, 2013 से 14 जून 2013 तक ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

''k{kf.kd fo"k;

ऑन कैंपस शैक्षणिक प्रशिक्षण 25 फरवरी, 2013 को आरंभ हुआ था। हालांकि ''भारतीय प्रशासकि सेवा (अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अंतिम परीक्षा) विनिमय, 1955'' के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम एक आधारिक पाठ्यक्रम है, तथापि भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण की आवश्यकताओं में परिवर्तन करने के लिए समुचित संशोधन किए गए है। शैक्षणिक मॉड्यूल विषयवार तैयार किए जाते हैं जिसमें अलग–अलग कार्य के ऐसे विषय शामिल किए जाते हैं जो विभिन्न कार्य–क्षेत्रों जिन्हें भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों को करना होता है। इसमें विधि, अर्थशास्त्र, राजनैतिक सिद्धांत तथा संविधान, भाषा एवं आई.सी.टी. के व्यापक सत्र आयोजित किए गए थे। अपनाई गई प्रशिक्षण कार्य–प्रणाली में अन्य बातों के साथ–साथ मिश्रित व्याख्यान, प्रकरण परिचर्चा, सेमीनार, पैनल चर्चा, आदेश लेखन अभ्यास, मूट कोर्ट तथा मॉक ट्रायल मेनेजमेंट गेम तथा भूमिका अभिनय समूह अभ्यास, फिल्म, क्षेत्रीय तथा आउटडोर भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। अधिकारियों को संबोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विशेषज्ञ एवं ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था।

भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों को संवर्ग भाषा में राज्य दस्तावेज प्रस्तुत करना होता था जबकि इस कार्य समनुदेशन (असाइनमेंट) की हार्ड कॉपी अंग्रेजी में उपलब्ध करनी होती थी। चरण– I के आई.सी.टी. मॉड्यूल को इस तरह से बनाया जाता था ताकि अधिकारी प्रशिक्षणार्थी विशेष रूप से कंप्यूटरिंग के परिवेश, प्रणाली के कंप्यूटरीकरण में शामिल अवधारणाओं/विषयों, प्रौद्योगिकी में नवोन्मेष, वेब डिजाइन, क्लाइंट/सर्वर इत्यादि से अवगत होंगे। इसके पीछे यह उद्देश्य था कि अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को ''कंप्यूटर प्रोफेशनल बनाना नहीं बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन के कार्य परिवेश में तकनीकी क्षमताओं से अवगत कराना है।

fo"k;xr ekWM~;wy dh lwph rFkk ekWM~;wy leUo;d dsuke l{ksi esauhps fn, x, gS&

ekWM~;wy	ekWM~;wy leUo;d
भा0प्र0 सेवा के परिप्रेक्ष्य में	डॉ0 ज्ञानेंद्र डी बडगैंयां
जिला एवं भूमि प्रशासन	श्रीमती रोली सिंह
विकेंद्रीकरण, पंचायती राज एवं ग्राम विकास	श्रीमती रंजना चोपड़ा एवं डॉ0 प्रेम सिंह
कृषि एवं नेतृत्व	श्रीमती रंजना चोपड़ा
शहरी प्रबंधन	श्रीमती निधि शर्मा
स्वास्थ्य एवं शिक्षा	श्रीमती रंजना चोपड़ा
इंजीनियरिंग कौशल, परियोजना मूल्यांकन, एनईजीपी	श्रीमती निधि शर्मा एवं श्री राजेश आर्य
अवसंरचना एवं सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी)	डॉ0 प्रेम सिंह एवं श्री जयंत सिंह
बीपीएसटी संबद्धता	पाठ्यक्रम टीम
जिला प्रशासन की विनियामक भूमिका (कानून व्यवस्था सहित)	श्री दुष्यंत नरियाला एवं श्री राजेश आर्य
लीडरशिप एवं एचआरएम	प्रोफेसर राम कुमार कांकाणी
पर्यावरण एवं वन, जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन	श्रीमती रोली सिंह एवं जयंत सिंह
लोक वित्त/लेखा परीक्षा अधिप्राप्ति	श्री अभिषेक स्वामी
निर्वाचन	श्री दुष्यंत नरियाला
परीक्षाएं	डॉ0 एस.एच. खान
कार्यालय प्रबंधन	श्री जयंत सिंह

श्री हर्ष मेंडर, विशेष आयुक्त, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली	श्री रविंद्र कुमार, भा0प्र0 सेवा सहायक कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट, सिचेय, गंगटोक, सिक्किम
श्री मणि प्रसाद मिश्र, भा0प्र0 सेवा, मेला अधिकारी कुंभ मेला इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश	श्रीमती राधा रतुड़ी, भा0प्र0 सेवा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड सरकार, देहरादून
श्रीमती रजनी सेखरी सिब्बल, भा0प्र0 सेवा संयुक्त सचिव (सी एवं डीडी), पशुपालन विभाग, नई दिल्ली	सुश्री ज्योति एन. खरवाल, भा0प्र0 सेवा सीडीओ, चमोली उत्तराखंड
श्री सुमित मुखर्जी, सचिव, भारतीय निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली	श्री बालाकृष्णन रंगराजू मुख्य सतर्कता अधिकारी, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय चेन्नै – तमिलनाडु
श्री एस.के. मेंदीरत्ता, विधिक सलाहकार, भारतीय निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली	श्री आशीष श्रीवास्तव, भा0प्र0 सेवा, महानिदेशक (प्रशिक्षण), भारतीय निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली
श्री राजीव राय, भा0प्र0 सेवा, मुख्य कल्याण अधिकारी एवं संयुक्त सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली	श्री डी.एम. मिश्रा, अपर पु0 महानिदेशक, मध्यप्रदेश
श्री संदीप वर्मा, भा0प्र0 सेवा, निदेशक (योजना एवं समन्वय) रक्षा उत्पादन विभाग नई दिल्ली	श्री आशीष वच्छानी, भा0प्र0 सेवा, निदेशक (अवसंरचना) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री ऋत्विक पांडे, भा0प्र0 सेवा, निदेशक (बजट) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली	श्री फैजल इमाम, आई.ए. एवं ए.एस., निदेशक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफोर्मेशन सिस्टम एंड ऑडिट (आई.सी.आई.एस.ए.),, नोएडा – उत्तरप्रदेश
श्री संजय उपाध्याय, अधिवक्ता भारतीय सर्वोच्च न्यायालय एवं मेनेजिंग पार्टनर, एनवायरो लीगल डिफेंस फर्म, नोएडा, उत्तरप्रदेश	श्री अजय वी. डांडेकर, संकाय टीआईएसएस, मुम्बई
डॉ0 मोहित गेरा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून	श्री ऋत्विक दत्त, अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय
डॉ0 अरविंद के.झा., एडिशनल पीसीसीएफ, नागपुर, महाराष्ट्र	श्री आलोक नागर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून
डॉ0 प्रीति सोनी, सलाहकार (जलवायु परिवर्तन) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, नई दिल्ली	डॉ0 नीना राव, निदेशक, साउथ एशिया कॉन्सॉर्टियम फॉर इंटरडिसिपिल्नेरी वाटर रिसोर्सेज स्टडीज, सिकंदराबाद – आंध्रप्रदेश
श्री तरुण कपूर, संयुक्त सचिव (सौर ऊर्जा) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, लोधी रोड, नई दिल्ली	डॉ0 एम. दिनेश कुमार, निदेशक नीति अनुसंधान एवं विश्लेषण संस्थान, हैदराबाद
श्री नितिन एम. कुलकर्णी, भा0प्र0 सेवा आयुक्त, हजारीबाग, झारखंड	प्रोफेसर के.एम. पाथी, सुखदेव विहार, नई दिल्ली
एफआर पीटीजे, संकाय, टीआईएसएस, मुम्बई	श्री ए.बी. लाल भा0पु0 सेवा (सेवानिवृत्त) देहरादून,
श्री आशीष कुमार गोयल, भा0प्र0 सेवा मुख्य स्टाफ अधिकारी, सीएस एवं परियोजना निदेशक उत्तरप्रदेश, राज्य ऐड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	श्री आशीष गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक, एसटीएफ, लखनऊ उत्तरप्रदेश
श्री पंकज कुमार सिंह, भा0पु0 सेवा पुलिस महानिरीक्षक (प्रचालन), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली	एफटी. पी.टी. जोसेफ, संकाय, समाजिक विज्ञान टाटा संस्थान, मुम्बई

श्री कृष्ण कुणाल, भा0प्र0 सेवा, बंदोबस्त आयुक्त एवं निदेशक भूमि रिकॉर्ड, जयपुर – राजस्थान	श्री एपीएम मोहम्मद हनीश, भा0प्र0 सेवा, प्रबंध निदेशक, सड़क एवं पुल निर्माण निगम लिमिटेड, केरल
श्री के.एस. रौतेला, एमआईएस विशेषज्ञ एशियाई विकास बैंक, पीपीपी सेल, उत्तराखंड	श्री हितेश केजरीवाल, कार्यपालक अभियंता के.लो.नि.वि. ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
श्री आर्मस्टॉग पेम, भा0प्र0 सेवा, एसडीएम/एसडीओ, तोसेम तामेंग्लोंग डिस्ट्रिक्ट, मणिपुर	श्री सुमित बारू, पीपीपी, विशेषज्ञ, एशियन विकास बैंक, पीपीपी सेल, उत्तराखंड
सुश्री प्रियंका कोचर, पर्यावरण विशेषज्ञ, आदर्श, नई दिल्ली	सुश्री श्रीजा, सीओओ राजीव गांधी फाउंडेशन, नई दिल्ली
डॉ0 मनिंदर कौर द्विवेदी, भा0प्र0 सेवा, निदेशक, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री निशांत वारवाड़े भा0प्र0 सेवा, मुख्यमंत्री के उपसचिव, मध्य प्रदेश सरकार
श्री सत्यप्रकाश टी.एल., भा0प्र0 सेवा, निदेशक, उद्योग एवं खनन, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़	प्रो0 श्रीनिवास चारी वेदाला, डीन, अनुसंधान एवं प्रबंध अध्ययन तथा निदेशक, ऊर्जा, पर्यावरण नगरीय प्रशासन, अवसंरचना विकास केंद्र (एएससीआई), हैदराबाद
श्री कबीर वाजपेयी, प्रधान वास्तुकार, विन्यास, आर्किटेक्चरल केंद्र	श्री विक्रम जैन 131, फ्री प्रेस हाऊस, निर्माण प्वाइंट, मुम्बई
डॉ0 एम रामचंद्रन, पूर्व सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री चेतन जावेरी, उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रमुख, आई एल एवं एफएस, इनवायरमेंटल इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सर्विसेज लिमिटेड, मुम्बई
श्री आशीष शर्मा, नगर निगम, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम, जिला – पुणे, महाराष्ट्र	डॉ0 शिराज ए. वजीह, गोरखपुर इनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप 224, पुरदिलपुर, एम.जी. कॉलेज रोड, गोरखपुर
श्री हरिहरण रामचंद्रण, सी–1675, पालम विहार, गुड़गांव	सुश्री शालिनी अग्रवाल, भा0प्र0 सेवा, कलेक्टर, जिला – तापी – (वीरा), दक्षिण गुजरात, गुजरात
डॉ0 गोपाल अय्यर, पूर्व प्रोफेसर, ग्रामीण अध्ययन केंद्र, रा.प्र.अ. संस्था, ला.ब.शा.रा.प्र.अ. मसूरी	श्री सौरभ जैन, भा0प्र0 सेवा, संयुक्त आयुक्त, वाणिज्य कर, केरल
श्री संजीव चोपड़ा भा0प्र0 सेवा, संयुक्त सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन नई दिल्ली	श्री गौरव द्विवेदी, निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग संचार एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
श्री इंद्रजीत सिंह जैजी, अध्यक्ष, बाबा नानक शैक्षणिक सोसाइटी, चंडीगढ़	एफआर. पीटी जोसेफ, संकाय, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई
श्री रुद्र गंगाधरण, भा0प्र0 सेवा, (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली	डॉ0 वैभव गोयल, डीन विधि संकाय, सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तरप्रदेश
श्री एन.सी. सक्सेना, भा0प्र0 सेवा, (सेवानिवृत्त), सदस्य, एन.ए.सी. प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली	श्री शोएब मोहम्मद, न्यू आईआरएस लेन, कालीदास रोड, देहरादून, उत्तराखंड
श्री टी. विजय कुमार, भा0प्र0 सेवा, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली	श्री एस.एम. विजयानंद, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली
डॉ0 एम.एन. रॉय, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), कोलकाता, पश्चिम बंगाल	श्री मंगेश त्यागी, सलाहकार, राज्य योजना आयुक्त, भोपाल (म0प्र0)

सुश्री सोजेनी, भा0प्र0 सेवा, आयुक्त वाणिज्य कर उत्तराखंड सरकार – देहरादून	सुश्री मंजू राजपाल, भा0प्र0 सेवा, उपसचिव, ग्रामीण विकास विभाग, नई दिल्ली
डॉ0 जयेश रंजन, भा0प्र0 सेवा, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एपीआईआईसी लिमिटेड, हैदराबाद आंध्रप्रदेश	प्रो0 वी देवदास एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी रूड़की
श्री आशुतोष ए.टी. पेडनेकर, भा0प्र0 सेवा, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अलवर – राजस्थान	श्री ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक, सीएपीएआरटी, नई दिल्ली
सुश्री सौम्या गुप्ता, भा0प्र0 सेवा डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर नॉर्थ त्रिपुरा	श्री सुरेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव, (एलआर) भूमि अनुसंधान विभाग, ग्रामीण विभाग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
श्री बी.बी. श्रीवास्तव, भा0प्र0 सेवा, सचिव, भारत सरकार, भूमि अनुसंधान विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	श्री यू.एन. मिश्र, निदेशक, जी एंड आर.बी. भारतीय सर्वेक्षण– देहरादून, उत्तराखंड
सुश्री निवेदिताहरण, भा0प्र0 सेवा, अपर मुख्य सचिव, केरल सरकार	श्री राम राव, यूनिट 09–06,, 301, जालान बकिट, हो स्वी, सिंगापुर
श्री यू.एन. मिश्र, निदेशक, जी एंड आर.बी., भारतीय सर्वेक्षण, देहरादून	प्रो0 पी.के. गर्ग, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, रूड़की, उत्तराखंड
श्री पी.सी. कुंकलिया, (सेवानिवृत्त), वैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून, उत्तराखंड	श्री कृष्ण प्रसाद, मुख्य संपादक, आउटलुक, नई दिल्ली
श्री बी.बी. श्रीवास्तव, भा0प्र0 सेवा, सचिव, भारत सरकार, भूमि अनुसंधान विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	श्री सुरेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव (भूमि अनुसंधान), भूमि अनुसंधान विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
सुश्री निवेदिता हरण, भा0प्र0 सेवा, अपर मुख्य सचिव, केरल सरकार, केरल	श्री राम राव, यूनिट 09–06,301 जालान बुकिट हो स्वी, सिंगापुर
श्री पी.सी. कुंडलिया, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, भारतीय सर्वेक्षण – देहरादून, उत्तराखंड	प्रो0 पी.के. गर्ग, सिविल इंजीनियरिंग/विभाग आईआईटी, रूड़की, उत्तराखंड
श्री बी.के. सिन्हा, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त) 2815 पॉकेट सी, चरण–I शशांत लेक, सेक्टर 43 गुड़गांव – हरियाणा	श्री वी शेषाद्री, भा0प्र0 सेवा, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, विशाखापटनम, महारानीपेटा – विशाखापटनम
श्री ए.के. सिन्हां, उपमहानिदेशक, सीएपीएआरटी, नई दिल्ली	श्री यदवीर सिंह मलिक, भा0प्र0 सेवा, प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़
श्री प्रशांत भूषण, अधिवक्ता एवं कार्यकर्ता, नई दिल्ली	सुश्री मेधा पाटकर, सामाजिक कार्यकर्ता
श्री वी.के. माधवन, कार्यपालक निदेशक, चिराग, कुमाऊ – उत्तराखंड	श्री प्रसन्ना वलिम्बे, संस्थापक एवं निदेशक, खेल एनालिटिकल सर्विसेज, प्राइवेट लिमिटेड, पुणे
डॉ0 आदर्श किशोर, भा0प्र0 सेवा, (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष एक्सिस बैंक	सुश्री पंचमूर्ति अनुराधा, पूर्व–मेयर, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्री अरविंद सिंह लवली, शहरी विकास, राजस्व, स्थानीय निकाय मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री निकुंज गर्ग, सह संपादक, इंटरनल सिक्योरिटी – टाइम्स नाव, नई दिल्ली
सुश्री शमा खान, प्रधान पंचायत समिति, चौहतन, बाड़मेर	श्री त्रिभुवन, स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक भास्कर

ikB~;Øe leUo;d dh fVIi.kh

वर्ष 2012 के लिए भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। 17 दिसम्बर, 2012 को शुरू हुआ। इसमें भा.प्र.सेवा 2012 बैच के 171 अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में से 168 अधिकारी प्रशिक्षणार्थी भा.प्र. सेवा तथा रॉयल भूटान सिविल सेवा से 3 अधि. प्रशि. शामिल थे। इसमें तीन व्यापक विषय–क्षेत्रों (कॉम्पोंनेंट) को लेकर पाठ्यक्रम की संरचना की गई थी। इन कार्यक्रमों में 17 सप्ताह का ऑन कैम्पस, कक्षा आधारित विषय तथा मूल्यांकन, 8 सप्ताह का शीतकालीन अध्ययन दौरा तथा संसदीय कार्य तथा प्रक्रियाओं पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण शामिल किया गया था।

पाठ्यक्रम समकालीन भारत के सामाजिक – राजनैतिक वृत्तांतों में समाज के विभिन्न वर्गों और विभिन्न स्टेकहोल्डरों के बीच भा0प्र0 सेवा से संबंधित धारणाओं पर दृष्टिकोण रखने के विषय में एक सप्ताह के मॉडयूल के साथ शुरू हुआ : पहली बार प्रथम सप्ताह की संरचना में पैनल चर्चा की गई जिसमें प्रतिष्ठित अधिकारी अंग्रेजी तथा देशी अखबारों एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधि, निचले एवं मध्य वर्ग के राजनीतिज्ञ, सिविल सोसाइटी और उद्यमी शामिल थे जिन्होंने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को यह जानकारी दी कि लोगों की नजर में सेवा का क्या स्तर रह गया है तथा सबसे जरूरी बात यह है कि उनकी युवा सिविल सेवकों से क्या–क्या अपेक्षाएं हैं।

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को आधुनिक संस्थानों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई जिसमें राज्य एवं जिला स्तर पर सरकारी कार्यालयों, गैर सरकारी संगठनों, सशस्त्र बलों के तीनों पुलिस और केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल के साथ संबद्धताएं शामिल थी। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को संसद अध्ययन एवं प्रशिक्षण ब्यूरो के साथ उनकी संबद्धता के दौरान संवैधानिक गणमान्यों के साथ भेंट की गई।

कक्षा में प्रस्तुत किए जाने वाले विषयों को उपयोगी एवं रोचक बनाने के लिए उनमें संशोधन किया गया। भूमि एवं जिला प्रशासन मॉड्यूल को एक सप्ताह की बजाए दो सप्ताह तक बढ़ाया गया। अर्थशास्त्र में परियोजना एवं पीपीपी संबंधी विषयों के जरिए मेक्रोइकॉनॉमिक्स के सिद्धांतों को समझाने में अत्यधिक जोर दिया गया।

लीडरशिप मॉड्यूल को शुरू करने के संबंध में बहुत सारे विचार रखे गए तथा लोगों से बात–चीत करने, संगठनात्मक व्यवहार तथा प्रबंधन अनुशासनिक जांच करने, जैसे कतिपय कौशलताओं के विकास और आचरण एवं अनुशासन और अपील नियमावलियों (डी एंड ए) से निजी मामलों की जानकारी पर बल दिया गया।

Hkk0iz0 lsok 0;kolkf;d ikB~;Øe pj.k&AA 2011 cSp

01 tqykbZ] 2013 ls 22 vxLr] 2013 rd

ikB~;Øe dk uke	भा.प्र.सेवा चरण–।। (2011 बैच)
vof/k	01 जुलाई से 22 अगस्त, 2013 तक
ikB~;Øe leUo;d	श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक
lg ikB~;Øe leUo;d	डॉ0 एस.एच. खान, (उपनिदेशक वरिष्ठ) श्री अभिषेक स्वामी, (उपनिदेशक)
dk;ZØe dk mn~ns';@y{; lewg	भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी
ifrHkkfx;ksa dh dqy la[;k	158
iq#"k	134
efgyk	24
lekiu lacks/ku	श्री शशिकांत शर्मा, नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक, भारत

चरण–।। के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 6 में संलग्न है।

y{;

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–।। में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को व्यापक विषयों की गहन प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि पहले पांच साल की सेवा में विभिन्न तरह के कार्य भार संभालने में सक्षम हो सके।

ikB~;Øe dsmn~ns';

- अलग–अलग विश्लेषण और उसकी मीमांसा तथा जिला प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त सामुहिक अनुभवों के लिए संरचित दृष्टिकोण अपनाना।

- राजनीतिक अर्थशास्त्र, सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली, विधि एवं प्रबंध में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना।
- प्रशासनिक, प्रबंधकीय तथा आईसीटी कौशल में निखार लाना।
- संवर्ग की क्षेत्रीय भाषा में दक्षता हासिल करना।
- नेतृत्व भूमिका के लिए प्रगतिशील मूल्यों एवं प्रवृत्तियों को अपनाना तथा उस पर अमल करना। श्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय कार्यों की जानकारी प्रदान करना।
- अधिकारियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सक्रिय परिसरीय जीवन के माध्यम से बैच के अंदर सौहार्द एवं एकता का विकास करना।

ikB;Øe dh :ijs[kk

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– ।। पाठ्यक्रम की ऐसी रूपरेखा तेयार करने का प्रयास किया जाता है कि अधिकारी अपनी प्रवृत्ति, ज्ञान तथा कौशल के संदर्भ में अपनी कार्य क्षमता का अनुभव कर सके। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा आधारिक पाठ्यक्रम तथा भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– । से काफी अलग है, इसमें प्रशासनिक सिद्धांत, प्रारंभिक कौशलता तथा विकास योजनाओं की समीक्षा की बुनियादी जानकारी देने पर ध्यान दिया जाता है।

सत्र के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण पद्धतियों में व्याख्यान, प्रकरण अध्ययन, सेमीनार/पैनल चर्चा/समूह चर्चा, आदेश – लेखन अभ्यास तथा मूट कॉर्ट/मॉक ट्रायल, मेनेजमेंट गेम, प्रस्तुतियां तथा अनुभव आदान–प्रदान करना शामिल है। पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह से तैयार की गई है कि विषय सार्थक लगे, प्रासंगिक लगे तथा प्रशिक्षण पूरा करने के बाद तत्काल कार्य परिस्थितियों में लागू किया जा सके। इस प्रशिक्षण में लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, विधि, आईसीटी तथा भाषा इत्यादि पर सत्र आयोजित किए गए। इस पाठ्यक्रम आंतरिक एवं बाह्य दोनों ही वक्ताओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे। संकाय सदस्य नोट्स, असाइनमेंट्स, अध्ययन सामग्री, केस अध्ययन इत्यादि वितरित करते हैं।

iz[;kr vfrfFk oDrk

श्री शशि कांत शर्मा, भारत के मुख्य नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली	श्री अनबालागन पी, भा0प्र0 सेवा, कलेक्टर एवं डीएम, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़
श्री एलेक्स पॉल मेनन, भा0प्र0 सेवा, सीईओ रायपुर विकास प्राधिकरण (म0प्र0) रायपुर, छत्तीसगढ़	श्री सिद्धार्थ जैन, भा0प्र0 सेवा, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जिला पश्चिम गोदावरी, आंध्रप्रदेश
श्री जी. वीरप्पनडियन, भा0प्र0 सेवा, परियोजना अधिकारी, इंटिग्रेटिड ट्राइबल डेवलपमेंट ऐजेंसी, भद्राचलम, खम्माम डिस्ट्रिक्ट – आंध्रप्रदेश	डॉ0 नारायण भरत गुप्ता, भा0प्र0 सेवा, उप कलेक्टर, भद्राचलम, जिला खम्माम, आंध्रप्रदेश
श्री शेखर गुप्ता, सीईओ एवं मुख्य संपादक, द इंडियन एक्सप्रेस, मुम्बई	डॉ0 स्यामल कुमार सरकार, सचिव, भारत सरकार, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, लोक शिकायत एवं पेंशन, नई दिल्ली
श्री विजय कुमार, देव भा0प्र0 सेवा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, नई दिल्ली	श्री विकास आनंद, सचिव, नगर निगम दिल्ली, नई दिल्ली
श्री शूरवीर सिंह, विशेष सीईओ, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, नई दिल्ली	श्री आर्मस्ट्रॉग पेम भा0प्र0 सेवा, एसडीएम/एसडीओ तौसेम, तामेंगलोंग डिस्ट्रिक्ट, मणिपुर
श्री देवेश चतुर्वेदी, भा0प्र0 सेवा, सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ, उत्तरप्रदेश	प्रो0 विजय मेनन, आईआईएम प्रबंध शिखर, इंदौर, मध्यप्रदेश
श्री अमिताभ कांत, भा0प्र0 सेवा, सीईओ एवं प्रबंध निदेशक, दिल्ली – मुम्बई औद्योगिक कॉरिडॉर विकास, नई दिल्ली	श्री हर्ष मेंडर सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज, नई दिल्ली
न्यायमूर्ति के.जी. शंकर, न्यायाधीश, आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय हैदराबाद, आंध्रप्रदेश	डॉ0 सतीश बी. अग्निहोत्री भा0प्र0 सेवा, महानिदेशक (अधिप्राप्ति) रक्षा मंत्रालय, 137, साउथ, नई दिल्ली

श्री अनिरूद्ध कुलकर्णी, बाल संरक्षण विशेषज्ञ, यूनिसेफ भारतीय कार्यालय 73, लोदी एस्टेट, नई दिल्ली, भारत	डॉ0 कृष्णा कुमारी, विधि प्रमुख, जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, ईपीसी प्रभाग, आर. जी. इंटरनेशनल एयरपोर्ट, हैदराबाद
श्री रिगजियन सैम्फेल, भा0प्र0 सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला कुशीनगर, कलेक्ट्रेट कैंपस, रविंद्रनगर, धूस, पडरौना, उत्तरप्रदेश	श्री आशीष श्रीवास्तव, भा0प्र0 सेवा, महानिदेशक (प्रशिक्षण), भारतीय निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली – 110 001
श्री वी. पोन्नुराज, भा0प्र0 सेवा, आयुक्त एवं निदेशक, के.आर. सर्कल, बंगलोर – 560001	श्री ए. मुतुकुमार, भा0प्र0 सेवा, उपायुक्त, जिला साहिबगंज, झारखंड
सुश्री सैदिंगपुई छकछौक, भा0प्र0 सेवा, जिला विकास अधिकारी, नर्मदा जिला पंचायत राजपीपला, नर्मदा डिस्ट्रिक्ट, गुजरात – 393145	डॉ0 प्रियंका शुक्ला, भा0प्र0 सेवा, सीईओ, राजनंदगांव, जिला राजनंदगांव, छत्तीसगढ़
श्री नागराजन एम, भा0प्र0 सेवा, जिला विकास अधिकारी साबनकांठा, हिम्मतनगर, गुजरात	श्री नंदुरी संपीप, भा0प्र0 सेवा, परियोजना अधिकारी (डीआरडीए), सलेम जिला सलेम, तमिलनाडु
श्री सुप्रीत सिंह गुलाटी भा0प्र0 सेवा, एईसीटी, जिला पटियाला, पंजाब	श्री विजय किरण आनंद भा0प्र0 सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, मणिपुर डिस्ट्रिक्ट, उत्तरप्रदेश
श्री ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक, सीएपीएआरटी, जोन ट –ए, 4–सी, दूसरा तल इंडिया हैबिटेट सेंट्रल, लोधी रोड, नई दिल्ली	सुश्री नीला मोहनन, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, मुख्य मंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, नई दिल्ली, सरकार
सुश्री आरती डोगरा, भा0प्र0 सेवा, जिला मजिस्ट्रेट, जिला बीकानेर, राजस्थान	श्री दर्पण जैन, प्रबंध निदेशक, केयूआईडीएफसी, द्वितीय तल, सिल्वर जुबली ब्लॉक, यूनिटी बिल्डिंग, 3 क्रास, मिशन रोड, बंगलोर – 560 027
डॉ0 जे. राधाकृष्णन, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, तमिलनाडु सरकार, चेन्नै	श्री ब्रिज मोहन मिश्र, उपायुक्त, पूर्वी दिल्ली, दिल्ली
श्री चानन राम, निदेशक, श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, कक्ष सं0 302 नई दिल्ली	श्री विकास गुप्ता, भा0प्र0 सेवा, उपायुक्त, जिला रोहतक, मिनी सचिवालय भवन, हरियाणा
डॉ0 ज्ञानेंद्र बड़गैंयां, पूर्व – भा0प्र0 सेवा, रिसर्च फैलो, यूएनयू – डब्ल्यूआईडीईआर – हेलसिंकी, फिनलैंड	श्री जी. महापात्र, भा0प्र0 सेवा, नगरपालिका आयुक्त, अहमदाबाद, गुजरात
श्री एस.एस. संधू, भा0प्र0 सेवा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, उत्तराखंड सरकार	सुश्री मनीषा वर्मा, भा0प्र0 सेवा, संयुक्त सचिव, एनएसी, पीएमओ, नई दिल्ली
प्रो0 अजय डांडेकर, डीन, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात	श्री मिलिंद कैंबल, अध्यक्ष, छलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स, (डीआईसीसीआई), पुणे, महाराष्ट्र
श्री चंद्र भान प्रसाद, मित्रदीप अपार्टमेंट, नई दिल्ली	श्री मंगेश त्यागी, प्रमुख सलाहकार, राज्य योजना आयोग, भोपाल, मध्यप्रदेश
श्री एम. सेलवेंद्रण, भा0प्र0 सेवा, कलेक्टर एवं डीएम, जिला सिंगरौली, मध्यप्रदेश	श्री रोहित गुप्ता, भा0प्र0 सेवा, कलेक्टर, जिला चुरू, राजस्थान
श्री एस.एम. विजयआनंद, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, भारत सरकार, ग्राम विकास मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली	श्री विरेंद्र सिंह, भा0प्र0 सेवा, डीएम, जिला – सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र
श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, भा0प्र0 सेवा, प्रबंध निदेशक, उ0प्र0 राज्य परिवहन निगम, लखनऊ, उत्तरप्रदेश	श्री मनोज आहुजा, भा0प्र0 सेवा, आयुक्त, वाणिज्य कर, ओडिशा सरकार

श्री अमरजीत सिन्हा, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार	श्री अरविंद सिंह लवली, शिक्षा मंत्री, पर्यटन, भाषा, दिल्ली सरकार
प्रो0 पीटर रोनाल्ड डिसुजा, निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, शिमला	सुश्री पंचमूर्ती अनुराधा, पूर्व – मेयर, विजयवाड़ा
श्री प्रशांत भूषण, अधिवक्ता एवं कार्यकर्ता	सुश्री शमा खान, पंचायत समिति प्रधान, चौहतन, बाड़मेर
श्री प्रसन्ना वालिंब, संस्थापक एवं निदेशक, श्रेवत एनालिटिकल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, पुणे	श्री त्रिभुवन, स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक भास्कर
डॉ0 आदर्श किशोर, भा0प्र0 सेवा, (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष एक्सिस बैंक	श्री कृष्ण प्रसाद, मुख्य संपादक, आउटलुक, नई दिल्ली

ikB;Øe dh leUo;d dh fVIi.kh

वर्ष 2011 बैच का चरण– ।। पाठ्यक्रम 1 जुलाई को शुरू हुआ जब अधिकारी प्रशिक्षणार्थी अपने आवंटित संवर्ग में एक वर्ष व्यतीत करने के पश्चात अकादमी में पुनः शामिल हुए। इन प्रशिक्षणार्थियों का जिला असाइनमेंट्स प्रस्तुतियों की सिरीज जरिए हैंड ऑन ट्रेनिंग की डिब्रीफिंग की गई। इन प्रस्तुतियों के पीछे यह उद्देश्य था कि अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अपने साथियों से शिक्षा का आदान–प्रदान करने का अवसर मिले तथा पूरे देश में क्रियान्वित किए जाने वाले कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर व्यापक दृष्टिकोण अपनाए। जिला असाइनमेंट प्रस्तुतियों में कानून व्यवस्था बनाए रखने से लेकर, स्थानीय स्वशासन संस्थानों का सुदृढ़ीकरण, मनरेगा, का कार्यान्वयन, निर्वाचन कार्य करने, शिक्षा स्वास्थ्य, शहरी प्रबंध मुद्दे, अनु0जाति/अनु0 जनजाति कल्याण, जैंडर संबंधी मुद्दे तथा ई–गवर्नेंस शामिल थे।

प्रभावरी सीईओ, एसडीओ तथा प्रभावी डीएम जैसे कार्यक्रमों के सेमीनार आयोजित किए गए तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से बात–चीत करने के लिए देश के सभी क्षेत्रों से युवा अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम के चौथे सप्ताह में युवा अधिकारियों को प्रशासनिक संरचनाओं और अन्य देशों की प्रक्रियाओं तथा वैश्विक दूर दृष्टि से अवगत कराने के उद्देश्य से इंडोनेशिया एवं सिंगापुर में विदेश अध्ययन भ्रमण का आयोजन किया गया था। सिंगापुर में भ्रमण का समन्वय सिविल सर्विस कॉलेज द्वारा किया गया तथा कक्षा सत्र एवं क्षेत्र भ्रमण दोनों की व्यवस्था की गई थी।

इसी तरह इंडोनेशिया में भी कार्यक्रम का संचालन जकार्ता में शिक्षा एवं प्रशिक्षण कॉलेज की सहायता से किया गया। सत्रों का आयोजन राज्य योजना, वैश्विक अर्थव्यवस्था में इंडोनेशिया की भूमिका, पर्यटन, भ्रष्टाचार निवारक कार्य, परिवार नियोजन और जन साक्षरता कार्यक्रम विषय पर किया गया। क्षेत्र भ्रमण का आयोजन एशियन सचिवालय, प्राथमिक विद्यालय तथा प्रादेशीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र में किया गया। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने दोनों ही देशों में कार्यों का ऐसा प्रभाव देखा जिसे समर्पित सिविल सेवा द्वारा बनाया जा सकता है।

शैक्षणिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त, अधिकारी क्वीज, खेलकूद टूर्नामेंट के आयोजन तथा रक्त दान प्रतिभागिता में भी सक्रिय रहे।

Hkk0iz0 lsok ds vf/kdkfj;ksa ds fy, feM dfj;j izf'k{k.k dk;Øe % pj.k&AAA ¼2013½ ¼29 vizy ls 21 twu] 2013 rd½

ikB;Øe dk ifjp;	कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को सार्वजनिक नीति निर्माण के क्षेत्र में आने वाले कार्यों के लिए तैयार करना एवं उसे व्यापक करना था। परियोजना मूल्यांकन एवं पीपीपी के लिए अवधारणाएं, विधि तथा कौशलताओं का प्रयोग करना। इसमें शासन के मुख्य क्षेत्रों में उनके ज्ञान का अद्यतन करने का प्रयास रहता है।
y{; lewg ls lacaf/kr dk;Øe	1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005 बैच के भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रतिभागी।
ifrfuf/kRo djus okys lewg dk xBu rFkk iq#"k efgyk vf/kdkfj;ksa dk C;ksjk	कुल प्रतिभागी – 93 भा0प्र0 सेवा के अधिकारी : पुरुष – 71 महिलाएं – 22 शेष प्रतिभागी – 01
dk;Øe dk ''kqHkkjaHk	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी
lekiu lacks/ku	कार्यक्रम समापन संबोधन श्री वी. नारायणसामी, माननीय राज्य मंत्री प्रधान मंत्री कार्यालय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन ने किया

चरण–।।। के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 7 में संलग्न है।

dk;Øe dsmn~ns';

चरण– ।।। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को निम्नलिखित कार्य के लिए सक्षम बनाना हैः–

- कार्यक्रम के प्रतिपादन एवं उसका प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए तैयार करना।
- वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक अर्थव्यवस्था में सामयिक विकास का मूल्यांकन करना।
- सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्र की रूपरेखा तैयार करना तथा उसमें सुधार लाना।
- कार्यक्रम / परियोजना प्रतिपादन तथा उसकी अवधारणाओं, विधियों और कौशलता का उपयोग करना तथा कार्यक्रम क्रियान्वित करना।
- कार्य क्षेत्र में ज्ञान का विस्तार करना।
- संप्रेषण, अंतर – व्यक्तिक क्षमता तथा टीम–निर्माण की कौशलता को बढ़ाना और शासन में मूल्य–प्रधानता का मूल्यांकन करना।

ikB~;Øe dh :ijs[kk

- सप्ताह 3 – सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी)
- सप्ताह 4 एवं 5 – कोरिया विकास संस्थान के सहयोग से दक्षिण कोरिया के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण।
- सप्ताह 6 – शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम विकास एवं विकेंद्रीकरण, कृषि।
- सप्ताह 7 – शहरी विकास, औद्योगिक विकास एवं निवेश परिदृष्य, ई–गवर्नेंस तथा सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली, लोक वित्त।
- सप्ताह 8 – पर्यावरण, ऊर्जा तथा जलवायु परिवर्तन, समाज के वंचित वर्ग, राष्ट्रीय सुरक्षा।

ladk;

पाठ्यक्रम मुख्य रूप से आंतरिक संकाय संचालित किया गया था जिसे विशेषज्ञों तथा प्रख्यात अतिथि वक्ताओं की सहायता ली गई इनमें वरिष्ठ नेताओं, अर्थशास्त्रियों, सेवारत एवं सेवानिवृत्त सिविल सेवक तथा प्रतिष्ठित क्षेत्रीय विशेषज्ञ थे। अकादमी संकाय ने पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य सत्रों के अलावा कुल 55ः शैक्षणिक सत्रों में वयाख्यान दिए।

vdknEh

श्री पदमवीर सिंह, श्री कुश वर्मा, श्री संजीव चोपड़ा, श्रीमती रंजना चोपड़ा, श्रीमती रोली सिंह, डॉ0 प्रेम सिंह, श्री राजेश आर्य, श्री जयंत सिंह, श्रीमती निधि शर्मा, श्री राम कुमार कांकाणी, श्री दुष्यंत नरियाला तथा श्री मंतोष चक्रवर्ती अकादमी के संकाय सदस्य थे।

iz[;kr vfrfFk oDrk

श्री मोहन गोपाल, निदेशक, राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फॉर कंटेम्परेरी स्टडीज, नई दिल्ली	श्री शेखर गुप्ता, मुख्य संपादक, द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस बिल्डिंग, नई दिल्ली	प्रो0 अनिल के. गुप्ता, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
श्री मनीश कुमार	डॉ0 एस.एस. मीनाक्षी, सुंदरम, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव भारत सरकार, बंगलोर	श्री विक्रम जैन, डेलॉइट, नई दिल्ली
डॉ0 रमेश चंद्र, निदेशक, (अनुसंधान), राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान (नियार), ला0ब0शा0रा0प्र0अ0, मसूरी	श्री एस.एम. विजयआनंद, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली	सुश्री स्वाति रमानाथन, सह–संस्थापक, जनाग्रह, नागरिकता एवं लोकतंत्र केंद्र, बंगलोर
डॉ0 नागेश सिंह, आर्थिक सलाकर, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री आ. सुब्रमणयम, भा0प्र0 सेवा, प्रधान सचिव, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, आंध्रप्रदेश सरकार, हैदराबाद	प्रो0 श्रीनिवास चेरी, बेदाला, डीन – अनुसंधान एवं प्रबंध अध्ययन निदेशक – ऊर्जा, पर्यावरण शहरी प्रशासन केंद्र, हैदराबाद

श्री आर.एस. सक्सेना, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार, गांधीनगर	डॉ0 संजीव चोपड़ा, भा0प्र0 सेवा, संयुक्त सचिव एवं निदेशक, एनआरएचएम, कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली	श्री हर्ष मेंडर, विशेष आयुक्त, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली
श्री निखिल डे / श्री भंवर मेघवंशी / सुश्री नंदिनी डे, महिला किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस)	श्री रूद्र गंगाधरण, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार, तिरूवनंतपुरम	डॉ0 ए. दीदार सिंह, महासचिव, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली
श्री अनुज दयाल, मुख्य प्रोटोकॉल संपर्क अधिकारी, दिल्ली मेट्रों रेल निगम लिमिटेड, नई दिल्ली	श्री बाबू ए. भा0प्र0 सेवा, संयुक्त कलेक्टर एवं एडीएम, पूर्वी गोदावरी, काकीनाडा	श्री सौरभ चंद्र, भा0प्र0 सेवा सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन उद्योग भवन विभाग, नई दिल्ली
श्री विवेक अग्रवाल, मा0 मुख्यमंत्री के सचिव एवं प्रबंध निदेशक, एमपीआरडीसी, मध्यप्रदेश सरकार, भोपाल	श्री मनीष सभरवाल, अध्यक्ष एवं सह–संस्थापक, टीम लीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बंगलोर	श्री शैलेश के. पाठक, अध्यक्ष, श्री इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड, नई दिल्ली
श्री कृष्ण रौतेला, पीपीपी सेल, उत्तराखंड सरकार, देहरादून	श्री मोती सिंह राठोर, टीम लीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड बंगलोर	श्री अमरजीत सिन्हा, भा0प्र0 सेवा, प्रधान सचिव, शिक्षा, बिहार सरकार, पटना
श्री सुमित बरूआ पीपीपी सेल, उत्तराखंड सरकार, देहरादून	श्री श्रीधर राजगोपालन, प्रबंध निदेशक, ऐजूकेशनल इनीसिएटिव्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद	श्री वी.एल. कांता राव, भा0प्र0 सेवा, अध्यक्ष एवं सीईओ,रा0 प्रशासन प्रभाग संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
श्री चेरियन थॉमस, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रुप हेड, आईडीएफसी, केंद्रीय न्यायालय, मुनिरका, नई दिल्ली	श्री वी. उमा शंकर, भा0प्र0 सेवा, संयुक्त सचिव, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री गौरव द्विवेदी, भा0प्र0 सेवा, निदेशक, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली
डॉ0 वी. पोनुराज, आयुक्त, सर्वेक्षण एवं भूमि बंदोबस्त, कर्नाटक सरकार, बंगलोर	प्रो0 अजय शाह, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान नई दिल्ली	श्री आशीष वच्छानी, भा0प्र0 सेवा, निदेशक, (अवसंरचना), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री जी.के. पिल्लई, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व गृह सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री के.सी. सिंह, पूर्व राजदूत एवं को–फाउंडर ऑफ ए न्यू थिंक टैंक कॉल्ड द फॉरम फॉर स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिवज	डॉ0 एन.सी. सक्सेना, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त), सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद, नई दिल्ली
सुश्री मधु पी. किश्वर, संपादक, मानुषी, नई दिल्ली	श्री मिलिंद कैंबल, अध्यक्ष, दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई), पुणे	श्री चंदर भान प्रसाद, विशेषज्ञ, दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई), पुणे
सुश्री रेनु खन्ना, महिला स्वास्थ्य अधिकार विशेषज्ञ एवं ट्रस्टी सहज, बड़ोदरा	डॉ0 आनंद शर्मा, निदेशक / वैज्ञानिक–ई, मौसम केंद्र, देहरादून	श्री पी. सबनायगम, (डीआईसीसीआई), चेन्नै

,M vkQ dksl QhM cd

पाठ्यक्रम के विषय में प्रतिभागियों द्वारा पाठ्यक्रम के अंत में दी गई फीडबैक का भारित औसत (पाठ्यक्रम की उपयोगिता, प्रशिक्षण अनुभव आदि के आधार पर) 94.37: था।

Hkk0 iz0 lsok 0;kolkf;d ikB;Øe pj.k&IV ¼2013½] 8okanktj

¼01 tqykbZ ls23 vxLr] 2013 rd½

ikB;Øe dk ifjp;	कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को लोक नीति निर्माण एवं विश्लेषण के क्षेत्र में आगामी असाइनमेंट्स के लिए तैयार रहना। तदनुसार नीति विश्लेषण, नीति कार्यान्वयन तथा उसके लिए प्रयास करना है। लोक प्रबंधन एवं नेतृत्व इसके मुख्य तत्व हैं। इसके प्रशासन के मुख्य क्षेत्र में उनके ज्ञान का अद्यतन भी किया जाता है।
y{; lewg dsfy, dk;Øe	भा0 प्र. सेवा के 1992, 1993, 1994 ,1995, 1996, 1997 1998 बैच के प्रतिभागी
ifrfuf/kRo djusokys lewg dk xBu rFkk iq#"k@efgyk vf/kdkfj;ksa dk C;ksjk	कुल प्रतिभागी – 76 भा0प्र. सेवा अधिकारी पुरुष – 66, महिलाएं – 10, शेष प्रतिभागी – 1
dk;Øe dk mn?kkVu	श्री सत्यानंद मिश्र, मुख्य सूचना आयुक्त
lekiu lacks/ku	श्री अशोक चावला, अध्यक्ष, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

चरण – IV के प्रतिभागियों का ब्यौरा परिशिष्ट – 8 में संलग्न है।

dk;Øe dk mn~ns';

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रभावी तथा उत्तरदायी नीति निर्माता एवं कार्यक्रम प्रवर्तक बनने के लिए कार्यक्रम प्रबंधन में परिवर्तन लाने में अधिकारियों को सहयोग देना था। कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों में रणनीतिक प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल का निर्माण करना और राजनीतिक अर्थव्यवस्था का हल निकालने में उनकी सक्षमता बढ़ाना भी था।

ऐसा निम्नलिखित कार्यों के माध्यम से किया गया था :

- विगत कार्यक्रमों एवं परियोजना अनुभवों से पाठ्य सामग्रियों की रूपरेखा तैयार करना।
- वैश्विक, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय नीतिगत मामलों को गहराई से समझना।
- नीतिगत मामलों के साथ–साथ क्षेत्र–विशेष की विस्तृत जानकारी, अवधारणाएं एवं साधन उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागियों को निम्नलिखित कार्यों के माध्यम से सक्षम बनाया गया जो इस प्रकार है :–

- वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक अर्थव्यवस्था में समसामयिक विकास का मूल्यांकन करना।
- लोक नीति निर्माण, विश्लेषण तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझना।
- लोक नीति की प्रक्रिया के संदर्भ में ज्ञान को बढ़ानां
- नेतृत्व एवं वार्ता कौशलता को बढ़ाना,
- तथा शासन में मूल्य प्रधानता का मूल्यांकन करना।

ikB;Øe dh :ijs[kk

- प्रथम सप्ताह – पर्सपेक्टिव बिल्डिंग
- दूसरे सप्ताह – लोक नीति मॉड्यूल
- तीसरे सप्ताह – लोक नीति एवं सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी)
- चौथे एवं पांचवें सप्ताह – कनाडा में विदेश अध्ययन भ्रमण

- छठे सप्ताह – स्वास्थ्य, विकेंद्रीकरण, शहरी विकास
- 7वें सप्ताह – शिक्षा, ई.एस.पी., नेतृत्व, वार्तालाप
- 8वें सप्ताह – लोक सेवा वितरण प्रणाली तथा नीति दस्तावेजों की प्रस्तुती

Lkadk;

पाठ्यक्रम में आंतरिक अकादमी संकाय, आई.आई.एम. अहमदाबाद, आई.आई.एम. बंगलोर,, राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली के प्रख्यात शिक्षाविदों विशेषज्ञ और प्रतिष्ठित अतिथि वक्ताओं ने व्याख्यान दिए जिसमें वरिष्ठ नेता, अर्थशास्त्री, सेवारत एवं सेवानिवृत्त दोनों सिविल सेवकों और अपने–अपने क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल थे। अकादमी संकाय ने पाठ्यक्रम सं संबंधित अन्य सत्रों के अलावा कुल 30: शैक्षणिक सत्र में व्याख्यान दिए।

v dkneh l adk;

श्री पदमवीर सिंह, श्री कुश वर्मा, श्री संजीव चोपड़ा, श्री दुष्यंत नरियाला, श्रीमती रंजना चोपड़ा, श्री राजेश आर्य, श्रीमती रोली सिंह, डॉ0 प्रेम सिंह, श्रीमती निधि शर्मा, श्री राम कुमार कांकाणी, श्री सी.वी. आनंद बोस संकाय इस पाठ्यक्रम में शामिल थे।

iz[;kr vfrfFk oDrk

श्री सत्यानंद मिश्र, मुख्य सूचना आयुक्त, नई दिल्ली	श्री तेजिंदर सिंह संधू, प्रोग्राम मैनेजर गवर्नेंश यूनिसेफ, नई दिल्ली	श्री दिलीप शिमोन, अध्यक्ष, अमन पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली
श्री एम.आर. माधवन, अध्यक्ष, पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च, इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी रिसर्च स्टडीज, नई दिल्ली	श्री जवाहर सरकार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, प्रसार भारती, नई दिल्ली	श्री संजय कोठारी, सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत (डीएआर एवं पीजी), भारत सरकार, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, नई दिल्ली
श्री मिलिंद कैंबल, अध्यक्ष, दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रज (डीआईसीसीआई), पुणे (महाराष्ट्र)	श्री चंद्रभान प्रसाद, स्तंभकार एवं शोधकर्ता सीएएसआई / यूपीई एनएन यू.एस.ए.	डॉ0 अजय शाह, प्रोफेसर राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली
श्री अमरजीत सिन्हा, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना (बिहार)	श्री जी मोहन गोपाल, निदेशक, राजीव गांधी इंस्टीट्यूट फॉर कंटेमपरेरी स्टडीज, राजीव गांधी फाउंडेशन, नई दिल्ली	श्री राजीव शर्मा, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, (नक्सल प्रबंधन), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
एच.ई. जिम निकेल, कार्यकारी उच्चायुक्त, कनाडा, कनाडा उच्चायोग, नई दिल्ली	सुश्री सारा विल्शॉ, मंत्री (वाणिज्य), कनाडा उच्चायोग, नई दिल्ली	प्रो0 पीटर रॉनाल्ड डीसुजा, निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, राष्ट्रपति निवास, शिमला
श्री जे.एस. दीपक, अपर सचिव, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	डॉ0 ज्ञानेंद्र बढ़गैंयां, पूर्व–भा0प्र0 सेवा, रिसर्च फैलो, यूएनयू – वाइडर, हेलसिंकी, फिनलैंड	श्री मनोज आहुजा, आयुक्त, वाणिज्य कर, ओडिशा सरकार कटक (ओडिशा)
श्री के.एल. शर्मा, संयुक्त सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली	श्री रवि कांत, पूर्व – भा0प्र0 सेवा (1985 बैच) एवं निदेशक, रामकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड, हैदराबाद, (आं0प्र0)	श्री शेखर गुप्ता, मुख्य संपादक, द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, नई दिल्ली

श्री पार्थ मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता, नीति अनुसंधान केंद नई दिल्ली	प्रो0 शैलेंद्र मेहता, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रपुर, अहमदाबाद (गुजरात)	श्री जॉन फ्लोरेटा, उपनिदेशक, पवर्टी एक्शन लैब, जे–पाल साउथ एशिया आईएफएमआर, एएडीआई, नई दिल्ली
श्री कार्तिक मुरलीधरण, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, सैनडिएगो	श्री आलोक कुमार, भा0प्र0 सेवा, मुख्य मं0 के सचिव, उ0प्र0 सरकार, सचिवालय, लखनऊ (उ0प्र0)	श्री चेरियन थॉमस, सीईओ, कैपेसिटी बिल्डिंग, आईडीएफसी फाउंडेशन, द कैपीटल कोर्ट, नई दिल्ली
डॉ0 राजेंद्र के. पचौरी, महानिदेशक, ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी), नई दिल्ली	श्री दीपक सनन, भा0प्र0 सेवा, अपर मुख्य सचिव (ए.एच), हि0प्र0 सरकार, शिमला (हि0प्र0)	श्री एस.एम. विजयआनंद भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव, ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
डॉ0 एम.एन. रॉय, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त) सदस्य, पंचायती माल एवं सेवा वितरण सुधार संबंधी विशेषज्ञ समिति, रिद्धि उदालक कोलकाता	सुश्री करूणा गोपाल, अध्यक्ष, फाउंडेशन फॉर फ्यूचरिस्टिक सिटिज, हैदराबाद	श्री एच. रामचंद्रन, औद्योगिक विकास अध्ययन, आईसीएसएसआर, दिल्ली
श्री अनिरुद्ध कुलकर्णी, बल संरक्षण विशेषज्ञ एवं टीम, यूनिसेफ भारतीय कार्यालय, दिल्ली	श्री पी.के. अग्रवाल, सलाहकार (एचई), योजना आयोग, भारत सरकार, योजना भवन, नई दिल्ली	श्री रवि श्रीधरण, हैड ऑफ एजूकेशन लीडरशिप एंड मेनेजमेंट, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, बंगलोर
श्री अमीत अग्रवाल, भा0प्र0 सेवा, सलाहकार, इकोनोमिक एडवाइजरी काउंसिल टू द प्राइम मिनिस्टर, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री प्रजापति त्रिवेदी, सचिव (निष्पादन प्रबंधन) भारत सरकार, अध्यक्ष राष्ट्रीय प्राधिकरण, रासायनिक हथियार कन्वेंशन, कैबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली	प्रो0 विजय मेनन, भारतीय प्रबंध संस्थान, प्रबंध शिखर, इंदौर
श्री राजीव खेर, भा0प्र0 सेवा, अपर सचिव (व्यापार नीति प्रभाग), भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वणिज्य विभाग, नई दिल्ली	श्री वाई.एस. मलिक, भा0प्र0 सेवा, वित्त आयुक्त एवं प्रधान सचिव, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, चंडीगढ़ (हरियाणा)	प्रो0 अनिल के. गुप्ता, कृषि प्रबंधन केंद्र, आईआईएम, अहमदाबाद (गुजरात)
श्री चक्रपाणी, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त) निदेशक, सेंटर फॉर इन्नोवेशनस इन पब्लिक सिस्टमस, ए.एस.सी.आई., हैदराबाद	श्री आनंद शर्मा, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री हरि एस. भरतीया, सह–अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जुबिलिएंट लाइफ साइंसेज, नोएडा
श्री संजीव चोपड़ा, भा0प्र0 सेवा, संयुक्त सचिव एवं निदेशक, राष्ट्रीय उद्यान मिशन, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली	एच.ई. कार्लोस सर्जियो सोब्रल ड्यूआर्टे, ऐंबेसडर, ब्राजील, ब्राजील ऐंबेसी, भारत, नई दिल्ली	श्रीमती निधि खरे, भा0प्र0 सेवा, सलाहकार, (प्रशासन / एसईआर / आईई), योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली
श्री सुनील बी. मित्तल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारती एयरटेल लिमिटेड, (भारती एंटरप्राइज) नई दिल्ली	श्री मनीष सभरवाल, अध्यक्ष, टीम लीज सर्विस प्राईवेट लिमिटेड, कोरामंगल, बंगलुरू	श्री विनोद राय, पूर्व– भारतीय महानियंत्रक, नई दिल्ली
डॉ0 शालिनी रजनीश, भा0प्र0 सेवा, सचिव, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, कर्नाटक सरकार, बंगलुरू	श्री अमरेंद्र सिन्हा, भा0प्र0 सेवा,अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (एमएसएमई), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उदयम मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री अशोक चावला, अध्यक्ष, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, द हिंदुस्तान टाइम्स हाऊस, नई दिल्ली

श्री अजीम प्रेमजी, अध्यक्ष, विप्रो लिमिटेड, बंगलुरू	श्री भास्कर खुल्बे, भा0प्र0 सेवा, प्रधान आवास आयुक्त, वेस्ट बेंगाल हाऊस, नई दिल्ली	सुश्री मनीषा पंवार, भा0प्र0 सेवा, (शिक्षा) उत्तराखंड सरकार, सचिवालय, देहरादून
श्री संजय आर. भूसरेड्डी, संयुक्त सचिव (एपीएफ) पशुपालन, दुग्ध एवं मतस्य पालन विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	श्री आर.एस. टोलिया, भा0प्र0 सेवा, (सेवानिवृत्त), देहरादून, श्री इंदु कुमार पांडे, भा0प्र0 सेवा, (सेवानिवृत्त), देहरादून	

,aM vkQ dksl QhMcd

पाठ्यक्रम के विषय में प्रतिभागियों द्वारा दिया गया समग्र इंड ऑफ कोर्स का फीडबैक (इसकी उपयोगिता, प्रशिक्षण अनुभव इत्यादि के आधार पर) औसत भार 87.46: था।

Hkk0i0 lsok 0;kolkf;d ikB;Øe pj.k & V ¼2013½

¼17 flrEcj ls18 vDrwcj] 2013 rd½

ikB;Øe dk uke	भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– V (2013) 7वां दौर
vof/k	17 सितंबर से 18 अक्तूबर, 2013 तक
ikB;Øe leUo;d dk uke	श्री पदमवीर सिंह, पाठ्यक्रम समन्वयक
ikB;Øe Vhe ds vU; lnL;ksa ds uke	श्री संजीव चोपड़ा, श्रीमती रंजना चोपड़ा, डॉ0 प्रेम सिंह
ifrHkkfx;ksa dh la[;k	कुल : 93 पुरुष 79 महिलाएं 14
ifrfuf/kRo djus okys cSp	1982, 1983, 1984, 1985 बैच
ikB;Øe dk mn~?kkVu	श्री रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय
lekiu lacks/ku	भारत के माननीय राष्ट्रपति, प्रणव मुखर्जी

चरण – V के प्रतिभागियों का ब्योरा परिशिष्ट – 9 में संलग्न है।

pj.k & V dk lekiu dk;Øe

¼cka, ls nka, ½ श्री पदमवीर सिंह, निदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, श्री प्रीतम सिंह पंवार), मंत्री उत्तराखंड सरकार, माननीय राज्यपाल, उत्तराखंड, डॉ0 अजीज कुरेशी, माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी, राज्य मंत्री (पीपी) श्री वी. नारायणसामी तथा श्री संजीव चोपड़ा, संयुक्त निदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी)

y{;

छब्बीस से अट्ठाइस वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके अधिकारियों को रणनीति तैयार करने एवं इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए तैयार करना।

ikB~;Øe dk mn~ns';

- भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीति तैयार करने की दिशा में वैश्विक तथा राष्ट्रीय परिदृश्य विकसित करना।
- अंतर–सेक्टरल नीति डिजाइन तथा क्रियान्वयन की महत्ता समझने में।
- अपने कार्य परिवेश में प्रभावी नेतृत्व देने में, और
- नीति–निर्माण तथा क्रियान्वयन के लिए आवश्यक सेवा नेटवर्क को सुदृढ़ करने में।

ikB~;Øe dh :ijs[kk

- पहला तथा दूसरा सप्ताह – शासन संबंधी वैश्विक परिदृश्य – न्यू यॉर्क तथा वाशिंग्टन डी.सी. यू.एस.ए.
- तीसरा, चौथा तथा पांचवां सप्ताह – भारत का उभरता नीति परिवेश तथा वर्तमान नीतिगत चुनौतियां। इसमें विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, प्रतिभागियों द्वारा नीतिगत आलेख तैयार किए गए, उनकी समीक्षा तथा प्रस्तुति की गई।

fons'k v/;;u Hkze.k dh :ijs[kk

न्यू यॉर्क एवं वाशिंग्टन डीसी, यूएसए में चरण – ट के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण का आयोजन अकादमी ने बिना किसी संस्थागत सहयोग के किया। अकादमी ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र के प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यान की व्यवस्था की जिन्होंने शासन के जटिल मुद्दों पर अलग–अलग दृष्टिकोण रखे। इससे प्रतिभागियों को उभरती हुई वैश्विक वास्तविकताओं और बड़े रुझानों की व्यापक एवं गहन दृष्टिकोण अपनाने के लिए विश्व के कुछ उत्कृष्ट विद्वानों से बात–चीत करने का अवसर प्रदान किया।

iz[;kr vfrfFk oDrk ¼fons'k v/;;u Hkze.k½

Øe la	oDrkvksa ds uke	Iknuke
1.	प्रो0 जेफरी डी. सैक्स	प्रोफेसर, कोलंबिया यूनिवर्सिटी
2.	प्रो0 एडवर्ड एल. ग्लेसर	प्रोफेसर, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
3.	प्रो0 जगदीश भगवती	प्रोफेसर, कोलंबिया यूनिवर्सिटी
4.	मि0 रूचिर शर्मा	प्रोफेसर, मोर्गन स्टैंली
5.	प्रो0 फ्रांसिस फुकुयामा	प्रोफेसर, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
6.	मि0 चार्ल्स के. एबिंगर	प्रोफेसर, बूकिंग्स इंस्टीट्यूशन
7.	मि0 मोइसेस नैम	कार्नेगी एंडाउमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस
8.	मि0 स्टेफन पी. कोहेन	ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन
9.	सुश्री निरूपमा राव	भारतीय राजदूत, संयुक्त राज्य अमेरिका

?kjsyw ?kVd

Øe la	vfrfFk oDrkvksa ds uke	inuke	irk
1.	श्री दिपांकर गुप्ता	सदस्य	केंद्रीय निदेशक मंडल, आर.बी.आई
2.	श्री दीप जोशी	सदस्य	राष्ट्रीय सलाहकार परिषद
3.	श्री अशोक गुलाटी	अध्यक्ष	कृषि लागत एवं मूल्य आयोग
4.	श्री हॉवर्थ बोइस	निदेशक	हार्वेस्ट प्लस
5.	श्री बिमल पटेल	निदेशक	एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट
6.	श्री एलियन बर्टोड	वरिष्ठ शोध अध्येता	न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी
7.	श्री अजीत रनाडे	मुख्य अर्थशास्त्री	आदित्य बिरला ग्रुप
8.	श्री अरुण मैरा	सदस्य	योजना आयोग
9.	श्री मनीष सभरवाल	अध्यक्ष	टीम लीज सर्विस प्राइवेट लिमिटेड
10.	श्री टी.वी मोहनदास पई	अध्यक्ष	मणिपाल ग्लोबल एजूकेशन
11.	श्री जे. सत्यनारायण	सचिव	सचिव, भारत सरकार
12.	श्री आर.एस. शर्मा	मुख्य सचिव	झारखंड सरकार
13.	श्री विजय एस. मदान	महानिदेशक	यूआईडीएआई
14.	श्री अजीत डोवल	पूर्व निदेशक	आसूचना ब्यूरो

ikB~;Øe lelU;d dh fVIi.kh

28 से 30 वर्ष की सेवा कर चुके भा0प्र0 सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए चरण–ट कार्यक्रम की रूपरेखा और उसका संचालन अकादमी ने बिना किसी संस्थागत सहयोग के किया। कार्यक्रम पिछले कार्यक्रम की फीडबैक पर आधारित था तथा इसमें प्रशिक्षण के लिए आवश्यक मूल्यांकन अकादमी द्वारा किया गया। हालांकि सार्वजनिक नीति निर्माण एवं रणनीति के विषय पर जयादे ध्यान दिया गया था, तथापि कार्यक्रम से प्रतिभागियों के कार्य क्षेत्र की जानकारी में वृद्धि हुई। प्रतिभागियों के लिए कार्यक्रम को अधिक व्यापक बनाने तथा तात्कालिक प्रासंगिकता के विभिन्न विषयों को रखने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के अंत में, पाठ्यक्रम में सुशासन, ग्रामीण विकास, कृषि तथा खाद्य सुरक्षा, शहरी विकास, जन स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास, सार्वजनिक वित्त, अवसंरचना और सार्वजनिक – निजी भागीदारी, शिक्षा समाज के वंचित वर्गों,

ई–गवर्नेंस, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण एवं ऊर्जा इत्यादि के विभिन्न विषयों पर एक दिवसीय मॉड्यूल के बारे में बताया गया। प्रत्येक प्रतिभागी ने नीतिगत पत्र लिखे जो सहकर्मी समीक्षा (पीयर रिव्यू) के लिए थे तथा इसे छोटे–छोटे समूहों में प्रस्तुत किया गया। चयनित पत्रों को अकादमी पत्रिका 'द एडमिनिस्ट्रेटर में प्रकाशित किया गया तथा केंद्रीय एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में प्रसारित किया गया।

114oka izos'kdkyhu izf'k{k.k dk;Øe

¼21 vDrwcj ls 13 fnlacj] 2013 rd½

Øe la	fooj.k	ikB~;Øe dk C;kSjk
1.	पाठ्यक्रम परिचय	भा0प्र0 सेवा अधिकारियों (भा0प्र0 सेवा में प्रोन्नत या चयनित सूची वाले) के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
2.	कार्यक्रम के प्रतिभागी/लक्ष्य समूह	विभिन्न राज्य सरकारों की चयनित सूची के अधिकारियों को भा0प्र0 सेवा में पदोन्नति के उपरांत 8 सप्ताह का प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करना अनिवार्य है।
3.	समूह गठन, पुरुष/महिला	पुरुष – 39 महिलाएं – 11 कुल – 50
4.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री प्रदीप कुमार केंद्रीय सर्तकता आयुक्त केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली
5.	समापन भाषण	श्री पदमवीर सिंह, भा0प्र0 सेवा निदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी

114वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट – 10 में संलग्न है।

y{;

- प्रशासकों के रूप में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए अंतर–विषय ज्ञान एवं कौशल अर्जित करना तथा उसे अद्यतन करना।
- अनुभवों, विचारों तथा दृष्टिकोणों के आदान–प्रदान से अखिल भारतीय परिदृश्य को समझना।
- प्रतिभागियों को नवीन सूचना–प्रौद्योगिकी कौशल तथा प्रबंधकीय तकनीकों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति क लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान, परिचर्चा, प्रकरण अध्ययन पैनल चर्चा, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव आदान–प्रदान, फिल्म तथा चर्चा, मेनेजमेंट गेम, समूह कार्य तथा क्षेत्र भ्रमण शामिल था। प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार के संगठनों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया तथा उन्हें विभिन्न स्थानों पर संवैधानिक प्राधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विनिमय का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्मिक राज्य मंत्री तथा मंत्रिमंडल सचिव से भी मुलाकात की। अध्ययन दौरे के अंतर्गत बांग्लादेश अथवा श्रीलंका का दौरा भी शामिल किया गया।

iz[;kr vfrfFk oDrk

Øe la	vfrfFk oDrkvksa ds uke	inuke	irk
1.	श्री प्रदीप कुमार	केंद्रीय सतर्कता आयुक्त	केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली
2.	श्री के.एम. पाथी	विजिटिंग प्रोफेसर	नई दिल्ली
3.	योगी डॉ0 अमृत राज	संस्थापक	मां योगा आश्रम, आरोग्य धाम तपोवन, ऋषिकेश
4.	श्री शशि थरूर	माननीय राज्यमंत्री	मानव संसाधन विभाग, नई दिल्ली
5.	सुश्री मौना भगवती	रीडर	एमआईडीएस, चैन्नै
6.	श्री बी. एस. बासवान	भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त)	नई दिल्ली

7.	श्री एम.एन. रॉय	भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त)	पूर्व प्रधान सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता
8.	सुश्री राधिका झा	भा0प्र0 सेवा	अपर सचिव, प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा उत्तराखंड
9.	श्री अमोलक रतन कोहली	राज्यपाल	मिजोरम के पूर्व राज्यपाल
10.	सुश्री नित्या रमेश	प्रबंधक	अरबन डिजाइन, जन अरबन स्पेस फाउंडेशन बेंगलोर
11.	सुश्री बिजल ब्रहमा भट्ट	निदेशक	महिला हाऊसिंग सेवा ट्रस्ट, अहमदाबाद –9, गुजरात
12.	डॉ0 सबाहट अजीम	पूर्व – भा0प्र0 सेवा	मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्लोबल हेल्थकेयर सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता
13.	श्री सी.वी. आनंद बोस	रिसर्चर स्कॉलर	ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
14.	प्रो0 श्रीनिवास चेरी	निदेशक	ऊर्जा, पर्यावरण केंद्र यूजीआईडी, एएससीआई, हैदराबाद
15.	श्री एस.के. त्रिपाठी	भा0पु0 सेवा (सेवानिवृत्त)	पूर्व सचिव (आर), नई दिल्ली
16.	सुश्री मधु किश्वर	संस्थापक संपादक	'मानुषी' नई दिल्ली
17.	श्री दीपक सनन	भा0पु0 सेवा	प्रधान सचिव, (राजस्व) हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला (हि0प्र0)
18.	श्री श्रीनिवास अय्यर	असिस्टेंट कंट्री डायरेक्टर एंड हेड	ऊर्जा एवं पर्यावरण यूनिट, यूएनडीपी, भारत, नई दिल्ली
19.	डॉ0 इंद्रजीत पाल	सह प्रोफेसर	सीडीएम, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी
20.	ब्रिगेडियर नरेन्द्र कुमार	एस.एम	वीएसएम, बीजीएस यूबी एरिया बरेली
21.	श्री दिलीप जावलकर	अपर सचिव	मुख्य मंत्री सचिवालय, देहरादून, उत्तराखंड
22.	डॉ0 दिलीप सिमोन	ऐतिहासिक एवं सामाजिक कार्याकर्ता, अध्यक्ष	अमन ट्रस्ट, दिल्ली
23.	ए.के. सिंह	लैफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त)	पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम,वीएसएम, लिमिटेड अंडमान एवं निकोबार द्विपसमूह के उप राज्यपाल
24.	डॉ0 आर. बालासुब्रमणयम	संस्थापक एवं अध्यक्ष	स्वामी विवेकानंद युवा आंदोलन, मैसूर
25.	कमांडेंट	संस्थापक एवं निदेशक	स्ट्रेस मेंनेजमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
26.	डॉ0 आशा राजवंशी	वैज्ञानिक एफ	भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून

la;qDr flfoy & lSU; izf'k{k.k dk;Øe

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (ला0ब0शा0रा0प्र0अ0) मसूरी ने दिनांक 18 से 29 नवंबर, 2013 तक राष्ट्रीय सुरक्षा पर 20वां संयुक्त सिविल – सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों तथा अर्द्धसैनिक बलों के प्रशिक्षणार्थी थे। सत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा, भारतीय सेना/भारतीय वायु सेना/भारतीय नवल सेना, कश्मीर मुद्दा, वाम चरम पंथी, मनी लॉडरिंग, साइबर सुरक्षा, वाद–गेम्स इत्यादि के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई थी। इस कार्यक्रम का आयोजन अकादमी में प्रति वर्ष किया जाता है।

ikB;Øe dk ifjp;	राष्ट्रीय सुरक्षा पर संयुक्त सिविल – सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी का मुख्य पाठ्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के सुधार पर मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए वर्ष 2002 में आरंभ किया गया था।
ikB;Øe ds izfrHkkxh	भा0प्र0 सेवा, भा0पु0 सेवा, भा0 वन सेवा, भा0रा0 सेवा, भा0र0 सेवा, आसूचना ब्यूरो, भा0उ0शु0सी0शु0 सेवा, के0 अन्वेषण ब्यूरो, मंत्रिमंडल सचिवालय के अधिकारी (निदेशक/संयुक्त निदेशक/संयुक्त सचिव/उपायुक्त स्तर के) सशस्त्र बलों के अधिकारी (ब्रिगेडियर/कर्नल, कैप्टन, ग्रुप कैप्टन, कमांडर स्तर के) अधिकारी। अर्धसैनिक बलो के अधिकारी (उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महा निरीक्षक स्तर के) राज्य के वरिष्ठ न्यायाधीश (प्रधान/अपर जिला सत्र न्यायाधीश) मेयर/जिला पंचायत अध्यक्ष निजी क्षेत्र
Lkewg xBu	dqy & 46 पुरुष – 45 महिला – 1
dk;Øe mn?kkVu	श्री पदमवीर सिंह, भा0प्र0 सेवा निदेशक, ला0ब0शा0रा0प्र0अ0, मसूरी
lekiu lacks/ku	श्री जी.के. पिल्लई, भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व गृह सचिव, नई दिल्ली

ikB;Øe dsmn'ns';] izeq[k xfrfof/k;ka,oafo'ks"krk,a

- राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न आयामों तथा इसके घटकों तथा भारतीय राज्य में विभिन्न धमकियों से संबंधित जानकारी में वृद्धि करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबंध की चुनौतियों से अवगत कराना, उभरते हुए बाह्य सुरक्षा परिवेश तथा आंतरिक सुरक्षा परिवेश का असर इत्यादि।
- सुरक्षा के लिए धमकियों के साथ–साथ सुरक्षा (साइबर, पर्यावरणीय, आर्थिक तथा ऊर्जा) के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरुकता का निर्माण करना।
- सिविल – सैन्य विचार–विनिमय का अवसर प्रदान करनाय तथा
- प्रतिभागियों को इस विषय पर विचार–विमर्श का अवसर प्रदान करना

इस शैक्षणिक व्याख्यान, सेमीनार, अनुकरण अभ्यास, समूह चर्चा तथा मूवी स्क्रीनिंग शामिल थे। कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों को गहराई से समझने के जटिल मुद्दों पर बारी–बारी से अलग–अलग दृष्टिकोणों को समझने का प्रयास किया। इसका उद्देश्य अधिक प्रभावी ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रतिभागियों के समृद्ध एवं विभिन्न अनुभवों का उपयोग करना था। कार्यक्रम का असल उद्देश्य उचित प्रशिक्षण विषयों के माध्यम से व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में ज्ञान, कौशलता तथा दृष्टिकोण में महसूस की गई कमी को पाटना था।

iz[;kr vfrfFk oDrk

Øe la0	vfrfFk oDrkvksa ds uke	Iknuke	Ikrk
1.	एम्बेसडर के.सी. सिंह	भा0 वन सेवा (सेवानिवृत्त) पूर्व सचिव	विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
2.	लेफ्टिनेंट जनरल मानवेंद्र सिंह	एवीएसएम, वीएसएम, कमांडेंट	भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून
3.	डॉ0 जी. मोहन गोपाल	निदेशक	राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कंटेपरेरी स्टडीज, नई दिल्ली
4.	लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन	(सेवानिवृत्त) पीवीएसएम	यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम (बार), पूर्व सैन्य सचिव एवं कमांडर, एक्सवी कॉर्पस

5.	प्रो0 राधा कुमार	महानिदेशक	दिल्ली पॉलिसी ग्रुप एंड मेंबर गवर्नमेंट्स ग्रुप ऑफ इंटरलॉक्यूटर्स ऑन कश्मीर
6.	डॉ0 दिलीप शिमोन	इतिहासकार, सामाजिक कार्यकर्ता, अध्यक्ष	अमन ट्रस्ट, दिल्ली
7.	जसटिस लक्ष्मी बिहार	पूर्व न्यायाधीश	इलाहाबाद उच्च न्यायालय
8.	एयर वाइस मार्शल सी. हरि कुमार	एयर वाइस वीएम, वीएसएम, एसीएएस (ओपीस)	एयर हैडक्वार्टर्स, नई दिल्ली
9.	श्री पी.के. तिवारी	आईए एंड एएस, निदेशक	फाइनेंसियल इंटेलीजेंस यूनिट, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
10.	श्रीयर एडमिरनल मोंटी खन्ना	एसिस्टेंट चीफ	नवल स्टाफ (एफसीआई) नई दिल्ली
11.	डॉ0 गुलशन राय	महानिदेशक	इंडियन कंप्यूटर इमर्जेन्सी रिसपोंस टीम, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
12.	लेफ्टिनेंट जनरल अनिल भाल	वीएसएम, महानिदेशक	पर्सपेक्टिव प्लानिंग आईएसक्यू ऑफ रक्षा मंत्रालय (थल सेना), सेना भवन, नई दिल्ली
13.	कर्नल राशिम बाली	डायरेक्टिंग स्टाफ	रक्षा प्रबंधन कॉलेज, सिकंदराबाद
14.	कर्नल संजीव सिंह स्लेरिया	डायरेक्टिंग स्टाफ	रक्षा प्रबंधन कॉलेज, सिकंदराबाद
15.	श्री के. विजय कुमार	भा0पु0 सेवा (सेवानिवृत्त)	वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार, नक्सल प्रबंधन, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
16.	डॉ0 हर्ष वी. पंत	रीडर, अंतर्राष्ट्रीय संबंध	रक्षा अध्ययन विभाग, किंग्स कॉलेज, लंदन, यूनाइटेड किंगडम
17.	एम्बेसडर जी पार्थसारथी	भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त)	नई दिल्ली
18.	श्री अशोक लावास	भा0प्र0 सेवा	अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली
19.	श्री जी.के. पिल्लई	भा0प्र0 सेवा (सेवानिवृत्त)	पूर्व केन्द्रीय गृह सचिव, नई दिल्ली

l aksf"B;ka,oa dk;Z'kkyk,a

वर्ष भर में 2 से 5 दिनों की संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कुछ नियमित कार्यशालाएं इस प्रकार हैं :

राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के साथ भा0प्र0 सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के 52 सप्ताह के जिला प्रशिक्षण समन्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों से संबंधित विभिन्न विषयों तथा प्रशिक्षण संस्थानों से संबंधित अन्य सामान्य विषयों पर चर्चा करने के लिए प्रति वर्ष सभी राज्यों के प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

- इस वर्ष राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 12वां सम्मेलन दिनांक 20–21 मई, 2013 तक आयोजित किया गया तथा इसमें 22 संस्थानों ने प्रतिनिधित्व किया।
- इस वर्ष 28–29 अक्तूबर, 2013 तक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का सम्मेलन आयोजित किया गया था तथा इसमें 22 संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

Hkk0 iz0 lsok ds vf/kdkfj;ksa dk Lo.kZ t;arh iqufeZyu

अकादमी प्रतिवर्ष उन अधिकारियों का पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित करती है जो 50 वर्ष पूर्व सेवा में शामिल हुए थे। पहला पुनर्मिलन, स्वतंत्र भारत के स्वर्णजयंती वर्ष अर्थात, 1997 में आयोजित किया गया था जिसमें स्वतंत्रता के समय सेवारत भारतीय सिविल सेवा तथा भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों ने भाग लिया। तब से, सेवानिवृत्त अधिकारियों को प्रतिवर्ष तीन दिनों की अवधि के लिए संकाय एवं अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों से अपने अनुभवों का आदान–प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों का दृष्टिकोण बेहद सामाजिक होता है तथा प्रशासन के इस बदलते परिवेश में बहुमूल्य जानकारियां देते हैं। देश के बाहरे में उकने द्वारा रखी गई विभिन्न विषयों की संस्तुतियां कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों को भेजी जाती है।

इस वर्ष 1963 बैच का स्वर्णजयंती पुनर्मिलन 9 और 10 सितंबर, 2013 को आयोजित किया गया तथा बैच के 40 अधिकारी इस पुनर्मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

Ykk-c-'kk-jk-iz-v- ladk; ds lkFk 1963 cSp ds Hkk0 iz0 lsok ds vf/kdkfj;ksa dk iqufeZyu xzqi QksVks

v/;k; **4**

हमारी सहयोगी संस्थाएं

,u-vkb-lh-;wfuV rFkk vuqla/kku dsUnz

,uvkblh izf'k{k.k ;wfuV

अकादमी में एन.आइ.सी. की यह यूनिट अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को अकादमी में प्रशिक्षण के दौरानए उन्हें सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। प्रशिक्षण कैलेण्डर 2013 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम तथा गतिविधियां संचालित की गई।

dzla	ikB~;dze@vof/k	l=	ifrHkkxh	fo"k;
1.	भा.प्र. सेवा व्यावसयिक पाठ्यक्रम चरण–I (2012–14 बैच) (26 सप्ताह)	20x2 = 40	153	What–if Analysis using Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Pivot Table and Chart, Introduction to MS Access, Dynamic Key Retrieval, Multiple Table with Single Primary Key and Combined Primary Keys, Tenancy database, Introduction to MS Project and Election monitoring using MS Project, Financial Management (PV,FV,PMT,IRR, NPV) using MS Excel. Project Appraisal (Financial and investment criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large) using MS Excel, Introduction to MS Project, Resource and Handling using MS Project
2.	भा.प्र. सेवा व्यावसयिक पाठ्यक्रम चरण–II (2012–14 बैच) (26 सप्ताह)	6 x 2 = 12	132	Population Pyramid Analysis with Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Sensitivity Analysis, Financial Analysis.
3.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 7वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–III)	20	100	Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-Built Function, What-if-Analysis using MS Excel, Financial Management (Time Value of Money, PV,FV,PMT,IRR, NPV) using MS Excel. Project Appraisal (Financial and investment criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large) using MS Excel.
4.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 8वां मिड	06	78	0678Absolute and relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-Built

	कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–IV)			Function, What-if Analysis using MS Excel, Descriptive Statistics, Graphical Analysis. Survey Analysis and Statistical Analysis, Financial statement and Accounting concepts using Excel. Presentation Skills, Features of Power Point with Touch Screen devices, Enhanced Documentation like Columns, Smart Art, Mail merge etc.
5.	88वां आधारिक पाठ्यक्रम (15 सप्ताह)	22x4=88	269	22 x 4= 88269MS Word (Effective Document Management, Special Publication Features ,Boiler Plate Feature, From Control and Basic Formula Editing),MS PowerPoint (Visual Tools of enhancement of presentation Customization of Presentation, Object Animation) MS Excel, Income Tax Calculation using Excel, Data Analysis, Statistical Analysis and Regression Analysis using MS Excel.
6.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 113वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	42	2042Introduction to Computer Software and Hardware, Internet & E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Windows (XP), MS Word, MS PowerPoint, MS Excel.
7.	भा. प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 114वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	50	2050Introduction to Computer Software and Hardware, Internet & E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Windows (XP), MS Word, MS PowerPoint, MS Excel.
8.	भा.ति.सी. पुलिस अधिकारियों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण (1 सप्ताह)	08	20	Introduction to Computers, Windows (XP) O.S, MS Word, MS Excel, MS Power Point.

lkf'k{k.k

- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के अधिकारियों के लिए 28 से 30 जनवरी, 2013 तक ग्राफिक्स एंड मूवी एडिटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन्ट्रोडक्शन टू ग्राफिकस, फोटो शॉप का प्रयोग करके डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, डिजिटल पेंटिंग, इंकस्पेस का प्रयोग कर वेक्टर ग्राफिक्स बनाने तथा मूवी मेकर का प्रयोग कर मूवी इडिटिंग के विषय शामिल किए गए। इस प्रशिक्षण में कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के वाइड एक्सपोजर टू एम.एस.वर्ड, एम.एस पावर प्वाइंट तथा एम.एस. एक्सेल पर अकादमी काउंसिल मेम्बर (एसीएस) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- एम.एस.वर्ड, एम.एस पावर प्वाइंट तथा एम.एस. एक्सेल पर ला.ब.शा.रा.प्र.अ. अकादमी के निजी सहायकों/आशुलिपिकों के लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- अकादमी के अधिकारियों के लिए ''ई–ऑफिस एवं कंप्यूटर स्किल'' पर दो चरणों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, पहला चरण का कार्यक्रम 11 से 12 फरवरी तक तथा दूसरा चरण का कार्यक्रम 14 से 15 फरवरी तक आयोजित किया गया। इसमें कुल 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- दिनांक 28.10.2013 को बंगला के सिविल सेवकों के लिए एक आईसीटी सेसन ऑन प्रोजक्ट अप्रेजल का आयोजन किया गया। इस सत्र में इन्ट्रोडक्शन टू प्रोजेक्ट अप्रेजल ऑफ मनी एंड बजट एंड लोन अमोर्टाइजेशन विषय शामिल किए गए। इसमें कुल 57 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- दिनांक 16.12.2013 को बिहार के प्रांतीय सिविल सेवकों के लिए 35 अधिकारियों के लिए आईसीटी सेसन ऑन प्रोजेक्ट अप्रेजल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

if'k{k.k&fof/k

- व्याख्यान–सह–निदर्शन
- हैन्ड्स–ऑन
- कक्षा तथा गृह कार्य
- प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतिकरण
- प्रकरण अध्ययन

ikB~; lkexzh rS;kj dh

,u-vkb-lh- ladk; }kjk fuEufyf[kr fo'k;ksa ij lanHkZ lkexzh rS;kj dh xbZ&

- MS- Word 2010
- MS-Power Point-2010
- MS-Excel 2010
- Quick reference of MS Accss. 2010

vU; xfrfof/k;ka

- अकादमी में अवर श्रेणी लिपिकों तथा आशुलिपिकों की भर्ती के लिए 240 अभ्यर्थियों की कंप्यूटर दक्षता परीक्षा ली गई।
- ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी स्टाफ के बच्चों के लिए वीटीसी कक्षाएं संचालित की गई।

if'k{k.k] vuql/kku rFkk izdk'ku izdks"B

अकादमी में प्रतिवर्ष कई गण्यमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधि–मण्डलों का आगमन होता है। इस दौरान आपसी अनुभव आदान–प्रदान द्वारा ज्ञानार्जन किया जाता है जिससे अतिथि तथा अकादमी, दोनों ही लाभान्वित होते हैं। प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विकास प्रकोष्ठ द्वारा समन्वय किए गए कुछ भ्रमण कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है–

x.k;ekU; 0;fDr@ifrfuf/k eaMy	Hkze.k dh frfFk
बंगलादेश गणराज्य सरकार, बीसीएस एडमिनिस्ट्रेशन अकादमी, ढाका के अधिकारियों का भ्रमण	20–05–2015
जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के 47 आर आर (बिहार) से विद्यार्थियों तथा स्टाफ सदस्यों का भ्रमण	07–06–2013
अफगान प्रतिनिधि मंडल के जिला गर्वनरों का भ्रमण	19–06–2013
प्रसार भारती, नई दिल्ली से श्री पी. एन. भक्त उप महानिदेशक (एसटीआईटी) का भ्रमण	27–06–2013
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून से जेटीपी प्रतिभागियों का भ्रमण	18–07–2013
बंगलादेश प्रतिनिधि मंडल का भ्रमण	20–07–2013
श्री चैत्य आई.ए.एस. अकादमी, हाई टेक सिटी हैदराबाद के हायर सेकेंडरी तथा अंडर ग्रेजुएट विद्यार्थियों का भ्रमण	31–07–2013
दून स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों का भ्रमण	11–08–2013
दून स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों का भ्रमण	01–09–2013

डॉ0 एस अयप्पन सचिव एवं महानिदेशक, डॉ0 अरविंद कुमार उपमहानिदेशक (शिक्षा) तथा डॉ0 एस.एल गोस्वामी, निदेशक नई दिल्ली का भ्रमण	12—09—2013
देहरादून से कर्नल रेड्डी तथा उनकी पत्नी का भ्रमण	24—09—2013
जम्मू एवं कश्मीर से सदभावना के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों का भ्रमण	27—09—2013
भोड़ाई (उ0प्र0) से अध्यापकों का भ्रमण	01—10—2013
उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के अध्यापको और संकाय सदस्यों का भ्रमण	05—10—2013
अक्षरा विद्यालय, आंध्रप्रदेश के विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों का भ्रमण	09—10—2013
हिम ज्योति स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण	28—11—2013
आत्म सम्मान, शहरी नगर, भुवनेश्वर के विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों का भ्रमण	11—12—2013
एसएसबी श्रीनगर, गढ़वाल के अधिकारियों तथा अनुदेशकों का भ्रमण	14—12—2013
जम्मू एवं कश्मीर से सदभावना के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण	27—12—2013
एनआईपीएएम, नामीबिया के वरिष्ठ सिविल सेवा का भ्रमण	14—01—2014
श्री चैतन्य आईएएस अकादमी, हाई टैक सिटी, हैदराबाद के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण	21—01—2014
पूर्णिमा ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, जयपुर के एमबीए विद्यार्थियों तथा अध्यापकों का भ्रमण	24—01—2014
जपान, भूटान, श्रीलंका, मिश्र के सेन्य अधिकारियों और भारत के नेशनल डिफेंस कॉलेज नई दिल्ली के सेन्य अधिकारियों का भ्रमण	31—01—2014
आईटीएम (डीआरडीओ), मसूरी के सेन्य अधिकारियों का भ्रमण	05—02—2014
सैनिक स्कूल, मानसबल, जम्मू एवं कश्मीर से विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का भ्रमण	17—02—2014
आईआईपीए, नई दिल्ली से विज्ञान तकनीकी संस्थान विभाग से प्रतिभागियों का भ्रमण	17,18—02—2014
एसीसी विंग, आई एम ए देहरादून से कैडेट्स एवं अधिकारियों का भ्रमण	12—03—2014

izdk'ku

अकादमी स्टाफ के प्रशिक्षण के भ्रमण कार्यक्रम और प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन के साथ—साथ टीआरपीसी तिमाही जॉर्नल ''द एडमिनिस्ट्रेटर'' का भी प्रकाशन करता है। ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी वर्श 1961 से ''द एडमिनिस्ट्रेटर'' का प्रकाशन करती आ रही है। आधी शताब्दी से अधिक समय से यह जॉर्नल सिविल सेवकों तथा शिक्षाविदों (अकादमिशयनों) को अपने—अपने क्षेत्र के अनुभवों से प्राप्त ज्ञान को आदान—प्रदान करने का मंच उपलब्ध कराता है। अनन्य रूप से न सही किंतु मुख्य रूप से सिविल सेवकों का इसमें योगदान रहा है। इस जॉर्नल में बुद्धिजीवियों, अध्यताओं तथा ऐसे प्रख्यात व्यक्तियों के योगदान को विशेष महत्व दिया जाता है जिन्होंने लोक प्रशासन, लोकनीति आदि के क्षेत्रों में अपने ज्ञान का उपयोग किया है।

वर्ष 2013—14 में अकादमी ने इस जॉर्नल के चार अंकों का प्रकाशन किया। इन अंकों में विभिन्न विषयों के लेख शामिल किए गए हैं जैसे :—

- कृषि, स्वास्थ, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा तथा भूमि अधिग्रहण अधिनियम आदि के मुद्दों से संबंधित लोक नीति।
- शहरी नियोजन, सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) स्वच्छता तथा सार्वभौमिक स्वास्थ कवरेज आदि से संबंधित विषय।
- तथा भ्रष्टाचार, जन लोकपाल विधेयक, मनरेगा, आर्थिक संकट आदि जैसे कतपय सामान्य मुद्दे।

ladk; fodkl

अकादमी में अपने संकाय सदस्यों की कौशलता, ज्ञान तथा उनकी शैक्षणिक तकनीकों को उन्नत करने तथा उसे अद्यतन करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसे प्राप्त करने के लिए ऑन कैंपस प्रशिक्षण तथा देश विदेश दोनों के प्रख्यात संस्थानों से संकाय सदस्यों की नियुक्ति कर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संकाय विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, सेमीनारों में भाग लेने तथा भारत तथा विदेश दोनों में सहयोग संभावनाओं का पता लगाने के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों की तैनाती की गई।

lædk; dk uke	if'k{k.k@dk;l'kkyk@ lsehukj	vof/k	LFkku
श्री संजीव चोपड़ा	सार्वजनिक क्षेत्र में प्रबंधन	22 अप्रैल से 3 मई, 2013	ईएनए, पेरिस
श्रीमती रंजना चोपड़ा	सार्वजनिक क्षेत्र में प्रबंधन	22 अप्रैल से 3 मई, 2013	ईएनए, पेरिस
श्री अभिषेक स्वामी	प्रतिस्पर्धा विधि तथा नीति	29 जुलाई से 17 अगस्त, 2013	लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स
श्री राजेश आर्य	जन सेवा वितरण प्रणाली में सुधार	4 से 15 नवंबर, 2013	आरआईपीए, लंदन
श्री दुष्यंत नरियाला	भ्रष्टाचार निवारणः प्रभावी भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार उन्मूलन रणनीति	17 से 21 फरवरी, 2014	ओपी जिंदल ग्लोबल यूनीवर्सिटी हरियाणा
डॉ0 बी.एस. काला	स्वास्थ सेवकों के लिए कौशल परामर्श	3 से 7 फरवरी, 2014	नई दिल्ली

jk"Vªh; vkthfodk izca/ku dsUnz ¼,u lh ,y ,e½

सहकारिता तथा ग्रामीण विकास केन्द्र की स्थापना सितम्बर, 1995 में सहकारिता के क्षेत्र में अनुसंधान करने तथा ग्रामीण विकास अभिकरणों, लाइन विभागों और पंचायती राज संस्थानों जैसे ग्रामीण विकास संस्थानों के साथ सामंजस्य का अध्ययन करने के लिए की गई थी। इसने राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान तथा अकादमी के अन्य केन्द्रों को अंतःविषयों क्षेत्र एवं प्रशिक्षण में भी सहायता प्रदान की। वर्ष 2011–12 में राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान के पुनर्गठन का कार्यक्रम आरंभ किया तथा शहरी प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, जेंडर अध्ययन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र विभिन्न केंद्रों को सौंपे गए। यह महसूस किया गया कि स्वास्थ, गरीबी उन्मूलन जैसे कई क्षेत्र रह गए हैं तथा जिसे समग्रता में देखा जाना चाहिए। इस कार्य को करने का अधिदेश सहकारिता एवं ग्रामीण विकास केन्द्र (सीसीआरडी) को दिया गया तथा राष्ट्रीय आजीविका प्रबंधन केन्द्र (एनसीएलएम) के रूप में इस केन्द्र का नामकरण किया गया।

राष्ट्रीय आजीविका प्रबंधन केन्द्र (एनसीएलएम) की स्थापना निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों से की गई।

- ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के समग्र परिप्रेक्ष्य पर प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना तथा अकादमी में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों उन्हें बताना।
- सिविल सेवाओं में नए भर्ती अधिकारियों की जानकारी प्रदान करने तथा मिड कैरियर अधिकारियों के लिए नीतिगत बहस हेतु एक मंच प्रदान करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका तथा गरीबी उन्मूलन के विषय पर कार्यशालाएं/सेमीनार आयोजित करना।

राष्ट्रीय आजीविका प्रबंधन केन्द्र इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है तथा अकादमी के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए मॉडयूल तैयार कर रहा है।

अपनी गतिविधियों के इस घटक में एनसीएलएम ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निम्नलिखित सत्रों के संचालन में सहायता दी।

- मार्च 2013 में चरण–। के प्रशिक्षुओं के लिए राष्ट्रीय आजीविका प्रबंधन केंद्र पर एक दिवसीय मॉडयूल बनाया। 14 मार्च, 2014 को इसी तरह का मॉडयूल चरण–। प्रशिक्षुओं के हाल के बैच के लिए तैयार किया जा रहा है।
- चरण–। में 2013 बैच के श्री टी. विजय कुमार तथा एस. विजयानंद ने विकेंद्रीकरण तथा आजीविका पर एक सत्र का आयोजन किया।

dsUnzfuns'kd dk uke ¼& श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक

vkink izca/ku dsUnz

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केंद्र ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी की छत्रछाया में आपदा प्रबंधन तथा उससे संबंधित मुद्दों पर क्षमतावर्धन के लिए एक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण एकक हे जो पंजीकरण सं. 199/2007–2008 के द्वारा सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत 2005 से कार्यरत एक पंजीकृत सोसाइटी है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के अलावा, यह केन्द्र भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल सार्वभौमिक बेहतर प्रथाओं को लागू करने के लिए राष्ट्रीय रणनीति के प्रतिपादन का कार्य करता रहता है। यह केन्द्र प्रवेशकालीन तथा सेवाकालीन स्तर पर भा0प्र0 अधिकारियों तथा अन्य समूह–क

सिविल सेवाओं के अधिकारियों को प्रशिक्षण देता है तथा आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन में आरएस/जीआईएस के उपयोग, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, श्रेष्ठ प्रथाओं के प्रलेखन, अध्ययन प्रकरणों, प्रशिक्षण सामग्रियों, पत्रिकाओं, पुस्तकों आदि के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान का कार्य करता है।

dsUnz funs'kd dk uke ½& श्री सौरभ जैन, उपनिदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी

vuqla/kku

असम के चार जिलों बरपेटा, धुबरी, धेमाजी तथा जोरहट के संबंध में बाढ़ प्रबंधन तथा प्रतिक्रिया पर विस्तृत अध्ययन किया।

izf'k{k.k ikB~;Øe

¼1½ xzkeh.k lkslkbfV;ksa ds fy, foKku ,oa izkS|ksfxdh ¼20 ls 31 ebZ] 2013½

Øe la	fooj.k	dk;Z fooj.k
1.	पाठ्यक्रम का नाम	ग्रामीण सोसाइटियों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
2.	अवधि	2 सप्ताह (20 से 31 मई, 2013)
3.	पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री जयंत सिंह, निदेशक, आपदा प्रबंधन केंद्र तथा उप निदेशक वरि0, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी
4.	पाठ्यक्रम टीम के अन्य सदस्यों के नाम	डॉ0 इन्द्रजीत पाल, सह–प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन केंद श्री एन.वी. जोसफ, अनुसंधान अधिकारी आपदा प्रबंधन केन्द्र श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान एसोसिएट, आपदा प्रबंधन केंद्र
5.	प्रतिभागियों की संख्या	कुल प्रतिभागी – 18 (पुरुष – 16) (महिला – 2)
6.	प्रतिनिधित्व करने वाले बैच	सरकारी प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकी विद
7.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक (वरि0) ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
8.	समापन संबोधन	श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

dk;ZØe dk mn~ns';

- प्रख्यात वैज्ञानिकों, व्यावसायियों और युवा वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना।
- ग्रामीण सोसाइटियों के लिए विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का आधार विकसित करना।
- पीएलए (सहभागी सीख तथा कार्य) तकनीकों का प्रयोग कर के ग्रामीण अध्ययन भ्रमण का आयोजन करना।

ikB~;Øe xfrfof/k;ka] fo'k; rFkk fo'ks"krk,a

इस पाठ्यक्रम में व्याख्यान सत्र, ग्रामीण विकास पर फिल्म, ग्रामीण सेक्टर में प्रौद्योगिकी अंतर्स्थापन, लेब टू लैंड विषयी, कृषि के लिए मौसम विज्ञान की आवश्यकताएं, कृषि कार्य पर नवीनतम विकास आदि विषय रखे गए थे। प्रतिभागियों को पीएलए अध्ययनों, तैयारी तथा ग्रामीण अध्ययनों के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए विकास खंडों के गांवों में भेजा गया।

¼2½ vkpkj uhfr rFkk ewY; ¼24 ls 28 twu] 2013½

Øe la	fooj.k	dk;Z fooj.k
1.	पाठ्यक्रम का नाम	आचार नीति तथा मूल्य
2.	अवधि	1 सप्ताह (24 से 28 जून, 2013)
3.	पाठ्यक्रम समन्वयक	श्री जयंत सिंह, निदेशक, आपदा प्रबंधन केंद्र तथा उप निदेशक वरि0, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी

4.	पाठ्यक्रम टीम के अन्य सदस्यों के नाम	डॉ0 इन्द्रजीत पाल, सह–प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन केंद श्री एन.वी. जोसफ, अनुसंधान अधिकारी आपदा प्रबंधन केन्द्र श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान एसोसिएट, आपदा प्रबंधन केंद्र
5.	प्रतिभागियों की संख्या	कुल प्रतिभागी – 23 पुरुष – 19 महिला – 4
6.	प्रतिनिधित्व करने वाले बैच	सरकारी प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकी विद
7.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री कुश वर्मा, निदेशक, महानिदेशक राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान, ला.ब.शा.रा.प्र.अ. मसूरी
8.	समापन संबोधन	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

dk;Øe dk mn'ns';

- आचार नीति के बुनियादी सिद्धांतों/नैतिक दर्शन के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी देना।
- उन्हें उन मूल्यों के बारे में समझने के लिए प्रोत्साहित करना जो लोक नीति के निर्माण तथा उसके कार्यान्वयन में मददगार हो।
- ऐसे आचार नीति के ढांचे को तैयार करने की जानकारी देना जिससे नीति निर्माता अस्थिर लोक नीति के मुद्दों का समाधान कर सके।

ikB;Øe xfrfof/k;ka] fo"k; rFkk fo'ks"krk,a

इस पाठ्यक्रम गतिविधियों में व्यावसायिक आचार नीति की संहिता, वैज्ञानिक अनुसंधान के मूल्यों, आचार नीति सिद्धांतों का परिचय, अनुभव आदान प्रदान प्रस्तुति, अनुसंधान के उत्तरदायी अनुसंधान प्रबंध, सूचना का अधिकार, बौद्धिक संपदा तथा पेटेंट, नीतिगत निर्णय लेने और समूह कार्य प्रस्तुति आदि पर व्याख्यान शामिल किए गए।

¼3½ foKku ,oa izkS|ksfxdh esa 'kklu ¼23 ls 27 flracj] 2013½

Øe la	fooj.k	dk;Z fooj.k
1.	पाठ्यक्रम का नाम	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शासन
2.	अवधि	1 सप्ताह (23 से 27 सितंबर, 2013)
3.	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	श्री जयंत सिंह, निदेशक, आपदा प्रबंधन केंद्र
4.	पाठ्यक्रम टीम के अन्य सदस्यों के नाम	डॉ0 इन्द्रजीत पाल, सह–प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन केंद श्री एन.वी. जोसफ, अनुसंधान अधिकारी आपदा प्रबंधन केन्द्र श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान एसोसिएट, आपदा प्रबंधन केंद्र
5.	प्रतिभागियों की संख्या	कुल प्रतिभागी – 15 पुरुष – 11 महिला – 4
6.	प्रतिनिधित्व करने वाले बैच	सरकारी प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकी विद
7.	कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री तेजवीर सिंह, संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अ.
8.	समापन संबोधन	श्री राजेश आर्य, उपनिदेशक (वरि0) ला.ब.शा.रा.प्र.अ.

dk;Øe dk mn'ns';

- आचार नीति के बुनियादी सिद्धांतों/नैतिक दर्शन के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी देना।
- उन्हें उन मूल्यों के बारे में समझने के लिए प्रोत्साहित करना जो लोक नीति के निर्माण तथा उसके कार्यान्वयन में मददगार हो।
- ऐसे आचार नीति के ढांचे को तैयार करने की जानकारी देना जिससे नीती निर्माता अस्थिर लोक नीति के मुद्दों का समाधान कर सके।

ikB;Øe xfrfof/k;kafo'k; rFkk fo'ks"krk,a

इस पाठ्यक्रम में सूचना का अधिकार – अधिनियम विवक्षाएं, निर्णयन, टीम भावना, विज्ञान संचार, उत्प्रेरण, समय प्रबंधन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सामाजिक दायित्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शासन – भावी परिदृश्य, विज्ञान प्रबंधक के नेतृत्व गुण, लोक नीति तथा विज्ञान आदि विषय शामिल किए गए।

Øe la	fooj.k	dk;Z fooj.k
1.	पाठ्यक्रम का नाम	ग्रामीण सोसाइटियों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
2.	अवधि	2 सप्ताह (18 से 29 नवंबर, 2013)
3.	पाठ्यक्रम समन्वयक का नाम	श्री जयंत सिंह, निदेशक, आपदा प्रबंधन केंद्र
4.	पाठ्यक्रम टीम के अन्य सदस्यों के नाम	डॉ0 इन्द्रजीत पाल, सह–प्रोफेसर, आपदा प्रबंधन केंद श्री एन.वी. जोसफ, अनुसंधान अधिकारी आपदा प्रबंधन केन्द्र श्री अभिनव वालिया, अनुसंधान एसोसिएट, आपदा प्रबंधन केंद्र
5.	प्रतिभागियों की संख्या	कुल प्रतिभागी – 16 पुरुष – 15 महिला – 1
6.	प्रतिनिधित्व करने वाले बैच	सरकारी प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकी विद
7.	कार्यक्रम का उद्घाटन	डॉ0 बी. अशोक, उपकुलपति, केरला वेटरनेरी एवं एनीमल साइंसेज यूनीवर्सिटी, तिरुवनंतपुरम, केरला
8.	समापन संबोधन	श्री राजेश आर्य, उपनिदेशक (वरि0)

dk;ZØe dk mn~ns';

- आचार नीति के बुनियादी सिद्धांतों/नैतिक दर्शन के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी देना।
- उन्हें उन मूल्यों के बारे में समझने के लिए प्रोत्साहित करना जो लोक नीति के निर्माण तथा उसके कार्यान्वयन में मददगार हो।
- ऐसे आचार नीति के ढांचे को तैयार करने की जानकारी देना जिससे निति निर्माता अस्थिर लोक नीति के मुद्दों का समाधान कर सके।

ikB~;Øe xfrfof/k;ka] fo"k; rFkk fo'ks"krk,a

इस पाठ्यक्रम गतिविधियों में व्यावसायिक आचार नीति की संहिता, वैज्ञानिक अनुसंधान के मूल्यों, आचार नीति सिद्धांतों का परिचय, अनुभव आदान प्रदान प्रस्तुति, अनुसंधान के उत्तरदायी अनुसंधान प्रबंध, सूचना का अधिकार, बौद्धिक संपदा तथा पेटेंट, नीतिगत निर्णय लेने और समूह कार्य प्रस्तुति आदि पर व्याख्यान शामिल किए गए।

izdk'ku

iqLrd@laikfnr [kaM

- ''भारत में आपदा शासन – सीरीज 1'' सम्पादक– श्री सौरभ जैन, भा0प्र0 सेवा तथा डॉ0 इन्द्रजीत पाल, प्रकाशक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केंद्र, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी (आईएसबीएन : 978–81–928670–0–7)
- ''आपदा – प्रतिक्रिया तथा प्रबंधन'' खंड–2, संस्करण–I, प्रकाशक–आपदा प्रबंधन केन्द्र, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी (आईएसएसएन : 2347–2553)
- ''भारत में आपदा शासन सिरीज–2'' संपादक – श्री सौरभ जैन, भा0प्र0 सेवा तथा डॉ0 इन्द्रजीत पाल, प्रकाशक – आपदा प्रबंधन केन्द्र, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी (आईएसबीएन : 978–81–928670–1–4)

jk"Vªh;@varjkZ"Vªh; if=dkvksa esa izdkf'kr 'kks/k ys[k

- पल, आई., तथा ए. वालिया, (2013), '' सड़क अवसंरचना में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए जियोइन्फोर्मेटिक्स का प्रयोग – 2013 में उत्तराखंड (भारत) में बाढ़ के बाद आपदा पुनःनिर्माण का अध्ययन,'' ''आपदा तथा जोखिम न्यूनीकरण संबंधी भूस्थानिक आंकड़े'' 21–22 नवम्बर, 2013, हैदराबाद, भारत'' के संबंध में आईएसपीआरएस डब्ल्यूजी VIII /1 तथा डब्ल्यू जी IV /4 का संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।
- पाल, आई तथा ए. वालिया, (2014) ''उत्तराखंड हिमालय में भू–उपयोग तथा भू आवरण परिवर्तन विश्लेषण के जरिए पर्यावरणीय जोखिम और स्थायी विकास का प्रभाव आकलन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''पर्यावरण, प्रौद्योगिकी तथा स्थायी विकास :– 2–4 मार्च, 2014 के दौरान एबीवी– इंडिया इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्वालियर, भारत में आयोजित किया जाने वाला विषय :– 21वीं सदी में वाद तथा चुनौतियां (इटीएसडी 2014)

- पाल., आई., एस. सिंह तथा ए. वालिया (2013) '' असम, भारत के बाढ़ प्रबंधन : ब्रह्मपुत्र बाढ़ 2012 की समीक्षा'', इन्टरनेशनल जॉर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशंस, खंड –3 संस्करण–10, अक्टूबर, 2013 (आईएसएसएन : 2250–3153)
- पाल. आई (2013), ''कलाउड बर्स्ट एंड फ्लैश फ्लड एट उत्तरकाशी, उत्तराखंड – 2012 का प्रकरण अध्ययन,'' डिजास्टर – रिस्पोंस एंड मैंनेजमेंट, खंड –1, नं0 1, सितम्बर, 2013 (आईएसएसएन : 2347–2553).
- वालिया ए.– I पाल तथा एस सिंह (2013), ''असम फ्लड्स 2012 – जिला बरपेटा का प्रकरण अध्ययन'', डिजास्टर – रिस्पोन्स एंड मैनेजमेंट, खंड – I सं.– I, सितंबर, 2013 (आईएसएसएन : 2347–2553).
- पाल.,आई., ऐ.के. सिंह (2013) ''डिजास्टर मैंनेजमेंट इन नामची (मुख्यालय, दक्षिण जिला) 18 सितंबर, 2011 सिक्किम अर्थक्वेक'', डिजास्टर – रिस्पोन्स एंड मैंनेजमेंट, खंड–1 सं0 1, 1 सितंबर, 2013 (आईएसएसएन : 2347–2553).
- वालिया ए., तथा आई. पाल, (2013), उत्तराखंड हिमालय भारत में सहभागी अध्ययन तथा कार्रवाई (पीएलए) के जरिए ''विलेज लेवल डिजास्टर रिस्क मैंनेजमेंट, इन्टरनेशनल जॉर्नल ऑफ साइंटिफिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, खंड – 1, संस्करण 11, पीपी. 1162–1167 नवंबर, 2013 (आईएसएसएन : 2277–1581)
- वालिया ए. तथा आई., पाल, ''रोल ऑफ सोसियल मीडिया इन मैंनेजमेंट ऑफ उत्तराखंड 2013 फ्लैश फ्लड डिजास्टर'' डिजास्टर एंड डेवलपमेंट (प्रेस में).
- पाल. आई., एस. जैन तथा ए वालिया (2014), ''डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड आईसीटी अप्लीकेशन –ए कान्सेप्चूअल फ्रेमवर्क फॉर टूरिज्म मैंनेजमेंट इन उत्तराखंड, इंडिया, इन्टरनेशनल जॉर्नल ऑफ माडर्न कम्युनिकेशन एंड रिसर्च, खंड–2, संस्करण–4, अप्रैल 2014 (आईएसएसएन : 2321–0850).
- वालिया ए. तथा आई. पाल, (2014), ''फ्लड मैंनेजमेंट इन असम : ए केस ऑफ बोंगइगांव फ्लड्स 2012'', डिजास्टर – रिस्पॉन्स

xzkeh.k v/;;u dsUnz ¼lhvkj,l½

वर्ष 1989 में, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी को ''भारत में भूमि सुधार का समसामयिक मूल्यांकन'' विषय पर अध्ययन करने का कार्य सौंपा। इस कार्य का मुख्य घटक जिला पशिक्षण अवधि के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े तथा रिपोर्टों के आधार पर भूमि सुधार का समसामयिक मूल्यांकन करना था। ग्रामीण अध्ययन एकक (वीएसयू) तथा भूमि सुधार एकक (एलआरयू) का विलय करके ग्रामीण अध्ययन केन्द्र बनाया गया था। आरंभिक कार्य के अलावा, गरीबी उन्मूलन योजनाओं के समसामयिक मूल्यांकन का कार्य भी इस केन्द्र को सौंपा गया।

वर्तमान में केन्द्र भूमि सुधार तथा गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की प्रक्रिया के बारे में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देता है जिसमें शिक्षाविदों (अकादमीशियन), प्रशासकों, कार्यकर्ताओं तथा संबंधित नागरिकों केबीच भूमि सुधार तथा गरीबी उन्मूलन पर विचारों का नियमित रूप से आदान–प्रदान करने के लिए एक मंच तैयार करके अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को जमीनी सच्चाइयों के बारे में बताया जाता है। यह केन्द्र गैर–सरकारी संगठनों के जरिए भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जनता के बीच जागरूकता भी उत्पन्न करता है। बाह्य तथा आंतरिक स्रोतों से प्रकाशित भूमि सुधार, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों, ग्रामीण सामाजार्थिक समस्याओं आदि से संबंधित कई पुस्तकें, रिपोर्टें केन्द्र के उत्कृष्ट शोध गुणवत्ता का साक्ष्य है।

**mn~ns'; **

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को ग्रामीण जीवन की वास्तविकताओं, सामाजार्थिक मुद्दों, सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं और ग्रामीण समुदायों पर इनके प्रभाव के प्रति जागरूक बनाना। केन्द्र के ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के लिए एक व्यापक प्रणाली विकसित की है और इन भ्रमण कार्यक्रमों के लिए कक्षाएं संचालित करने तथा तत्संबंधी सुविधाएं प्रदान करना इनका दायित्व है। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र ने ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की है तथा पार्टीसीपेटरी लर्निंग एंड एम्शन (पीएलए) साधनों और तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्र ने देश के 44 जिलों के 228 गांवों में चार ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए। इन रिपोर्टों का मूल्यांकन तथा प्रलेखन केन्द्र द्वारा किया जाता है।
- भूमि संबंधी मुद्दों जैसे काश्तकारी, सीमांकन, भूमि चकबंदी, भू–अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण तथा बेघर रियासती भूमि पर प्रश्नावली तैयार करना :– जिला प्रशिक्षण के दौरान भा0प्र0 सेवा के प्रशिक्षुओं को इन प्रश्नावलियों पर आधारित दो रिपोर्टों :– सामाजार्थिक रिपोर्ट तथा भूमि सुधार रिपोर्ट प्रस्तुत करना होता है। वे जिला प्रशिक्षण पुस्तिका में उल्लिखित विषयों के अनुरूप दो प्रकरण अध्ययन भी प्रस्तुत करते हैं। इन रिपोर्टों का उपयोग विभिन्न गरीबी उन्मूलन योजनाओं तथा भूमि सुधारों का आकलन करने के उद्देश्य से राज्य की रिपोर्ट तैयार करने के लिए किया जाता है।

- प्रशिक्षण सुविधा : अकादमी में राष्ट्रीय भू अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) प्रकोष्ठ कार्यरत है जो भा0प्र0 सेवा के अधिकारियों को भू अभिलेख प्रबंधन में प्रयुक्त की जाने वाली आधुनिक प्रौद्योगिकी के संबंध में जानकारी देता है। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा राज्य पदाधिकारियों को फील्ड सर्वे तथा साफ्टवेयर के समकालीन तकनीकों से समर्थित भू अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के बारे में पूर्ण रूप से सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है। इस प्रकोष्ठ का उद्‌देश्य आधुनिक तथा परिष्कृत साधनों के बारे में ज्वलंत सुझाव देना है जिसे वे अपने–अपने राज्यों में कार्यान्वित कर सके।

- प्रलेखन तथा डेटाबेस का निर्माण : प्रत्येक वर्ष यह केन्द्र बहुत अधिक मात्रा में ग्रामीण भ्रमण असाइनमेंट्स और जिला प्रशिक्षण असाइनमेंट्स प्राप्त करता है। जिनका भावी उपयोग के लिए रिकार्ड तथा प्रलेख तैयार किया जा रहा है। यह केन्द्र विभिन्न सरकारी स्रोतों से भू आबंटन, घोषित अधिशेष भूमि, भू चकबंदी तथा भू–स्वामित्व पैटर्न आदि पर सहायक डेटा भी एकत्रित करता है जिससे वृहद् डेटाबेस तैयार होता है।

- नीतिगत सुझाव : केन्द्र को थिंक टैंक के रूप में कार्य करने तथा नीतिगत उपायों में परिवर्तन करने और वितरण प्रणाली में सुधार लाने के लिए सुझाव देने का कार्य सौंपा गया है। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र को भूमि सुधारों और ग्रामीण विकास से संबंधित मुद्‌दों पर विभिन्न राज्य सरकारों को सलाहकार के रूप में कार्य करने का अधिकार दिया गया है। इसके विजन में विविधता लाते हुए हाल ही में केन्द्र ने इसके दायरे में देश में महिलाओं के अधिकार पर अध्ययन का कार्य जोड़ दिया है।

dsUnzfuns'kd dk uke & डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरिष्ठ)

xfrfof/k;ka

d- 'kks/k

I- iwjsfd, x, 'kks/k v/;;u

- मिजोरम राज्य में राजस्व प्रशासन की सुदृढ़ीकरण तथा भू–अभिलेखों का अद्यतन : तय की गई दूरियां तथा भावी चुनौतियां।
- अनुबंध खेती – लघु तथा सीमांत कृषकों के हितों की रक्षा।
- अनुबंध खेती और इसका जेंडर पर विभेदीय प्रभाव।
- ''द स्टेट्स ऑफ डिप्रेस्ड कास्ट लैंड्स इन तमिलनाडु एंड आन्ध्रप्रदेश एक अध्ययन''।
- उड़ीसा राज्य में भू अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण के कार्यान्वयन का मूल्यांकन।
- महिलाओं के संपत्ति खरीद के लिए पंजीकरण प्रभार/स्टाम्प ड्यूटी पंजीकरण में छूट।
- बिहार, केरल, पश्चिम बंगाल में डब्ल्यूएकेएफ (वक्फ) अभिलेखों का आधुनिकीकरण।
- सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन।

    i) भू अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन : भूमि और कावेरी का एकीकरण :– कर्नाटक के भू–प्रबंधन पर प्रकरण अध्ययन।

    ii) भू अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– पश्चिम बंगाल में भू–कर मानचित्र तथा संरचनात्मक डेटा के साथ उसका एकीकरण।

    iii) भू–अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– हरियाणा में एच आरएसआई, सर्वेक्षण तथा उसका नागरिकों पर प्रभाव

II. lrr 'kks/k v/;;u

- भूमि बाजारों का संचालन तथा उभरती भू उपयोग पद्धिति।
- भूमि तथा आजीवन पहलकदम :– कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश और बिहार से सीख।
- भू–स्वामित्व में जेंडर का मुद्‌दा :– वर्तमान भू–कानून की समीक्षा।
- भारत में आधुनिक भू–कर सर्वेक्षण की पुस्तिका।
- राज्यों की मौजूदा क्षमताओं की पहचान तथा राष्ट्रीय भू–अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (एनएलआरएमपी) के निष्पादन की समय सीमा का निर्धारण – एक आकलन

- भारत में विभिन्न राज्यों के ''आर एंड आर'' नितियों का मूल्यांकन।
- राष्ट्रीय भू–अभिलेख के कार्यान्वयन के संबंध में राज्यों के पुनः भ्रमण पर अध्ययन।
- सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन

  i) भू–अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– कर्नाटक की यूपीओआर परियोजना

  ii) भू–अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– महाराष्ट्र पंजीकरण शुल्क तथा स्टाम्प ड्यूटी के भुगतान में पंजीकरण का कंप्यूटरीकरण तथा नवीन पद्धति।

  iii) भू–अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– गुजरात में ईटीएस तथा जीपीएस द्वारा सर्वेक्षण तथा लीगेसी डेटा से नई डेटा का मिलान।

  iv) भू– अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– बिहार में किराया प्रणाली पर हार्डवेयर के द्वारा पंजीकरण का कंप्यूटरीकरण।

  v) भू–अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– आंध्रप्रदेश की मी–सेवा परियोजना।

  vi) भू–अभिलेख प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का प्रलेखन :– दिल्ली में एसआरओ में नागरिक सेवाओं को सुधारने के संबंध में नवीन प्रणालियां।

[k- if'k{k.k ikB;Øe

भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में ग्रामीण अध्ययन केन्द्र की भूमिका का वर्गीकरण निम्नलिखित प्रशिक्षणों में किया जा सकता हैः

I. 88oa vk/kkfjd ikB;Øe dsfy, xzkeh.k Hkze.k dk;ØZe &

88वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को ग्रामीण अध्ययन केन्द्र द्वारा कक्षीय प्रशिक्षणों तथा मॉक अभ्यास के जरिए पार्टीसिपेटरी लर्निंग एंड एक्शन (पीएलए) में प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामीण अध्ययन कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण अध्ययन केन्द्र द्वारा किया गया। इस प्रक्रिया में गांवों का चयन, जिला प्रशासनों के साथ समन्वय और सीआरएस संकाय के साथ अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का भ्रमण कार्यक्रम शामिल है। 88वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने चार राज्यों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में स्थित गांवों का भ्रमण किया। 2 से 10 नवंबर, 2013 तक ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया और सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को ग्रामीण भ्रमण पुस्तिका उपलब्ध कराया गया जिसमें ग्रामीण भ्रमण का उद्देश्य के साथ–साथ अपेक्षित परिणाम का उल्लेख किया गया है। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का मूल्यांकन केन्द्र द्वारा किया गया है तथा उनके कार्य निष्पादन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक से अलंकृत किया गया।

II. Hkk0iz0 lsok 0;kolkf;d ikB;Øe pj.k& I

ग्रामीण अध्ययन केन्द्र के संकाय सदस्यों ने भूमि तथा ग्रामीण विकास के विभिन्न मुद्दों पर भू संबंधी मॉड्यूलों कार्यक्रमों, पाठ्य सामग्रियों, कक्षा कार्यों के समन्वय तथा उनके संचालन का कार्य किया। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र ऐसे अद्यतन पाठ्य सामग्रियों को उपलब्ध कराता है जो भूमि संबंधी विषयों और भू–प्रशासन को समझने के प्रासंगिक लेखों का संग्रह है। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र स्थानीय भू राजस्व विभाग तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून के अधिकारियों की सहायता से ईटीएस तथा जीपीएफ का प्रयोग करके भू–सर्वेक्षण की पुरानी पद्धति के साथ–साथ आधुनिक प्रौद्योगिकियों के व्यवहारिक अभ्यास में भी सहायता करता है।

III. Hkk0iz0 lsok pj.k& II dsfy, xzkeh.k v/;;u dk;Øe

ग्रामीण अध्ययन केन्द्र ग्रामीण अध्ययन कार्यक्रम का संचालन करता है और इस केन्द्र के अध्ययन साधनों (पुस्तिका) का विकास किया है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजार्थिक परिस्थितियों और भूमि सुधारों के दो व्यापक पहलू शामिल है। समय के साथ सामंजस्य रखते हुए अब अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा जिले/गांव से ही ऑन लाइन रिपोर्ट भेजी जाती है। इससे अध्ययन किए गए क्षेत्र की सही तस्वीर मिलती है। तत्पश्चात इस रिपोर्टों का सीआरएस संकाय द्वारा मूल्यांकन किया जाता है और राज्य के दस्तावेज में शामिल किया जाता है जिसका प्रकाशन ग्रामीण अध्ययन केन्द्र द्वारा किया जाता है।

ग्रामीण अध्ययन केन्द्र सभी अध्ययनों का डिजिटलीकरण और उनका विश्लेषण कर रहा है जिन्हें सामाजार्थिक स्थितियों, भूमि सुधारों तथा तत्संबंधी विषयों के अध्यनों को शामिल किए जाएंगे। इसका प्रस्ताव भू–संसाधान विभाग, भारत सरकार को पहले ही भेज दिया गया है।

x- izdk'ku

I izdkf'kr iqLrd@ys[k

Øe la	iqLrd@ys[k dk 'kh"kd	o"kZ	laiknd
1.	भूमि तथा ग्रामीण अध्ययन जॉर्नल (खंड– I)	2013	डॉ0 प्रेम सिंह, भा0प्र0 सेवा डॉ0 ए.ए. फैजी,, प्रो0
2.	महिला संपत्ति क्रेता के लिए स्टांप ड्यूटी तथा पंजीकरण शुल्क में छूट – महिला अधिकारिता का एक साधन–उत्तरप्रदेश का प्रकरण	2014	डॉ0 प्रेम सिंह, भा0प्र0 सेवा डॉ0 सरोज अरोड़ा, सहायक प्रो0
3.	पंजीकरण अधिनियम 1908 का पुनर्वलोकन	2013	डॉ0 प्रेम सिंह, भा0प्र0 सेवा डॉ0 ए.ए. फैजी,, प्रो0
4.	भारत में भू–अभिलेख प्रबंधन :– भूमि सुधार की युक्ति	2014	डॉ0 ए.ए. फैजी,, प्रो0 डॉ0 एच.सी. बेहरा, सहायक प्रो0
5.	भूमि तथा ग्रामीण अध्ययन जॉर्नल (खंड– II)	2014	डॉ0 प्रेम सिंह, भा0प्र0 सेवा डॉ0 ए.ए. फैजी,, प्रो0

II vkxkeh izdk'ku

Øe la	iqLrd@ys[k dk 'kh"kd	fLFkfr
1.	पूर्वोत्तर राज्यों में भू–प्रशासन तय की गई दूरियां और भावी चुनौतियां	प्रक्रियाधीन
2.	स्वामित्वशाली जिला परिषद	प्रेस में
3.	कंक्लूसिव लैंड टाइटलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रक्रियाधीन
4.	बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल में वक्फ संपत्ति अभिलेखों का आधुनिकीकरण	प्रक्रियाधीन
5.	उत्तर भारत का ग्रामीण रूप	प्रक्रियाधीन
6.	भू–अभिलेखन प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रक्रिया का प्रलेखन	तीन प्रकरण प्रकाशक को प्रकाशन हेतु भेजे गए है।
7.	मिजोरम में भूमि प्रबंधन	प्रकाशक को प्रकाशनार्थ भेज दी गई है।

III xzkeh.k Hkkjr dk lkekftkfFkd Lo:i &fljht & III

यह केन्द्र की प्रकाशित अत्यधिक प्रशंसित प्रकाशित सिरीज है। भा0प्र0 सेवा चरण– ।। के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी घरों का सर्वेक्षण करते हैं तथा जिला प्रशिक्षण संबद्धता के दौरान ग्रामीण अध्ययन असाइनमेंट्स तैयार करते हैं। ग्रामीण अध्ययन केन्द्र इन असाइनमेंट्स का मूल्यांकन करता है और इन असाइनमेंट्स के आधार पर राज्य का दस्तावेज प्रस्तुत किया जाता है। ये संपादित दस्तावेज ग्रामीण भारत की सामाजार्थिक स्थिति के रूप में प्रकाशित किए जाते हैं।

jk"Vªh; 'kgjh izca/ku dsUnz ¼,ulh;w,e½

ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी में राष्ट्रीय शहरी प्रबंधन केन्द्र की स्थापना शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में की गई है।

एनसीयूएम को सरकार में शहरी प्रबंधक तैयार करने, स्थानीय स्वशासनों को सक्रिय संस्थान के रूप में उन्नत करने, शहरी विकास में कार्य कर रहे स्टेकहोल्डरों की क्षमता बढ़ाने में सहायता करने, शहरी को अच्छे से रहने योग्य बनाने के लिए शहरी क्षेत्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध की गुणवत्ता बढ़ाने का अधिदेश दिया गया है।

एनसीयूएम का उद्देश्य शहरी प्रबंधन तथा विकास प्रशासन में व्यावसायिकता लाने, विकेन्द्रीकरण, शहरी सुशासन प्रथाओं, नगर निगम प्रबंधन में ज्ञान, सूचना और अनुभव आदान–प्रदान करने, ज्ञान केन्द्र (नोलेज हब) के रूप में कार्य करने, सिविल सेवकों के ज्ञान तथा अनुभव का विकास करने तथा निखारने के लिए अवसर प्रदान करने हेतु एक उत्प्रेरक संस्थान के रूप में कार्य करना था।

dsUnz funs'kd dk uke ½& सुश्री निधि शर्मा

jk"Vªh; tsaMj dsUnz

राष्ट्रीय जेंडर प्रशिक्षण, योजना तथा अनुसंधान केन्द्र (राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र) की स्थापना 1993 में की गई थी तथा 1998 में सोसाइटीज एक्ट 1860 के अंतर्गत सोसाइटी के रूप में पंजीकृ–त किया गया था। राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र एक क्षमतावर्धक केन्द्र है जो अकादमी के हिस्से के रूप में कार्य करता है। केन्द्र का मुख्य उद्देश्य ग्लोबल नेटवर्क पार्टनर के साथ कार्य करना तथा सरकार में नीतिगत मामलों, कार्यक्रम निर्धारण तथा क्रियान्वयन में जेंडर तथा बाल अधिकारों को मुख्य धारा से जोड़ना है ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि जेंडर मुद्दा सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि पुरुष, महिला तथा बच्चों का समान विकास किया जा रहा है। यह केन्द्र जेंडर संबंधी योजनाओं को बनाने तथा बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रमों तथा प्रशिक्षणों के जरिए जेंडर तथा बाल अधिकार के मामलों पर प्रवेशकालीन तथा सेवाकालीन स्तर पर सिविल सेवकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। इससे प्रशिक्षणार्थी जेंडर एवं बाल अधिकारों से परिचित होते हैं ताकि सेवा में होने के बावजूद जेंडर संबंधी कार्य कर सके। अकादमी के नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा केन्द्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा सम्मेलनों से संबंधित विषय विशेष के आयोजन में एमडब्ल्यूडीसी, एनसीडब्ल्यू, एनसीपीसीआर, यूएनआईसीईएफ, यूएन–वूमेन, यूएनडीपी, यूएनएफपीए जैसी द्विपक्षीय एजेंसियों और जागोरी, मजलिस, तीस आदि जैसी सिविल सोसाइटियों तथा अकादमिक संस्थानों से संबद्ध रहता है।

dsUnz funs'kd dk uke & श्रीमती रंजना चोपड़ा, भा0प्र0 सेवा

xfrfof/k;ka

d½ 'kks/k dk;Z

tsaMj dsfo"k; ij ekWM;wy dk fodkl ½& राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र ने जेंडर के विषयों पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया जिससे इसका उपयोग न केवल ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 में एक शिक्षण पुस्तिका के रूप में किया जा सकता है बल्कि जेंडर के विषय पर प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में भी किया जा सकता है। इसमें नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम ही नहीं बल्कि यह एक अकेला ऐसा मानक मॉड्यूल है जिसमें 3–5 दिनों की कार्यशालाएं भी रखी गई है।

[k½ izf'k{k.k dk;Øe

- ''जेंडर तथा शासन'' पर दिनांक 11–20 मार्च, 2013 तक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण :– राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ने 11 से 20 मार्च तक प्रशिक्षकों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय प्रशासनिक संस्थानों और क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों में जेंडर प्रशिक्षकों के 'कोर ग्रुप' बनाने का लक्ष्य था ताकि विकास कार्यक्रमों की नीति, योजना तथा उनके कार्यान्वयन में जेंडर समानता तथा साम्यता को बढ़ाया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 9 राज्यों के 31 सरकारी पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसमें राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थानों से लेकर राज्य पंचायती संस्थान, राज्य पुलिस अकादमी, राज्य के आपदा प्रबंधन तथा प्रशासनिक संस्थान तक के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के विचार अलग–अलग थे क्योंकि जेंडर असमानता सभी जगह व्याप्त है तथा सभी पुरुष, महिला और संस्थानों को जानकारी दिए जाने की आवश्यकता हे।

- जेंडर तथा बाल अधिकार विषय पर दिनांक 18 से 22 नवंबर, 2013 तक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम : राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र, ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 ने दिनांक 18 से 22 नवंबर, 2013 तक कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली तथा यूनीसेफ के सहयोग से जेंडर तथा बाल अधिकार विषय पर अखिल भारतीय सेवाओं के लिए पांच दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें विभिन्न राज्यों क तीन अखिल भारतीय सेवाओं (भा0प्र0 सेवा –3, भा0वि0 सेवा–11, भा0पु0 सेवा – 13) के कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न अखिल सेवाओं को आपस में बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करना तथा सरकार के मुख्य धारा में जेंडर को जोड़ने की आवश्यकता के संबंध में समाधान निकालना है। कार्यक्रम में मुख्य जोर इस बात पर दिया जाना था कि अभ्यासों तथा अध्ययन सामग्रियों के जरिए कुछ मुख्य अवधारणाएं शुरू की जाए जिससे प्रतिभागियों को जेंडर तथा बाल अधिकार विषयों को विस्तार से समझने में सहायता मिल सके। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को जेंडर को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सकारात्मक कार्रवाई करने संबंधी जानकारियों तथा तत्संबंधी साधनों से लैस किया गया। पाठ्यक्रम में सीखने की दो पद्धतियां अपनायी गई और प्रतिभागियों के अनुभवों से समूह को पूरा–पूरा सहयोग और लाभ मिला।

- दिनांक 17 से 21 फरवरी, 2014 तक ''जेंडर तथा बाल अधिकार'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम : ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 ने 17 से 21 फरवरी तक गंगटोक में यूनीसेफ के सहयोग से जेंडर तथा बाल अधिकार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन में

जेंडर न्यूटरल परिवेश के संबंध में ज्यादे–से–ज्यादा जागरूक करने के प्रयास के तहत जेंडर तथा बाल अधिकारों के बारे में बातचीत करने तथा समाधान निकालने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा पूर्वोत्तर राज्यों के सरकारी अधिकारियों को जोड़ना है।

Xk½ dk;Z'kkyk,a rFkk lsehukj

- दिनांक 05 फरवरी, 2014 को बंगलोर में महिलाओं के प्रति हिंसा पर कार्यशाला : राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 ने प्रशासकों पर जीबीवी मैन्युअल के प्रारंभिक परीक्षण (पायलट टेस्ट) के लिए जेंडर आधारित हिंसा के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसे जेंडर केन्द्र द्वारा विकसित किया। यह कार्यक्रम 5 फरवरी, 2014 को बंगलौर में प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास अधिकारियों, सेवा प्रदाता संस्थानों, न्यायिक अधिवक्ताओं, पुलिस, गैर सरकारी संगठन और एटीआई, एएनएसआईआरडी तथा एसआईयूडी के कुल 235 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेंडर आधारित हिंसा की सूचना देना, जेंडर आधारित हिंसा को कम करने के लिए विकास कार्यों को प्रोत्साहित करना और जेंडर आधारित हिंसा का समाधान करने के लिए विभिन्न सरकारी स्कंधों के बीच प्रभावी समन्वयन करना तथा ऐसी अवसंरचना का पता लगाना जो जेंडर आधारित हिंसा के अनुकूल हो।

- दिनांक 07 फरवरी, 2014 को एमजीएसआईपीए, चंडीगढ़ में जेंडर आधारित हिंसा पर पंचायती राज अधिकारियों के लिए कार्यशाला :– राष्ट्रीय जेंडर केन्द्र ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 ने पंचायती राज अधिकारियों के लिए जीबीवी मैन्युअल के पायलट परीक्षण के लिए जेंडर आधारित हिंसा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसे जेंडर केन्द्र द्वारा विकसित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन 07 फरवरी, 2014 को महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, चंडीगढ़ के सहयोग से किया गया था। कार्यक्रम में पंजाब से कुल 22 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायती राज संस्थानों के अधिकारियों को परस्पर बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करना और महिलाओं के प्रति हिंसा संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने की आवश्यकता थी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेंडर आधारित हिंसा की सूचना देना, जेंडर आधारित हिंसा को कम करने के लिए विकास कार्यों को प्रोत्साहित करना तथा जेंडर आधारित हिंसा का हल निकालने के लिए विभिन्न सरकारी स्कंधों के बीच प्रभावी समन्वयन करना ताकि ऐसी अवसंरचना का पता लगाना जो जेंडर आधार हिंसा के अनुकूल हो।

?k½ izdk'ku % ''जेंडर आधारित हिंसा'' पर प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया गया तथा इसका पायलट परीक्षण किया गया।

da;wVj dsUnz

lwpuk rFkk lapkj izkS|ksfxdh@bZ&'kklu dsigy dne

केन्द्र ने वर्ष 2013–14 के दौरान निम्नलिखित कार्य निष्पादित किए :–

ekStwnk da;wVj dh lqfo/kkvksadk foLrkj rFkk lqn<hdj.k

- केन्द्र ने ई–ऑफिस, एलबीएसएनएए वेबसाइट, चिकित्सा केन्द्र के लिए सीजीएचएस साफ्टवेयर (सरगम), जीआईएस वेब अनुप्रयोग तथा अत्याधुनिक लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) के लिए ई–लर्निंग कोर्स रिपॉजिटरी साफ्टवेयर संस्थापित किए। वायर्ड एलएएन तथा वाईफाई के जरिए एलएएन में संपूर्ण कार्यालय परिषद् कक्षाएं सम्मेलन कक्ष, छात्रावास तथा आवासों को जोड़ा गया। ई–ऑफिस तथा ईआरपी साफ्टवेयर को लागू करने ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 कागजी कार्य रहित कार्य की अवधारणा की ओर अग्रसर हुई है। कंप्यूटर केंद्र ने एमसीटीपी पाठ्यक्रम तथा दूसरे प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रतिभागियों को आवश्यकता के आधार पर लैपटॉप उपलब्ध कराए। केन्द्र ने विभिन्न स्रोतों तथा बैठकों के आयोजन के लिए वीडियों कॉन्फ्रेसिंग सुविधा भी दी है। सभी कार्यकारी छात्रावासों तथा अतिथि गृहों को केन्द्रीयकृत कार्ड आधारित प्रिंटरों को सुसज्जित किया गया, अधिकारियों को प्रिंटिंग के लिए स्मार्ट कार्ड का उपयोग करना होता है।

- कंप्यूटर केन्द्र के परिसर के भीतर सभी सेवाओं के लिए डाटा केन्द्र स्थापित किया। कंप्यूटर केन्द्र नियमित आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी उपस्करों तथा सभी कर्मचारियों के बाह्य उपकरणों का अद्यतन करता है। विभिन्न स्थानों में संस्थापित सभी आईटी उपस्कर नवीनतम कंफिगरेशन वाले हैं।

- कंप्यूटर केन्द्र ला0ब0शा0रा0प्र0अ0 के कर्मचारियों को नियमित आधार पर शुरू किए जा रहे नए अनुप्रयोगों के प्रयोग के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

v/;k; **5**

क्लब और सोसाइटियां

प्रशिक्षणार्थियों को उनकी रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए समृद्ध एवं विविध परिसरीय जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अधिकारी प्रशिक्षणार्थी विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों के कार्य में व्यस्त रहते हैं। वर्ष के दौरान इन क्लबों तथा सोसाइटियों की गतिविधियों का ब्योरा निम्नानुसार है :–

lkgfld [ksydwn Dyc

funs'kd ukfefr dk uke %& डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक (वरिष्ठ)

inkf/kdkjh %&

i) श्री आदित्य नेगी, ओटी कोड बी–15 – सचिव (निर्वाचित)

ii) सुश्री चांदनी सिंह, ओटी कोड सी – 8 सदस्य (नामित)

iii) श्री राग हर्षद गवली, ओ कोड ए–66 सदस्य (नामित)

iv) श्री चंद्रशेखर एल. नायक, ओटी कोड – बी– 62

xfrfof/k;ka%&

ikB~;Øe	xfrfof/k	izfrHkkfx;ksa dh la[;k	frfFk;ka
88वां आधारित पाठ्यक्रम	ऋषिकेश बंगी जंपिंग	60 अधिकारी प्रशिक्षणार्थी	30–11–2013
	जंगल सफारी	सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी	07–12–2013
भा0प्र0 सेवा चरण–II (2013)	धनोल्टी तक साइक्लिंग (70 कि.मी.)	04 अधिकारी प्रशिक्षणार्थी	03–08–2013
	रीवर राफ्टिंग	60 अधिकारी प्रशिक्षणार्थी	24–08–2014
	रीवर राफ्टिंग	72 अधिकारी प्रशिक्षणार्थी	07–06–2014
भा0प्र0 सेवा चरण–II	साइक्लिंग / जॉर्ज एवरेस्ट	15 प्रतिभागी	24–08–2014
	क्लाउड इंड तक साइक्लिंग	20 प्रतिभागी	24–08–2014

vyEukbZ ,lksf'k,lu

अलम्नाई एसोशिएसन ने अकादमी वेबसाइट पर अलम्नाई कॉर्नर ूण्सइेंसनउदपण्हवअण्पद आरंभ किया है। वेबसाइट डिजाइन करने का कार्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने कंप्यूटर अनुभाग की सहायता से स्वयं किया।

dEI;wVj lkslkbVh dk;Øe

वर्ष 2013–14 के दौरान कंप्यूटर सोसाइटी, ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी, मसूरी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का अयोजन किया :–

- भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2011 बैच) के दौरान, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए ऑन–लाइन बिजनेस गेम आयोजित किया गया।
- कंप्यूटर सोसाइटी कार्यक्रम – 88वां आ0पा0

- कंप्यूटर सोसाइटी ने 88वें आ0पा0 में अकादमी परिसर में विद्यमान प्रणाली की समीक्षा की। इसमें निम्नलिखित कार्य प्रणालियों की समीक्षा की गई।

    क) अस्पताल प्रबंधन प्रणाली

    ख) ला0ब0शा0रा0प्र0 अकादमी वेबसाइट

    ग) सरगम

    घ) अतिथि प्रबंधन प्रणाली

समीक्षा में कार्य–प्रणालियों का निष्पादन उसकी उपयोगिता तथा विद्यमान कमियों की समीक्षा की गई। इन प्रणालियों में पायी गई कमियों के बारे में प्रणाली विकसित करने वाली टीम को सूचित किया जिनके बाद में निस्तारण (रिलीज) की योजना बनाई गई अंतराल को विकास टीम को भेज दिया गया जिससे उनके आगामी निवारण को नियोजित किया गया।

- नवंबर माह में अधि0 प्रशि0 के लिए आईसीटी नवाचार प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन अध्यापक अनुपस्थिति, स्वास्थ्य सेवा सुधार आदि जैसे वास्तविक समस्याओं के समाधान में आईसीटी का प्रयोग करने के लिए उन्हें शामिल करके अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के बीच आईसीटी जागरूकता लाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अधि0 प्रशि0 ने ग्रामीण अध्ययन भ्रमण के दौरान संग्रहीत डाटा का उपयोग किया। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा सामाना की जा रही समस्याओं को उठाया तथा आईसीटी का प्रयोग करके इसके समाधान का प्रस्ताव रखा। इस कार्यक्रम में मयूर दीक्षित, शशांक – सृजन तथा सूरज कुमार ने पुरस्कार जीते।

- भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। (2013 बैच) के दौरान केंद्रीय विद्यालय, ला0ब0शा0रा0प्र0अ0, मसूरी तथा केंद्रीय तिब्बती विद्यालय, मसूरी के कक्षा X और XII के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर कक्षाओं का आयोजन किया गया।

fQYe lkslkbVh

वर्ष 2013–14 के दौरान आधारिक पाठ्यक्रम, भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I, III एवं V के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए सामाजिक मुद्दों के विभिन्न विषयों पर कुल 66 फिल्में दिखाई गई। प्रदर्शित फिल्मों में दर्शकों की विविध रुचियों वाली फिल्में थी।

vfHk#fp Dyc

funs'kd ukfefr dk uke %& श्री दुष्यंत नरियाला, संयुक्त निदेशक

inkf/kdkjh

vk0ik0 % श्री सुनील कुमार वर्मा, सचिव
श्री दिनेश कुमार, ए.एस., सदस्य
सुश्री स्तुती चरण, सदस्य

pj.k & I सुश्री हरिता वी. कुमार, सचिव
श्री कैलाश कार्तिक एन, सदस्य
श्री सृजन जी, सदस्य
श्री हर्षिता माथुर, सदस्य
श्री आशीष गुप्ता, सदस्य

pj.k & II श्री अरुण कुमार एस. केमभवी, सचिव
श्री आशीष सुरेश ठाकरे, सदस्य
सुश्री सिंधू बी, सदस्य

xfrfof/k;ka

अभिरुचि क्लब का संचालन आधारिक पाठ्यक्रम, भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– ८ तथा चरण–प्प प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के निर्वाचित समूह द्वारा किया जाता है। यह समूह निदेशक नामिति के दिशा निर्देश में क्लब की विभिन्न गतिविधियों की देख–रेख करता है। अभिरुचि क्लब अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में अभिरुचियों में विकास करने का इच्छुक होता है। वर्ष के दौरान अभिरुचि क्लब ने अपने

उद्देश्य की पूर्ति के लिए सामान्य प्रश्नोत्तरी, कवि सम्मेलन तथा स्केटिंग प्रतियोगिता संचालित की। इसके अलावा, क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए नृत्य कक्षाएं भी संचालित की।

yfyr dyk ,lksf'k,lu

funs'kd ukfefr dk uke % श्रीमती रंजना चोपड़ा, संयुक्त निदेशक

inkf/kdkjh %

vk0 ik0 % श्री एल्बी जॉन, सचिव

pj.k & I श्री एल्बी जॉन, सचिव

pj.k & II श्री विष्णु वी, सचिव

xfrfof/k;ka

- **vk/kkfjd ikB;Øe**

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपनी सृजनशीलता उजागर करने के लिए सीजीएम के आधार पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सोसाइटी ने ए.के. सिन्हा स्मृति एकांकी नाटक का भी संचालन किया जिससे उन्हें अपने आप को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला। सोसाइटी ने कराओक नाइट्स, डी.जे. नाइट्स का भी नियमित रूप से संचालन किया।

- **pj.k & I**

ललित कला सोसाइटी ने अकादमी में साल्सा शिक्षा शुरू करने की पहल की जिसमें लगभग 50 अधि0प्रशि0 पंजीकृत किए गए। सप्ताह में दो बार कक्षाओं का आयोजन किया गया तथा अधि0 प्रशि0 ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। सोसाईटी 'संगम' – इंटर सर्विस मीट के आयोजन में भी सबसे आगे रही। इस 'मीट' के एक हिस्से के रूप में, सोसाइटी ने नौ सिविल सेवा अकादमियों की प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत अभिनय पुरस्कार की विजेता भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा की सुश्री अमिता जयाराम रही। सर्वश्रेष्ठ समूह नृत्य कार्यक्रम में एनएसीईएन का नृत्य प्रदर्शन तथा सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी अकादमी का पुरस्कार एनएडीटी को दिया गया। कार्यक्रम समापन के ठीक पहले ललित कला क्लब ने फ्लैश मॉब का आयाजन किया था जिसमें भाग लेने वाले सभी अकादमियों आश्चर्यचकित किया।

ललित कला क्लब का सबसे सफल कार्यक्रम एक शाम किशोर कुमार एवं मोहम्मद रफी के नाम रहा तथा इसमें अधि0 प्रशि0 और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सोसाइटी ने संगीत कक्ष को एक नया जीवन दिया जब उन्होंने खराब हालत में पड़े सभी संगीत उपकरणों (100 गिटार और तबले की मरम्मत की गई) की मरम्मत करने का निश्चय किया। ललित कला क्लब ने अधि0 प्रशि0 लाउंज में नियमित डीजे तथा कराओक नाइट्स का भी आयोजन किया, जिसमें अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के नृत्य एवं गायन कौशल का पता चला। सोसाइटी ने आंचलिक दिवस के रूप में सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया चरण – I के समापन कार्यक्रम पर अकादमी गान एवं नए डिजिटल फार्मेट में सुधार की पहल की गई। ललित कला सोसाइटी ने अकादमी के बारे में एक विडियों भी तैयार किया।

ललित कला क्लब ने गंगा हॉस्टल दूसरे तल के अधि0 प्रशि0 लाउंज को भी विषय आधारित सजावट करके नया रूप प्रदान किया। हैप्पी वैली में अभिरुचि एवं अधिकारी क्लब के सहयोग से भव्य होली उत्सव के साथ अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अभिरुचि क्लब के सहयोग से साहित्य चर्चा बैठकें भी आयोजित की गई। सोसाइटी ने अकादमी में स्पिक मेके कार्यक्रम का भी समर्थन किया।

- **pj.k & II**

ललित कला सोसाइटी ने कराओक तथा डी.जे. नाइट, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, ग्राफिटी आर्ट, ग्राफिटी ऑन कैनवस थिएटर कार्यशाला और चरण – II पाठ्यक्रम के अंतिम दिन, अंतिम सांस्कृ–तिक कार्यक्रम :– 'फिर मिलेंगे' शुरू किया।

xg if=dk lksl kbVh

funs'kd ukfefr dk uke %& श्रीमती निधि शर्मा

inkf/kdkjh

vk0 ik0 % अतुल अ

pj.k & I प्रियंक मिश्रा

pj.k & II हेफसिबा रानी कोर्लापति

इस सोसाइटी के संचालन के लिए इसका एक सचिव तथा तीन सदस्य होते है। इसका सचिव ही इस सोसाइटी के समस्त कार्यकलापों का समन्वयक होता है।

mn~ns'; &

- सृजनात्मक लेखन द्वारा शैक्षिक क्रियाकलापों को प्रोत्साहन देना
- स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा एक–दूसरे से वार्ता हेतु मंच प्रदान करना
- पत्रकारिता की संपादकीय तथा अन्य संबंधित दक्षताओं का विकास करना।
- छिपी प्रतिभाओं और कार्टून कला का विकास करना।

xfrfof/k;ka&

गृह पत्रिका सोसाइटी ने मासिक न्यूजलेटर 'द एकेडमी' संकलित किया। 'द एकेडमी' में अकादमी तथा इससे संबद्ध केंद्रों के विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यशालाओं के विषय में स्थान दिया गया। इसमें अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अल्मनाई को अपनी सृजनात्मक तथा साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया गया। इसके अलावा, गृह पत्रिका सोसाइटी ने पाठ्यक्रमों के अंत में ए बैच पिक्चर डायरेक्टरी भी प्रकाशित की है।

izca/k eaMy

funs'kd uhfefr dk uke ½ & प्रो0 राम कुमार कांकाणी

inkf/kdkjh

vk0 ik0 श्री शान मोहन एस. (सचिव), श्री मयूर दीक्षित, श्री शानसंका कोंडुरू, सुश्री अंकिता चक्रवर्ती तथा श्री मयंक अग्रवाल

pj.k & I श्री शान मोहन एस. (सचिव), मयूर दीक्षित, श्री शानसंका कोंडुरू, सुश्री अंकिता चक्रवर्ती तथा श्री मयंक अग्रवाल

pj.k & II श्री के. थवासीलन (सचिव), सुश्री नेहा प्रकाश, श्री धीरेन्द्र खडगता, श्री नितेश पाटिल तथा श्री श्रीधर पी.एन.

xfrfof/k;ka

प्रबंध मंडल ने ''प्रबंधन'' को कक्षाओं में निर्धारित सैद्धांतिक फाउंडेशन के आधार पर और अधिक व्यावहारिक एवं अनुप्रयोन्मुख बनाने पर ध्यान दिया इसमें कई तरह की गतिविधियां आयोजित की गई जिसमें अधि0प्रशि0 अपनी प्रबंधकीय कौशलता का उपयोग कर सकें। आ0 प्रशि0, चरण – I तथा चरण – II के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार है :– (क) Beer game : एक ऐसा गेम है जिसमें अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सप्लाई चेन मैनेजमेंट की पेचीदगियों से गुजरना तथा उसे समझना होता है। (ख) Management circle Quiz : एक नियमित विशेषता जिसमें चुनौतिपूर्ण प्रश्नों का हल निकालने के लिए मस्तिक का उपयोग किया जाता है। Play the game : विश्लेषणात्मक एवं बौद्धिक कौशलता की जांच के लिए तैयार की गई प्रतियोगिता, (iv) : 'Lost at sea' Game:- रणनीति योजना कौशल के साथ अंतः कौशलताओं ठोस दक्षताओं, टीम कार्य तथा कार्य प्रबंध कौशल के मूल्यांकन के लिए बनाया गया सतत अनुकरण (v) Ice Breaking: मंडल ने इस सत्र को इंटर – सर्विस मीट के रूप में समन्वय किया जिसमें विभिन्न संवाओं से लगभग 300 प्रतिभागी शामिल थे। इसकी रूपरेखा काल्पनिक अखिल भारतीय सेवा – भारतीय खेल सेवा के लिए मार्केटिंग कंपेन की धारणा पर आधारित थी। (vi) War room : यह कार्यक्रम इंटर सर्विस मीटके प्रमुख कार्यक्रम में से एक था। यह एक टीम गेम था जहां टीमों को प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने की रणनीति बनानी थी, Be the Wolf : इस खेल में प्रतिद्वंद्वी की रणनीति का मूल्यांकन करना एवं विजयी योजना तैयार करना था, (viii) Weekly Teasers : अधि0 प्रशि0 को लंच ब्रेक के दौरान ब्रेन टीजर दिया जाता था, (ix) Best Practiecs Governance Portal: इस पोर्टल में भारतीय लोक प्रशासन में नवाचार विषय रखे गए थे, (x) career options Handbook : इसमें अधि0 प्रशि0 के लिए उपलब्ध उच्च शिक्षा के विकल्पों का सारांश तैयार किया गया था। ये सभी कार्यक्रम उपयोगी होने के अलावा मुख्य रूप से मनोरंजक थे तथा विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

izÑfr izseh Dyc

प्रकृति प्रेमी क्लब ने मुख्य पाठ्यक्रमों अर्थात भा0प्र0 सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I, चरण–II तथा 88वां आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान सक्रियता से कार्य किया। क्लब ने कई गतिविधियां आयोजित की तथा उनमें से कुछ का ब्योरा निम्न प्रकार हैं :

- अकादमी में आईएफओएस परिवीक्षार्थियों के भ्रमण कार्यक्रम के लिए ''प्रकृति'' नामक शीर्षक से चित्र प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- विचार विनिमय एवं चर्चा हेतु हिमालय, देहरादून के एक्शन एंड रिसर्च फॉर कंजर्वेशन से पक्षी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।
- अकादमी परिसर में पक्षियों के दो घोंसले रखे गए।

- "Census of Trees" पुस्तक का प्रकाशन किया गया।
- फोटोग्राफी प्रतियोगिता – वनस्पति, जीव, पहाड़, जल, काया तथा अन्य प्राकृतिक दृश्यों के विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- अकादमी द्वारा Earth Hour मनाया गया।

vf/kdkjh Dyc

अधिकारी क्लब अपने सदस्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों, चरण–प्ट, चरण– प्प् पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों, संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को बाह्य और आंतरिक खेलकूद की सुविधाएं प्रदान करता है। बाह्य खेलकूद में टेनिस, बास्केट बाल, वॉली बाल, क्रिकेट, फुटबाल, इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की जाती है और आंतरिक खेलकूद में बिलियर्ड्स, कैरम, शतरंज, ब्रिज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश तथा बैडमिंटन शामिल हैं। क्लब में सुसज्जित जिम्नाजियम भी मौजूद है। इस वर्ष के दौरान क्लब ने कई क्रियाकलाप आयोजित किए, जिनका पाठ्यक्रमवार विवरण निम्नवत् हैः

88oka vk/kkfjd ikB~;Øe

- पाठ्यक्रम के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, स्क्वैश, स्नूकर, कैरम इत्यादि की खुली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान समूहवार वालीबाल, फुटबाल, बास्केट बाल तथा क्रिकेट के टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया।
- 88वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए 16.11.2013 से 17.11.2013 को पोलो ग्राउंड में एथलीटिक मीट आयोजित की गई।
- 88वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय सदस्यों के लिए 3 दिसंबर, 2012को क्रॉस कंट्री दौड़ भी आयोजित की गई।
- व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I, चरण–II तथा 88वें आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान, क्लब ने टेनिस, बैडमिन्टन, बास्केट बाल, फुटबाल तथा बिलियर्ड्स के लिए कोचिंग का भी आयोजन किया।

Hkk-iz-lsok] O;kolkf;d ikB~;Øe] pj.k & A ¼2013 cSp½

1. भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण– I, 2013 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए निम्नलिखित खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं–

i.	बैडमिंटन	–	पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
ii.	टेनिस	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
iii.	टेबल टेनिस	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल, महिला एकल
iv.	कैरम	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
v.	शतरंज	–	पुरुष एकल
vi.	स्क्वैश	–	पुरुष एकल
vii.	बिलियर्ड्स	–	पुरुष एकल
viii.	स्नूकर	–	पुरुष एकल

2. उपर्युक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित टीम स्पर्धाएं भी आयोजित की–

   (i) वालीबाल

   (ii) क्रिकेट

3. अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन की प्रतियोगिता आयोजित की।
4. अधिकारी क्लब ने चरण– I अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा चरण– प्ट पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच एलपीएल क्रिकेट लीग प्रतियोगिता आयोजित की।
5. चरण– I बनाम चरण–IV – स्क्वैश, टेनिस, बैडमिंटन मैंच – 16.03.2012

vf/kdkjh Dyc us laxe ehV dsnk[kjku fuEufyf[kr ckg'; [ksy&dwn dk vk;kstu fd;k

1. वॉलीबॉल
2. बास्केट बॉल
3. बैडमिंटन

Hkk-iz-lsok] 0;kolkf;d ikB;Øe] pj.k &II] ¼2011&2013 cSp½

1. चरण– II के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस वॉलीबॉल तथा स्क्वैश इत्यादि की खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित की गई।
2. अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन की प्रतियोगिताएं आयोजित की।

vf/kdkjh esl

funs'kd ukfefr dk uke % श्री जयंत सिंह / श्री सौरभ जैन / श्री मनस्वी कुमार

inkf/kdkjh

vk0 ik0 % डॉ0 जितेंद्र गुप्ता (अध्यक्ष)

pj.k & I श्री संदीप जीआर (अध्यक्ष)

pj.k & II श्री चंद्र शेखर सखमुरी (अध्यक्ष)

xfrfof/k;ka

अधिकारी मेस कर्मशिला, ज्ञानशिला तथा इंदिरा भवन परिसर में लगभग 500 लोगों की सेवा करता है। अधिकारी मेस प्रतिभागियों को इस राष्ट्र के कोने–कोने के विभिन्न व्यंजन (मेस में तैयार की हुई) परोसता है। अधिकारी मेस ए.एन.झा प्लाजा कैफे. कार्यकारी छात्रावासों के केफेटेरिया, अधिकारी प्रशिक्षणार्थी छात्रावासों तथा हैप्पी वैली के खेल परिसरों में अपनी सेवा प्रदान करता है। अधिकारी मेस बेकरी के द्वारा भी अपनी सेवाएं देता है।

अधिकारी मेस ने नए अकादमिक ब्लॉक से जुड़े किचन डिशवॉश स्थान का विस्तार किया है तथा नए किचन उपस्करों से सुसज्जित किया है। इंदिरा भवन मेस के रसोई का नया फर्श लगवाकर पूरी तरह से नवीकरण किया गया है। अब उच्च स्तरीय स्वच्छतापूर्ण साफ–सफाई और उच्च गुणवत्ता के भोजन पर जोर दिया जाता है।कुक तथा बेकरों को फूड क्राफ्ट संस्थान, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, होशियारपुर, पंजाब में प्रशिक्षित किया गया है। वेटरों तथा बैरों को पर्यवेक्षकों द्वारा तैयार किया गया है। सभी मेस कर्मचारियों की नियमित रूप से चिकित्सा जांच की जाती है अधिकारी मेस सर्विस के अतिरिक्त सॉविनयर शॉप तथा अधिकारी मेस क्लब बार का संचालन कर रहा है। मेस स्टाफ के लिए समग्र मेस कर्मचारी जीवन बीमा, ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) कवरेज से कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा जैसी कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई है। सभी मेस स्टाफ के लिए विभिन्न श्रेणियों में संस्थान का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार जैसी प्रेरक योजनाएं चलाई जाती है। स्थायी एवं अस्थायी स्टाफ के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना जैसे भावी प्रस्तावों पर कार्यवाही की जा रही है और ग्रुप ग्रेच्यूटी योजना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

lekt lsok lkslkbVh

समाज सेवा सोसाइटी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी की अपनी आंतरिक सोसाइटी है जिसके संचालन के लिए प्रत्येक वर्ष अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को चुना जाता है। यह सोसाइटी निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी तथा निदेशक नामिती के निर्देशन में न केवल अकादमी कर्मचारियों बल्कि आस–पास के स्थानीय लोगों के लिए भी अनेकों कल्याणकारी कार्यक्रमों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस वर्ष समाज सेवा सोसाइटी के लिए 2012 बैच (सितंबर 2013 से मई 2014) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया :

- **yfyrk 'kkL=h ckyokMh Ldwy rFkk fu%'kqYd gksE;ksiSfFkd vkS'k/kky; dk lapkyu %** समाज सेवा सोसाइटी कर्मचारियों के बच्चों के लिएस्वयं द्वारा बालवाड़ी स्कूल चलाती है तथा स्टाफ तथा स्थानीय लोगों के लिए निःशुल्क होम्योपैथिक औषधालय का संचालन करती है।
- **jDr nku f'kfoj %** समाज सेवा सोसाइटी ने दून अस्पताल, देहरादून के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 37 लोगों ने रक्त दान किया।

- lkIrkfgd LokLF; tkap & mipkj ¼ सामुदायिक केंद्र में हर गुरूवार को साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन किया जाता था। प्रत्येक सप्ताह सामान्य बीमारी से पीड़ित औसतन 45 मरीजों की जांच की जाती थी। तीन माह की अवधि में लगभग 500 मरीजों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।
- onhZ forj.k ¼ सोसाईटी ने यह पाया कि स्कूलों में कम उपस्थिति का मुख्य कारण विद्यार्थियों के पास उचित गरम कपड़ों की कमी होना था। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी ने निम्न कदम उठाए :–

स्वेटर/पुलोवर वितरण की संख्या	–	61 छात्र
पूर्ण वर्दी	–	20 छात्र
वर्दी एवं स्वेटर वितरण	–	118 छात्र

- Nk=ofÙk forj.k ¼ सोसाइटी ने 40 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की।
- vkbZVh dkS'ky rFkk izf'k{k.k ¼ वर्ष 2013 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने कक्षा VI से X तक के छात्रों को कंप्यूटर बेसिक कौशल की जानकारी प्रदान की।
- iqLrd ,oa LVs'kujh forj.k ¼ सोसाइटी ने बालवाड़ी के सभी छात्रों को निःशुल्क किताबें एवं स्टेशनरी भी प्रदान की।
- foÙkh; lgk;rk iznku djuk ¼ सोसाइटी ने मेस कर्मचारियों की चिकित्सा व्ययों की पूर्ति के लिए 20,200 रु. की सहायता प्रदान की तथा प्राथमिक छात्रों को उनके पारिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर 42,200 रु. शुल्क के रूप में सहयोग दिया। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 1,00,000 रु. प्रदान किए।

इसके अलावा सोसाइटी ने पिछले कार्यों को आगे बढ़ाया तथा निम्नलिखित कदम उठाए :–

¼d½ dfj;j ijke'kZ ¼ सोसाइटी ने कक्षा IX से XII तक के छात्रों में ऐसे अनेक अवसरों का लाभ उठाने के संबंध में कैरियर काउंसिलिंग सेवा आरंभ की जो वे कर सकते हैं। इस वर्ष केंद्रीय विद्यालय, सीजेएम हैम्पटन कोर्ट, केंद्रीय तिब्बती स्कूलों को शामिल किया गया।

¼[k½ /kweziku fu"ks/k l= ¼ केंद्रीय तिब्बती स्कूल, मसूरी में एक धूम्रपान निषेध सत्र का आयोजन किया गया।

¼x½ fo|ky; ds fy, volajpukRed lgk;rk ¼ बालवाड़ी स्कूल के निर्माण को मंजूरी दी गई विद्यालय के फर्श को फिर से बनाया गया तथा मध्याह्न भोजन योजना के लिए बर्तन तथा कैमरों की खरीद के लिए धन इकट्ठा किया गया।

¼?k½ /ku tqVkuk ¼ धन जुटाने के लिए, सोसाइटी ने 2013 बैच को स्वैच्छिक दान के लिए प्रोत्साहित किया उदारता से किए गए अंशदान से 99,800 रु की राशि प्राप्त हुई। यह कार्य पैम्लेट्स तैयार करके किया गया।

¼M-½ LokLF; tkap f'kfoj ¼ सोसाइटी ने बालवाड़ी तथा अकादमी के मुख्य गेट के पास प्राथमिक विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया 100 से ज्यादा छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा दवाइयां दी गई।

gSe jsfM;ks Dyc

सभी प्रकार की प्रौद्योगिक उन्नतियों के बावजूद, गैर–व्यावसायिक रेडियो (हैम), आपातकालीन परिस्थितियों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है। जैसा कि हाल के कुछ बड़ी त्रासदियों में, यथा– उड़ीसा का भयानक चक्रवात, 2001 की गुजरात भूकंप त्रासदी, तथा सुनामी के समय, जब सभी संचार सेवाएं ठप पड़ गईं थी, तो हैम रेडियो ही राहत और बचाव कार्य हेतु संचार का एकमात्र साधन बच गई थी।

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी के आपदा प्रबंध केंद्र में, किसी प्रकार की आपदा के प्रभावी प्रबंध का प्रशिक्षण देने हेतु हैम रेडियो क्लब की स्थापना की गई है। इस केंद्र के लक्ष्य भागीदार हैं– अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं के समूह 'क' सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी। वर्तमान में, यह केंद्र, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा स्थानीय स्वयंसेवकों को क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत हैम रेडियो का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

v/;k; **6**

लेखा अनुभाग

yk0c0'kk0jk0iz0 vdkneh] ys[kk vuqHkkx

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी का बजट आबंटन ''मांग सं0 – 73–कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत किया जाता है। बजट प्रावधान में स्थापना से संबंधित व्यय गैर–योजना (राजस्व), अवसंरचना से संबंधित योजना व्यय (राजस्व), तथा योजना (पूंजीगत) व्यय शामिल है। बजट आबंटन अकादमी विभिन्न मुख्य गतिविधियों के लिए किया जाता है जिसमें आधारिक पाठ्यक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। योजना पूंजी तथा योजना राजस्व के अंतर्गत बजट का आबंटन ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में अवसंरचना कार्य तथा आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन के लिए किया जाता है।

वर्ष 2011–12, 2012–13 तथा 2013–14 के वास्तविक और चालू वर्ष 2014–15 के बजट आबंटन का ब्योरा नीचे दिया गया है।

Øe la		okLrfod 0;;			Budget Alloc--ated 2014-15
		2011-12	2012-13	2013-14	
	x|j ;kstuk jktLo				
1	वेतन	96445	102498	109972	116600
2	मजदूरियां	7722	9980	7989	11000
3	समयोपरि भत्ता	383	185	106	350
4	चिकित्सा उपचार	2778	2500	2600	3000
5	घरेलू यात्रा व्यय	3474	2730	2500	3850
6	विदेश यात्रा व्यय	NA	332	163	1000
7	कार्यालय व्यय	49992	55020	49911	58000
8	किराया, दर तथा कर	1036	1309	1320	1320
9	प्रकाशन	94	39	100	328
10	अन्य प्रशासनिक व्यय	62	50	60	150
11	लघु कार्य	995	1000	.	1000
12	व्यावसायिक सेवाएं	35177	36800	59725	67000
13	अनुदान सहायता	500	500	450	500
14	अन्य प्रकार	2656	2700	4000	3962
	foHkkxh; daVhu				
15	वेतन	1585	1587	1595	2000
16	समयोपरि भत्ता	47	22	1	50
17	चिकित्सा उपचार	178	47	135	150
	lwpuk izkS|ksfxdh				

18	अन्य प्रकार (सूचना प्रौद्योगिकी)	499	498	450	600
	feM dfj;j if'k{k.k dk;Øe				
19	व्यावसायिक सेवाएं	177220	158376	159457	180000
	dqy ¼x|j ;kstuk½	380843	376173	400534	450860
20	;kstuk jktLo	54769	20000	181165	200000
21	;kstuk iwath	253203	80007	294830	376000

v/;k; **7**

पुस्तकालय सुविधाएं

xka/kh Lef`r iqLrdky; dh xfrfof/k;ka rFkk miyfC/k;ka

अकादमी के पास सुसज्जित पुस्तकालय है। अकादमी पुस्तकालय नैसर्गिक सौंदर्य के बीच स्थित है जहां से भव्य हिमालय का मनोरम दृश्य दिखाई पड़ता है और प्रकृति से जुड़ाव का अनंत भाव उत्पन्न होता है। गांधी स्मृति पुस्तकालय महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया है। यह पुस्तकालय कंप्यूटरीकृत तथा पुस्तकालय की सभी पुस्तक सूची ऑनलाइन है।

पुस्तकालय पुस्तक/सीडी/डीवीडी में आरएफआईडी हंग लगाए गए पुस्तकालय पटल का उपयोग किए बिना पाठकों (यूजर्स) द्वारा पुस्तकों के निर्गमन, नवीनीकरण तथा वापिसयों के लिए पुस्तकाल पटल (लाइब्रेरी काउन्टर) पर आरएफआईडी स्व–निर्गमन/स्व–वापसी कियोस्क संस्थापित किए गए हैं। अकादमी मुख्य परिसर के कर्मशिला भवन के प्रवेश स्थल पर तथा इंदिरा भवन में आरएफआई डी बुक ड्रॉप कियोस्क लगाए गए है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय में आए बिना पुस्तक वापसी के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध है।

iqLrd lalk/ku

गांधी स्मृति पुस्तक अध्ययन संस्थानों से भरा पड़ा है जिसमें 1.65 लाख आरएफआईडी टैग लगी पुस्तकें तथा बॉड वोल्यूम, जॉर्न, 8000 सीडी/डीवीडी विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थानों द्वारा प्रकाशित 270 सामायिकी तथा लोकप्रिय पत्रिकाएं और 4 ऑनलाइन संसाधन सब्सक्राइब करने की सुविधा शामिल है।

iqLrdky; fuEufyf[kr bZ&fjlkslZ lcLØkbcj djrk gSA

bch,llhvksdk fctusl lksl izfe;j डाटाबेस ग्रंथ सूचियों का संग्रह तथा 3000 से अधिक पत्र पत्रिकाओं के लेखों की पूरी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

ts,lVhvksvkj ऑनलाइन मानवशास्त्र, एशियाई एफ्रो–अमेरिकन अध्ययन, परिस्थिति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा, वित्त सामान्य विज्ञान, इतिहास, साहित्य, गणित, संगीत, दर्शन, राजनैतिक विज्ञान, समाजशास्त्र तथा सांख्यिकी में वैज्ञानिक पत्रिकाओं का डिजिटल संग्रह है।

vkbuykbu lka[;dh; MsVkcsl %& भारतीय सांख्यिकीय डेटाबेस में भारत तथा उनके राज्यों के बारे में गौण स्तरीय सामाजार्थिक आंकड़ों का व्यापक संकलन है।

euqi=k % यह विधिक डेटाबेस है जिसमें भारत और अमरीका, ब्रिटेन, श्रीलंका, बंगलादेश के कानूनों के संबंध में विधिक मामलों, विधिक शोध तथा लेख शामिल है। वर्ष 2013–14 में पुस्तकालय ने पाकिस्तान को भी इसमें स्थान दिया।

इसके अलावा पुस्तकालय प्रत्येक माह सुलभ संदर्भ के लिए निम्नलिखित प्रकाशनों का विमोचन किया

क) पुस्तकालय के लिए नई पुस्तकों/सीडी/डीवीडी की सूची शामिल की गई।

ख) नई पुस्तकों की समीक्षा का संकलन

वर्ष 2013–14 के दौरान पुस्तकालय ने 4500 से अधिक पुस्तक तथा लगभग 300 सीडी/डीवीडी जोड़े।

jktHkk"kk

भारत सरकार के कार्यालयों में भारत संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पदों का सृजन किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कर्यान्वयन हेतु अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभाग, निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए –

- भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2013–14 के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया जा रहा है। तदनुसार, अकादमी द्वारा 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों के साथ लगभग 90 प्रतिशत और 'ग' क्षेत्र के साथ लगभग 65 प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के अंतर्गत द्विभाषी जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान, यह अकादमी, हिंदी पुस्तकों, सीडी, डीवीडी आदि की खरीद के लिए 41.53 प्रतिशत राशि व्यय कर राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत बजट के व्यय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहा है। अकादमी के निदेशक की अध्यक्षता में प्रति माह राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की जाती है तथा यथोचित मार्गदर्शन किया जाता है।

- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में दिनांक 02 सितंबर से 13 सितंबर, 2013 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में, अकादमी स्टाफ एवं अकादमी से संबद्ध इकाइयों के स्टाफ तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञान, तीन वर्गों के लिए अलग–अलग हिंदी निबंध लेखन, श्रुत लेखन तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 07 अक्टूबर, 2013 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि अकादमी के निदेशक, श्री पदमवीर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासन प्रभारी, डॉ0 प्रेम सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन, सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री नंदन सिंह दुग्ताल ने किया। समारोह में अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ सम्मिलित हुए।

इस समारोह में, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना – 2012–13 के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह, इस समारोह में कुल 26 प्रतिभागियों को, निदेशक एवं प्रशासन प्रभारी महोदय ने प्रशस्तिपत्र, नकद धनराशि तथा साहित्यिक पुस्तकें पुरस्कार स्वरूप प्रदान कीं।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में अकादमी में हिंदी के प्रयोग पर संतोष व्यक्त किया तथा इस अवसर पर अकादमी की पत्रिका 'सृजन' का विमोचन भी किया। उन्होंने पत्रिका की रूपसज्जा संबंधी गुणवत्ता में और अधिक सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस समारोह में अकादमी के प्रशासन प्रभारी डॉ0 प्रेम सिंह एवं प्रभारी राजभाषा निधि शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए तथा राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। अंत में, निदेशक महोदय ने सभी संकाय सदस्यों, अधिकारी एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए, पुनः सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किये।

- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यकतानुसार समय–समय पर उपलब्ध कराई जाने वाली प्रशासनिक सामग्री यथा–पत्रों, परिपत्रों, सूचनाओं, निविदा सूचनाओं, वार्षिक रिपोर्ट, प्रश्नपत्रों, अनुशासनिक कार्यवाहियों इत्यादि के अनुवाद के अतिरिक्त, राजभाषा अनुभाग ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, आधारिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम पुस्तिका तथा मानक पत्रों के प्रारूप का अनुवाद संपन्न किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण, दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए कटिबद्ध है।

परिशिष्ट

ifjf'k"V& 1 % HkkSfrd volajpuk

d- d{kk@O;k[;ku@lEesyu d{k		
i)	कक्षाओं/व्याख्यान कक्षों की कुल सं.	16
ii)	सभी/व्याख्यान कक्षों की कुल (बैठक) क्षमता	1184 सीटें
iii)	सम्पूर्णानंद ऑडिटोरियम (बैठक क्षमता – 472)	01
iv)	नेहरू ऑडिटोरियम (बैठक क्षमता – 150)	01
v)	सम्मेलन कक्ष/हॉल	02
vi)	प्रत्येक सम्मेलन कक्ष/हॉल की बैठक क्षमता	50
[k- vU; ijf'k{k.k midj.k		–
i)	ओएचपी	10
ii)	एलसीडी विडियो प्रोजेक्टर	21
iii)	अन्य	04 स्लाइड प्रोजेक्ट
x- Nk=kokl		
i)	गंगा छात्रावास	78
ii)	कावेरी छात्रावास	32
iii)	नर्मदा छात्रावास	22
iv)	कालिंदी अतिथि गृह	21
v)	हैप्पी वैली ब्लॉक	25
vi)	इंदिरा भवन छात्रावास (पुराना)	23
vii)	सिल्वरवुड छात्रावास	54
viii)	महानदी छात्रावास	30
ix)	वैली व्यू हॉटल (इंदिरा भवन)	48
x)	ब्रह्मपुत्र अतिथि गृह	12
?k- vkokl		
i)	अधिकारियों के लिए	38
ii)	स्टाफ के लिए	319

ifjf'k"V& 2 % la;qDr funs'kdksa dh lwph

संयुक्त निदेशक :– निम्नलिखित अधिकारी अकादमी के संयुक्त निदेशक के रूप में तैनात किए गए :–

Øe la	uke	vof/k
1.	श्री जे.सी. अग्रवाल	19.06.1965 से 07.01.1967 तक
2.	श्री टी.एन. चतुर्वेदी	27.07.1967 से 09.02.1971 तक
3.	श्री एस.एस. बिसेन	01.04.1971 से 09.09.1972 तक
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन	20.09.1972 से 05.12.1973 तक
5.	श्री एच.एस. दुबे	03.03.1974 से 18.12.1976 तक
6.	श्री एस.आर. एडिगे	12.05.1977 से 07.01.1980 तक
7.	श्री एस.सी. वैश	07.01.1980 से 07.07.1983 तक
8.	श्री एस. पार्थसारथी	18.05.1984 से 10.09.1987 तक
9.	श्री ललित माथुर	10.09.1987 से 01.06.1991 तक
10.	डॉ0 वी.के. अग्निहोत्री	31.08.1992 से 26.04.1998 तक
11.	श्री बिनोद कुमार	27.04.1998 से 28.06.2002 तक
12.	श्री रुद्रगंगाधरण	23.11.2004 से 06.04.2006 तक
13.	श्री पदमवीर सिंह	12.03.2007 से 02.02.2009 तक
14.	श्री पी.के. गेरा	24.05.2010 से 20.05.2012 तक
15.	श्री संजीव चोपड़ा	09.09.2010 से अब तक
16.	श्री दुष्यंत नरियाला	24.12.2013 से अब तक
17.	श्री तेजवीर सिंह	06.08.2014 से अब तक
18.	श्रीमती रंजना चोपड़ा	06.08.2014 से अब तक

श्री पदमवीर सिंह
निदेशक

श्री संजीव चोपड़ा
संयुक्त निदेशक

श्री दुष्यंत नरियाला
संयुक्त निदेशक

श्रीमती रंजना चोपड़ा
संयुक्त निदेशक

श्री तेजवीर सिंह
संयुक्त निदेशक

श्रीमती जसप्रीत तलवार
उपनिदेशक (वरि0)

श्रीमती रोली सिंह
उपनिदेशक (वरि0)

श्री जयंत सिंह
उपनिदेशक (वरि0)

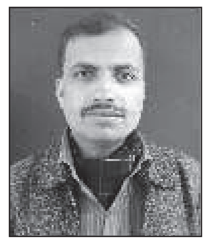
श्री राजेश आर्य
उपनिदेशक (वरि0)

डॉ0 प्रेम सिंह
उपनिदेशक (वरि0)

श्रीमती निधि शर्मा
उपनिदेशक (वरि0)

श्री मनस्वी कुमार
उपनिदेशक

श्री सौरभ जैन
उपनिदेशक

श्री अभिषेक स्वामी
उपनिदेशक

डॉ0 ए.एस. राम चंद्र
प्रो0 राजनीतिक सिद्धांत

श्रीमती शिप्रा झा
रीडर, राजनीतिक सिद्धांत

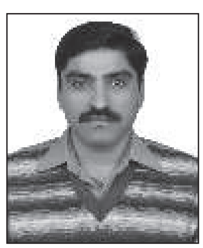
डॉ0 आर.के. कांकाणी
प्रो0 अर्थशास्त्र

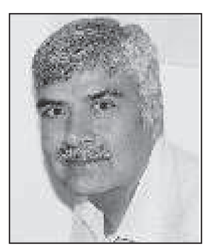
डॉ0 रमेश चंद्र
प्रो0 अर्थशास्त्र

डॉ0 अमर के.जे.आर नायक
प्रो0 अर्थशास्त्र

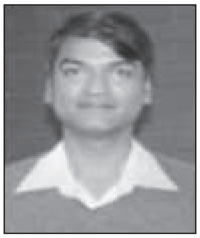

श्री रत्नेश सिंह
सहायक निदेशक

श्रीमती प्रीति रानी बोरा
स्हायक निदेशक

v dkneh esa vU; vf/kdkjh

1.	नंदन सिंह दुग्ताल	सहायक निदेशक (राजभाषा)
2.	रत्नेश सिंह	सहायक निदेशक
3.	प्रीति रानी बोरा	सहायक निदेशक
4.	डॉ. दलजीत कौर	सहायक निदेशक (भाषा)
5.	डॉ. वी.बी. मुतिनमठ	भाषा अनुदेशक
6.	डॉ. अलका कुलकर्णी	भाषा अनुदेशक
7.	ए. नल्लासामी	भाषा अनुदेशक
8.	अरशद एम. नंदन	भाषा अनुदेशक
9.	के.बी. सिंघा	भाषा अनुदेशक
10.	सौदामिनि भूयां	भाषा अनुदेशक
11.	हरी सिंह रावत	व्यायाम अनुदेशक
12.	पृथ्वी सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
13.	बलजीत सिंह	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक
14.	डॉ. एम. चक्रवर्ती	प्रमुख, निक्टू
15.	आजाद सिंह	वैज्ञानिक 'बी' निक्टू
16.	अमरजीत सिंह दत्त	वैज्ञानिक अधिकारी
17.	डॉ. बी.एस. काला	मुख्य चिकित्साधिकारी (एनएफएसजी)
18.	डॉ. बहादुर सिंह	मुख्य चिकित्साधिकारी
19.	वी.एस. धनै	प्रशासन अधिकारी (लेखा)
20.	आलोक पाण्डेय	वरिष्ठ प्रोग्रामर
21.	आर.के. अरोड़ा	सहायक पु. एवं सूचना अधिकारी
22.	सत्यबीर सिंह	प्रशासन अधिकारी
23.	एस.पी.एस. रावत	निजी सचिव
24.	पुरुषोत्तम कुमार	निजी सचिव

ifjf'k"V& 4 % 88osa vk/kkfjd ikB~;Øe ds izfrHkkxh

88osa vk0 ik0 dk lsok&okj C;kSjk

lsok@jkT;	dqy
भा0 प्र0 सेवा	165
भा0 वि0 सेवा	26
भा0 पु0 सेवा	75
रॉयल भुटान सिविल सेवा	03
dqy	**269**

ifjf'k"V& 5 % Hkkjrh; iz'kklfud lsok pj.k&A ¼2012 &14 cSp½ ds ifrHkkxh

lsok@jkT;	iq#"k	efgyk,a	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
एजीएमयूटी	09	03	12
आंध्र प्रदेश	07	02	09
असम मेघालय	06	–	06
बिहार	08	01	09
छत्तीसगढ़	06	01	07
गुजरात	05	01	06
हरियाणा	02	02	04
हिमाचल प्रदेश	02	01	03
जम्मू–कश्मीर	04	–	04
झारखंड	06	02	08
कर्नाटक	06	02	08
केरल	04	02	06
मध्य प्रदेश	12	03	15
महाराष्ट्र	07	–	07
मणिपुर–त्रिपुरा	02	02	04
नागालैण्ड	03	01	04
उड़ीसा	04	02	06
पंजाब	04	01	05
राजस्थान	06	01	07
रायल भूटान सिविल सेवा	03	–	03
सिक्किम	01	–	01
तमिलनाडु	08	01	09
उत्तर प्रदेश	12	05	17
उत्तराखण्ड	03	–	03
पश्चिम बंगाल	07	01	08
;ksx	137	34	171

ifjf'k"V& 6 % Hkkjrh; iz'kklfud lsok pj.k&AA ds ifrHkkxh ¼2011&13 cSp½

lsok@jkT;	iq#"k	efgyk,a	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
एजीएमयूटी	04	07	11
आंध्र प्रदेश	02	04	06
असम मेघालय	01	06	07
बिहार	00	10	10
छत्तीसगढ़	00	06	06
गुजरात	00	06	06
हरियाणा	00	04	04
हिमाचल प्रदेष	00	03	03
जम्मू–कश्मीर	01	03	04
झारखंड	01	06	07
कर्नाटक	04	05	09
केरल	00	06	06
मध्य प्रदेश	03	06	09
महाराष्ट्र	01	07	08
मणिपुर–त्रिपुरा	00	04	04
नागालैण्ड	00	02	02
उड़ीसा	00	05	05
पंजाब	02	03	05
राजस्थान	02	05	07
रायल भूटान सिविल सेवा	00	02	02
सिक्किम	00	01	01
तमिलनाडु	01	07	08
उत्तर प्रदेश	00	16	16
उत्तराखंड	00	03	03
पश्चिम बंगाल	02	05	07
वायु सेना	00	01	01
सेना	00	01	01
;ksx	**24**	**134**	**158**

ifjf'k"V& 7 % Hkkjrh; iz'kklfud lsok pj.k& III ds ifrHkkxh ¼2013½

lsok@jkT;	iq#"k	efgyk,a	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
आंध्र प्रदेश	3	1	4
असम–मेघालय	5	0	5
बिहार	5	1	6
छत्तीसगढ़	0	0	0
गुजरात	6	2	8
हरियाणा	3	0	3
हिमाचल प्रदेश	1	2	3
जम्मू–कश्मीर	4	1	5
झारखंड	2	0	2
कर्नाटक	0	1	1
केरल	3	1	4
मध्य प्रदेश	3	1	4
महाराष्ट्र	7	1	8
मणिपुर–त्रिपुरा	5	2	7
नागालैण्ड	1	0	1
उड़ीसा	2	0	2
पंजाब	1	0	1
राजस्थान	2	0	2
सिक्किम	0	0	0
तमिलनाडु	2	2	4
संघराज्य क्षेत्र	9	2	11
उत्तर प्रदेश	4	3	7
उत्तराखंड	1	1	2
पश्चिम बंगाल	2	1	3
श्रीलंका प्रशा. सेवा के अधिकारी		0	0
dqy ifrHkkxh	**71**	**22**	**93**

पुरूष	71
महिलाएंa	22
कुल	93

1999	1
2000	3
2001	5
2002	9
2003	29
2004	22
2005	24
dqy ifrHkkxh	93

ifjf'k"V& 8 % Hkkjrh; iz'kklfud lsok pj.k& IV ds ifrHkkxh ¼2013½

lsok@jkT;	iq#"k	efgyk,a	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
आंध्र प्रदेश	4	0	4
असम–मेघालय	2	0	2
बिहार	2	0	2
छत्तीसगढ़	0	0	0
गुजरात	2	1	3
हरियाणा	2	0	2
हिमाचल प्रदेश	1	0	1
जम्मू–कश्मीर	0	0	0
झारखंड	2	2	4
कर्नाटक	2	0	2
केरल	0	0	0
मध्य प्रदेश	2	2	4
महाराष्ट्र	10	0	10
मणिपुर–त्रिपुरा	4	0	4
नागालैण्ड	3	0	3
उड़ीसा	3	0	3
पंजाब	5	1	6
राजस्थान	4	1	5
सिक्किम	1	0	1
तमिलनाडु	2	1	3
संघराज्य क्षेत्र	7	0	7
उत्तर प्रदेश	6	1	7
उत्तराखंड	0	0	0
पश्चिम बंगाल	2	1	3
dqy ifrHkkxh	**66**	**10**	**76**

पुरूष	66
महिलाएंa	10
dqy	76
vuqekfnr	
हाँ	76
नही	0
कुल	76

1992	1
1993	0
1994	5
1995	0
1996	17
1997	20
1998	33
dqy ifrHkkxh	76

ifjf'k"V& 9 % Hkkjrh; iz'kklfud lsok pj.k& V ds ifrHkkxh ¼2013½

lsok@jkT;	iq#"k	efgyk,a	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
आंध्र प्रदेश	10	1	11
असम–मेघालय	7	0	7
बिहार	1	0	1
छत्तीसगढ़	0	0	0
गुजरात	5	0	5
हरियाणा	3	2	5
हिमाचल प्रदेश	3	0	3
जम्मू–कश्मीर	2	0	2
झारखंड	3	0	3
कर्नाटक	2	1	3
केरल	2	1	3
मध्य प्रदेश	6	1	7
महाराष्ट्र	6	3	9
मणिपुर–त्रिपुरा	1	0	1
नागालैण्ड	0	0	0
उड़ीसा	5	0	5
पंजाब	4	1	5
राजस्थान	5	1	6
सिक्किम	0	0	0
तमिलनाडु	1	0	1
संघराज्य क्षेत्र	2	0	2
उत्तर प्रदेश	6	2	8
उत्तराखंड	2	1	3
पश्चिम बंगाल	3	0	3
कुल प्रतिभागी	79	14	93

पुरूष	79
महिलाएंa	14
dqy	93

1882	1
1883	7
1884	23
1885	62
1886	0
1887	0
dqy ifrHkkxh	93

ifjf'k"V& 10 % 114osa izos'kdkyhu izf'k{k.k dk;Øe ds izfrHkkxh

laoxZ&okj C;kSjk

laoxZ	iq#"k	efgyk,a
अगमुट	3	–
आन्ध्रप्रदेश	–	1
असम	1	–
बिहार	7	–
छत्तीसगढ़	4	–
हरियाणा	1	1
जम्मू–कश्मीर	3	1
कर्नाटक	2	2
केरल	1	–
महाराष्ट्र	7	–
मेघालय	1	–
नागालैंड	3	1
पंजाब	–	2
तमिलनाडु	2	1
उत्तराखंड	2	–
उत्तर प्रदेश	–	1
पश्चिम बंगाल	2	1
	39	11
;ksx	50	

114osa izos'kdkyhu izf'k{k.k dk;Zdze ds izfrHkkfx;ksa dk cSp&okj fooj.k

cSp	la[;k
1999	7
2001	4
2002	3
2003	3
2004	10
2005	7
2006	3
2008	1
2011	2
2013	1
cSp vkcafVr ugha	9
;ksx	50

a	अवधि :	18 – 29 नवंबर, 2013 तक	
2	प्रतिभागियों का ब्योरा		
		भारतीय प्रशासनिक सेवा	03
		भारतीय पुलिस सेवा	01
		भारतीय विदेश सेवा	02
		भारतीय रक्षा लेखा सेवा	01
		आई.डी.ई.एस	01
		भारतीय तट रक्षक	02
		भारतीय रेल यातायात सेवा	02
		रेलवे पुलिस बल	01
		आईडीएस एचक्यू	01
		भारतीय सेना	07
		भारतीय वायु सेना	03
		भारतीय नौसेना	03
		आर्मी वार कॉलेज	01
		डिफेंस स्टाफ कॉलेज	01
		सीमा सुरक्षा बल	02
		भा.ति.सी. पुलिस	01
		राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड	01
		न्यायपालिका	09
		मेयर	01
		जिला पंचायत	01
		निजी क्षेत्र	02
	;ksx		46